THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 330 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ. 7 2079 सोमवार, 13 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नामकरण आयोग बनाने की मांग

सुप्रीम कोर्ट में याचिका, आक्रांताओं के नाम हटाने को आयोग बने

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। देश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धार्मिक स्थलों के मूल नाम का पता लगाने, उनके मूल नाम रखने के लिए 'नामकरण आयोग' बनाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इसमें कहा है कि स्थलों के नाम विदेशी आक्रांताओं के नाम पर हैं।

वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्रीय गृह मंत्रालय को 'नामकरण आयोग' गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। सुप्रीम कोर्ट से यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि पुरातत्व विभाग पुराने नामों को प्रकाशित करे।

याचिका में कहा गया है कि भगवान कृष्ण और बलराम के आशीर्वाद से पांडवों ने खांडवप्रस्थ (निर्जन भूमि) को इंद्रप्रस्थ (दिल्ली) बनाया, लेकिन कृष्ण, बलराम, युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव, कुंती, द्रौपदी और अभिमन्यु के नाम पर एक भी सड़क, नगर पालिका वार्ड, गांव या विधानसभा क्षेत्र का नाम नहीं है। दूसरी ओर बर्बर विदेशी आक्रांताओं के नाम पर सड़कें, नगर पालिका वार्ड, ग्राम एवं विधानसभा क्षेत्र हैं।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया गया, लेकिन सरकार ने बाबर रोड, हुमायूं रोड, अकबर रोड, जहांगीर रोड, शाहजहां रोड, बहादुर शाह जफर रोड जैसे आक्रमणकारियों के नाम पर सड़कों का नाम बदलने के लिए कुछ नहीं किया।

कांग्रेस सड़क बनाने से डरती थी : मोदी

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन में कहा- उन्हें सैनिकों के पराक्रम पर शक था

दौसा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे के पहले फेज का उद्घाटन किया। इसके बाद सभा में पीएम ने कहा, कांग्रेस की सरकार भारत के सीमावर्ती इलाकों में सड़क बनाने से डरती थी। उन्हें लगता था कि दुश्मन हमारी बनाई सड़कों से चलकर देश के भीतर आ जाएगा। मुझे समझ नहीं आता कि कांग्रेस क्यों हमारे सैनिकों के शौर्य और बहादुरी को कम आंकती रही है।

पीएम ने कहा, सीमा पर दुश्मनों को रोक देना और उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना हमारी सेना को बखूबी आता है। इससे पहले दौसा में हाइवे के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम ने कहा कि यह विकसित होते भारत की भव्य तस्वीर है। जब ऐसी आधुनिक सड़कें बनती हैं तो देश की प्रगति को गति मिलती है। यह प्रोजेक्ट राजस्थान समेत मप्र, महाराष्ट्र और गुजरात की तस्वीर बदल देगा।

पुराना बजट पढ़ने को लेकर गहलोत पर ली चुटकी

भाजपा की रैली में नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बिना नाम लिए इशारों में निशाना साधा। उन्होंने कहा कि साल भर तक बजट को डिब्बे में बंद रखा। गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन यह साबित होता है कि कांग्रेस के पास न विजन है, न उसकी बातों में वजन है।

दिल्ली-जयपुर के बीच ट्रैवल टाइम आधा हो जाएगा :

पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले 9 साल से इस तरह के प्रोजेक्ट्स पर बड़ी रकम खर्च कर रही है। इस साल के बजट में सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 लाख करोड़ रुपये का प्रोविजन किया गया है। यह 2014 की तुलना में 5 गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा, इस हाइवे से जयपुर से दिल्ली जाने का टाइम आधा हो जाएगा। ये एक्सप्रेस-वे बंदरगाहों, लॉजिस्टिक पार्क को कई राज्यों से जोड़ेगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किए गए खर्च से सभी को फायदा :

प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का एक और पक्ष है। जब यह तैयार हो जाता है तो किसान, स्टूडेंट, व्यापारी सभी को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। दुनिया में ऐसे अनेक अध्ययन हैं, जो बताते हैं कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगाई गई राशि जमीन पर कई गुना असर दिखाती है, इससे कई गुना निवेश आकर्षित होता है।

हमारी नीतियां अमीर-गरीब में फर्क नहीं करतीं

दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर बोले, वंचितों की सेवा सरकार की प्राथमिकता

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान वह यज्ञ में भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय स्वामीजी ने महिला सशक्तिकरण के लिए आवाज उठाई थी और छुआछूत के खिलाफ लड़े थे।

पीएम मोदी ने कहा कि देश की नीतियां और कोशिशें लोगों में फर्क नहीं करती हैं। हमारी सरकार वंचितों, पिछड़े वर्गों और गरीबों की सेवा को अपनी प्राथमिकता मानती है। उन्होंने कहा कि यह अवसर ऐतिहासिक है और भविष्य के इतिहास को निर्मित करने का है। यह पूरे विश्व के मानवता के भविष्य के लिए प्रेरणा का फल है। स्वामी दयानंद जी और उनका आदर्श था कि हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, अर्जुन राम मेघवाल और मीनाक्षी लेखी भी मौजूद रहे।

पीएम बोले, महर्षि ने समाज की कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी :

पीएम ने कहा, जब महर्षि दयानंद का जन्म हुआ था तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़ कर अपनी आभा, तेज, आत्मविश्वास सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रति क्षण हमारे संस्कार, आदर्श को चूर-चूर करने का प्रयास होता था। >14

13 राज्यों में गवर्नर बदले

9 में इसी साल चुनाव : राम मंदिर फैसले में शामिल जस्टिस नजीर आंध्र के गवर्नर, महाराष्ट्र में कोश्यारी की जगह बैस

नई दिल्ली/मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने रविवार को 13 राज्यों में गवर्नर और उप-राज्यपाल बदले हैं। शिवाजी पर बयान देकर विवादों में आए महाराष्ट्र के गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह रमेश बैस महाराष्ट्र के गवर्नर बनाए गए हैं। वे अभी झारखंड के राज्यपाल थे। इसी साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया है। रिटायरमेंट के 40 दिन बाद राज्यपाल बनाए गए जस्टिस नजीर राम मंदिर, ट्रिपल तलाक जैसे मामलों में फैसला दे चुकी बेंच में शामिल थे।

9 चुनावी राज्यों के गर्वनर बदले गए

इसी साल देश के 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं। इनमें पूर्वोत्तर के चार राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं, हिंदी बेल्ट के तीन बड़े राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नवंबर में चुनाव होने हैं। दक्षिण के कर्नाटक और तेलंगाना में भी इसी साल चुनाव हैं। जम्मू-कश्मीर से अलग करके केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) बनाए गए लद्दाख में उपराज्यपाल (एलजी) की नियुक्ति की गई है।

शिवाजी पर बयान के बाद विवादों में थे कोश्यारी, शाह से पूछा था- पद पर रहें या नहीं

छत्रपति शिवाजी महाराज पर दिए गए बयान को लेकर विवादों में रहने वाले महाराष्ट्र के पूर्व गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी ने गृहमंत्री अमित शाह को 6 दिसंबर को चिट्ठी लिखकर मार्गदर्शन मांगा था। उन्होंने गृहमंत्री से पूछा था, उन्हें इस पद पर बने रहना है या नहीं।

कोश्यारी ने 19 नवंबर को औरंगाबाद में एक यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शिवाजी को पुराने दिनों का आइकॉन कहा था। >14

मुजफ्फरपुर में 3 टाइम बम मिले

आतंकी कनेक्शन की जांच : अब तक 4 पकड़ाए, भीड़ में विस्फोट की थी साजिश

मुजफ्फरपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर शहर में ड्रग्स सप्लायर जावेद उर्फ सिन्हु के घर से पुलिस ने तीन टाइम बम बरामद किया है। इसके बाद पुलिस और एटीएस आतंकी साजिश की जांच कर रही है।

इस मामले की जांच उत्तरप्रदेश तक पहुंच गई है। यूपी के बुलंदशहर से भी एक युवक शमी खान को हिरासत में लिया गया है। बिहार एटीएस उससे पूछताछ कर रही है। देररात तक यूपी एटीएस के भी पहुंचने की संभावना है। इस मामले में शनिवार को पुलिस ने फेरी लगाने वाले मुजफ्फरपुर निवासी जावेद और यूपी के बुलंदशहर के 2 युवकों को गिरफ्तार किया था। जावेद की मोबाइल से कश्मीर के अलग-अलग जगहों की फोटो मिली है।

झोले में रखा हुआ था बम

इस मामले पर मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार ने बताया की स्मैक का इनपुट मिला था। सूचना के आधार पर टीम तिनकोठीया मोहल्ले में छापेमारी करने पहुंची थी। छापेमारी के दौरान 600 ग्राम तैयार किए जाने वाला स्मैक और 100 ग्राम स्मैक का पुड़िया मिला। कारतूस के 5 खोखा भी मिला। 4 मोबाइल भी जब्त किया गया है। टीम ने जब और भी जगह की तलाशी ली तो एक झोले में बम मिला। झोले में बम रखकर उसे बांधकर रख दिया गया था।

पुलिस टीम ने उसे खोला तो 3 बम निकले। बम टाइमरयुक्त इलेक्ट्रॉनिक सर्किट से लैस थे। दो पर डिजिटल वॉच और एक पर एनालॉग वॉच लगा था। टाइमिंग सेट कर भीड़-भाड़ वाले इलाके में उसको ब्लास्ट किया जा सकता था। टाइम बम को तत्काल डिफ्यूज किया गया।

प्रारंभिक जांच में आतंकी साजिश की आशंका

बम निरोधक दस्ता के साथ फॉरेंसिक टीम की प्रारंभिक जांच में आतंकी गतिविधि से तार जुड़ने की आशंका को देखते हुए एटीएस को सूचना दी गई।

पुलिस का कहना है कि बरामद बम की मारक क्षमता कम है। इससे भीड़-भाड़ वाले इलाके में विस्फोट करके भगदड़ मचाई जा सकती थी। जावेद मुंह नहीं खोल रहा है।

जावेद के अलावा यूपी के दो लोगों के मोबाइल कॉल डिटेल और टावर लोकेशन की जांच की जा रही है। यूपी के दोनों युवकों ने दो मंजिला भवन में 10 दिन पहले किराए पर कमरा लिया था। दोनों बुलंदशहर के रहने वाले हैं।

मुख्यमंत्री के सभा स्थल के आसपास का सीसी कैमरा खंगाल रही पुलिस

14 फरवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन को लेकर सदर पुलिस ने एहतियातन शनिवार की रात शेरपुर इलाके में पहुंच कर सीसी कैमरा को खंगाला। हालांकि सीसी कैमरा में जावेद को नहीं देखा जा सका। मोबाइल टावर लोकेशन की भी जांच हो रही है। गौरतलब है कि पूर्वी चंपारण के मेहसी-चकिया में पीएफआई मेंबर की गिरफ्तारी के बाद मुजफ्फरपुर के बरूराज में भी एनआईए ने पिछले दिनों छापेमारी की थी। एनआईए के बाद पीएफआई मामले की भी एटीएस ने दो दिनों से मुजफ्फरपुर में जांच शुरू कर दी है।

फरार छोटा शकील का शार्पशूटर जेल में ही मिला

20 साल से पुलिस को तलाश थी, कोर्ट ने बरी किया, कहा- ये अनसुलझा रहस्य

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के 20 साल से फरार शार्पशूटर अशरफ सिद्दीकी को ढूंढ रही थी। पुलिस को अब वह जेल में ही बंद मिला है। वह किसी और मामले में जेल में बंद था। सिद्दीकी ने जुलाई 1999 में बॉम्बे अमन कमेटी के अध्यक्ष वाहिद अली खान की हत्या कर दी थी और मौके से फरार हो गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले में पुलिस ने आरोपी को 2019 में गिरफ्तार किया था। हाल ही में 3 फरवरी 2023 को महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (एमसीओसीए) स्पेशल जज ने केस में खामियों का हवाला देते हुए आरोपी को बरी कर दिया। जज ने कहा कि यह एक अनसुलझा रहस्य है, जिसके बारे में पुलिस बेहतर जानती है।

जज ने पुलिस पर गुस्सा भी जाहिर किया, जब यह खुलासा हुआ कि पुलिस 1999 में हत्याकांड के फरार आरोपी को ढूंढ रही है। जबकि वह 2014 से 2019 तक किसी और मामले में जेल में बंद था और उसे सीआईडी ने गिरफ्तार किया था।

कोर्ट ने कहा, पुलिस साबित करने में विफल रही

जज ने कहा कि मुखबिर की गवाही कई संदेह से घिरी हुई है और अन्य गवाहों के साथ इसकी पुष्टि नहीं होती है। साथ ही कहा कि पुलिस उस पिस्टल की बरामदगी को साबित करने में विफल रही, जिससे खान को गोली मारी गई थी। कोई वाहन की भी जानकारी सामने नहीं आई है जिससे उस आरोपी के भाग जाने की बात कही गई है।

कोर्ट ने इस पूरे मामले में कहा कि जब वह जेल में था तो पुलिस उसका पता लगाने में विफल कैसे रही? जबकि पुलिस फरार आरोपी और अंडर ट्रायल कैदी का रिकॉर्ड रखती है। >14

सैकड़ों कांग्रेसियों को कम्युनिस्टों ने मारा : अमित शाह

आज उन्हीं के साथ कांग्रेस ईलू-ईलू कर रही, भाजपा के डर से कट्टर दुश्मन लेफ्ट-कांग्रेस एक साथ हुए

अगरतला, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में चांदीपुर और उनाकोटी में दो चुनावी रैलियां को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों ने सैकड़ों कांग्रेसियों को मार दिया, आज उन्हीं के साथ कांग्रेस ईलू-ईलू कर रही है।

शाह ने आगे कहा कि विपक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा से हार मान ली है, तभी तो कांग्रेस ने कट्टर दुश्मन लेफ्ट पार्टी से गठबंधन किया है।:

अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा में लंबे समय तक आदिवासियों को धोखा देने वाला लेफ्ट अब लोगों को ठगने के लिए एक आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश कर रहा है। शाह ने आगे बोले कि अगर आप कांग्रेस, माकपा, तिपरा मोथा की 'तिहरी मुसीबत' से बचना चाहते हैं, तो डबल इंजन वाली भाजपा सरकार की सरकार बनाएं।

दरअसल, जितेंद्र चौधरी माकपा के बड़े आदिवासी नेताओं में से एक हैं। त्रिपुरा में कांग्रेस और लेफ्ट के गठबंधन में आने की स्थिति में उन्हें ही सीएम पद के दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

गृहमंत्री ने कहा कि आपने कांग्रेस का शासन तो देखा है। उन्होंने इस राज्य को जस से तस छोड़ दिया। हमारी पार्टी के नेता बिप्लब देब फिर माणिक शाह ने त्रिपुरा के विकास को आगे बढ़ाया है। राज्य के डेवलपमेंट के लिए गरीब मिडिल फैमिली के युवा को जोड़ने का काम भाजपा ने किया है। कांग्रेस ने कभी भी आदिवासी का कल्याण नहीं किया है। हमारे प्रधानमंत्री ने सभी को सामान अधिकार का अवसर दिया है।

शाह ने चुनावी रैली में कहा है कि राज्य में आज क्राइम रेट में 30 प्रतिशत की कमी आई है। साल 2025 तक हम गरीब को घर दे देंगे। कॉलेज की छात्रों को मुफ्त में स्कूटी देंगे। भाजपा जो कहती है, वो करती है। हम राज्य में बांस की खेती को आगे बढ़ाने पर जोर देंगे।

अमित शाह का एक सप्ताह में त्रिपुरा में यह दूसरा दौरा था। उन्होंने 6 फरवरी को साउथ त्रिपुरा के खोवाई जिले और संतिरबाजार में भी 2 चुनावी रैलियों को संबोधित किया था।

सीएम स्टालिन की नितिन गडकरी को चिट्ठी

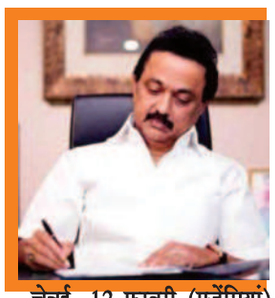

चेन्नई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने चेन्नई से रानीपेट नेशनल हाईवे की खराब हालत का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि उन्हें कुछ जिलों के दौरे के लिए ट्रेन से सफर करना पड़ा। सीएम स्टालिन ने लिखा, चेन्नई-बेंगलुरू हाईवे, चेन्नई और उसके बंदरगाहों को कांचीपुरम, वेल्लोर, रानीपेट, होसुर और कृष्णागिरी जैसे इंडस्ट्रियल एरिया से जोड़ता है। इस बारे में हमारे सांसद दयानिधि मारन ने संसद में सवाल उठाया था। लेकिन तब केंद्रीय मंत्री का जवाब बहुत ही सामान्य और गैर जिम्मेदाराना था। मैं आपके उत्तर से बहुत निराश हूं। स्टालिन ने आगे लिखा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी धारणा बनाई गई है कि राज्य सरकार एनएचएआई का सहयोग नहीं कर रही है, यह बात संसद में नितिन गडकरी के जवाब में अंडरलाइन की गई है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह सच नहीं है और हम राज्य और केंद्र सरकारों के प्रोजेक्ट्स के बीच भेदभाव किए बिना सभी में तेजी लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

स्टालिन लिखते हैं, एनएच-4 के श्रीपेरंबदूर से वालाजापेट सेगमेंट में सिक्स-लेन का काम चल रहा था, लेकिन ठेकेदारों और एनएनएआई के बीच कॉन्ट्रैक्ट इश्यू के कारण काम रुका है और इसलिए सड़क की स्थिति बहुत खराब है।

पाकिस्तान, कश्मीर, चीन... सबके लिए नेहरू जिम्मेदार, थरूर जी कोई एक शब्द है क्या?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अंग्रेजी की अपनी शब्दावली के लिए जाने जाते हैं। वो अक्सर कुछ ऐसे नए शब्द बोल देते हैं, जिनको समझने में अच्छे-अच्छे लोग डिक्शनरी खोजने में मजबूर हो जाते हैं। थरूर ने ट्विटर पर फिर एक ऐसा ही शब्द शेयर किया है। ये शब्द उन्होंने बीजेपी के नेहरू को लेकर किए जाने वाले आरोपों को लेकर किया है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उनसे निवेदन किया था कि बीजेपी हर सवाल के जवाब में नेहरू को ले आती है, ऐसे में आप उनके लिए क्या शब्द देना चाहेंगे।

सोशल मीडिया पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का ये जवाब काफी वायरल हो रहा है। आपको बता दें कि ट्विटर पर अनु मित्तल नाम की सोशल मीडिया यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा, पिछले 9 साल में पाकिस्तान, कश्मीर मुद्दा, चाइना मुद्दा, महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा

विवाद, महंगाई और अडानी मुद्दे सबका जवाब 'नेहरू' होता है। शशि थरूर आप इस नेहरू जुनून के लिए कोई शब्द देना चाहेंगे। इसके जवाब में शशि थरूर ने लिखा- 'दुराचार'। आपको बता दें इस शब्द का अर्थ बुरा आचरण करने वाले के लिए जाता है। लेकिन आमतौर पर इस शब्द का बोलचाल में कम ही इस्तेमाल किया जाता है। इसी वजह से शशि थरूर का ये जवाब फिर से चर्चा का विषय बन गया है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पूछा था कि गांधी परिवार के लोग नेहरू सरनेम का इस्तेमाल क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, मैंने पढ़ा है कि इस देश में 600 योजनाएं सिर्फ गांधी-नेहरू परिवार के नाम पर हैं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी कार्यक्रम में नेहरू जी के नाम का उल्लेख नहीं हुआ तो उनके बाल खड़े हो जाते हैं। उनका लहू गर्म हो जाता है कि नेहरू जी का नाम क्यों नहीं लिया। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे बहुत आश्चर्य होता है,चलो कभी छूट जाता है ठीक भी कर लेंगे, क्योंकि वह भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। लेकिन कोई व्यक्ति नेहरू सरनेम क्यों नहीं रखता। आपको मंजूर नहीं और हमारा हिसाब मांगते रहते हो।

बीजेपी की कठपुतली

मेघालय चुनाव से पहले जयराम रमेश का बड़ा आरोप

शिलांग, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कोनराड के. संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) और तृणमूल कांग्रेस पर चुनावी राज्य मेघालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की "कठपुतली" होने का आरोप लगाया।

रमेश ने दावा किया कि मेघालय का चुनाव कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि उसके 60 उम्मीदवारों में से 4 प्रतिशत की आयु 45 साल से कम है और राज्य में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले युवाओं को आगे लाने में मदद करते हैं।

यहां 27 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी करने आए कांग्रेस नेता ने कहा कि मेघालय का मतलब बादलों का घर है, लेकिन ये बादल बारिश वाले नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिजली कटौती के हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के बादल और मेघालय की पहचान के विनाश के खिलाफ तथा भाजपा, एनपीपी, यूडीपी, टीएमसी के अपवित्र गठबंधन के बादल के खिलाफ लड़ रही है, जो दावा कर रहे हैं कि वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रहे हैं।

अवैध संबंधों के कारण मां ने की बच्ची की उपेक्षा, हाईकोर्ट ने पिता को दी कस्टडी

बेंगलुरु, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने महिला के अवैध संबंध के मामले में नाबालिग बच्चे की कस्टडी पिता को सौंपते हुए कहा, मां ने अवैध संबंधों को महत्व देकर बच्ची की उपेक्षा की है। बच्ची के साथ ससुराल छोड़ने के बाद महिला ने उसे अपने माता-पिता के पास चंडीगढ़ में छोड़ दिया था और अपने नए साथी के साथ बेंगलुरु रहने चली गई थी। बच्ची के माता-पिता पेशे से डॉक्टर हैं और तलाकशुदा थे। उनकी पिछली शादी से कोई बच्चा नहीं था। 2011 में एक मैट्रिमोनियल साइट पर मुलाकात के बाद 2011 में दोनों ने शादी कर ली। 2015 में उन्हें एक बेटी हुई। शादी के बाद झगड़ों के चलते दानों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

कोश्यारी के इस्तीफे का उद्धव खेमे और एनसीपी ने किया स्वागत

कहा- बीजेपी की कठपुतली से मुक्त हुआ राजभवन

राज्यपाल कोश्यारी ने अपने पद का कद गिरा दिया थाः जयंत पाटिल

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महाराष्ट्र प्रमुख जयंत पाटिल ने राज्य के राज्यपाल के पद से भगत सिंह कोश्यारी के इस्तीफे का रविवार को स्वागत किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यहां राजभवन के नए पदाधिकारी भाजपा की कठपुतली नहीं होंगे। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोश्यारी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कोश्यारी के स्थान पर झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को नियुक्त किया गया है। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए राकांपा नेता जयंत पाटिल ने एक ट्वीट में कहा, मुझे उम्मीद है कि नया राज्यपाल पिछले वाले (कोश्यारी) की तरह भाजपा की कठपुतली नहीं होगा। हम महाराष्ट्र के राज्यपाल को बदलने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं क्योंकि यह महा विकास अघाड़ी की मांग थी।

जयंत पाटिल ने आगे कहा कि पिछले राज्यपाल ने राज्य के सामाजिक प्रतीकों के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के साथ-साथ वर्तमान असंवैधानिक राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करके अपने पद का कद गिरा दिया था। हम महाराष्ट्र के नए राज्यपाल की नियुक्ति की खबर का स्वागत करते हैं। नया एकनाथ शिंदे-भाजपा गठबंधन पिछले साल जून में शिवसेना में विभाजन और उसके बाद महा विकास अघाड़ी के पतन के बाद सत्ता में आया था।

आदित्य ठाकरे ने जताई खुशी

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने भी कोश्यारी के इस्तीफे का स्वागत किया। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि महाराष्ट्र की बड़ी जीत! महाराष्ट्र विरोधी राज्यपाल का इस्तीफा आखिरकार स्वीकार कर लिया गया है। आदित्य ठाकरे ने ट्वीट में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा पुले और सावित्री बाई फुले, हमारे संविधान, विधानसभा और लोकतांत्रिक आदर्शों का लगातार अपमान करने वाले को राज्यपाल के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

विवादों में रहे हैं कोश्यारी

बता दें कि कोश्यारी के कुछ बयानों ने विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके चलते पिछले महीने राज्य राजभवन ने घोषणा की थी कि वह पद छोड़ना चाहते हैं। पिछले साल नवंबर में एक सभा को संबोधित करते हुए, कोश्यारी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी पुराने समय के प्रतीक थे 'और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर से लेकर नितिन गडकरी जैसे व्यक्तित्व राज्य के आधुनिक प्रतीक थे।

हज यात्रा के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरना शुरू, 10 मार्च अंतिम तारीख

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने घोषणा की है कि हज यात्रा 2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 मार्च है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत 10 फरवरी, 2023 से हुई। बता दें, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने छह फरवरी को नई हज नीति की घोषणा की थी, जिसके तहत हज यात्रा के लिए आवेदन पत्र मुफ्त में उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही हज यात्रा के लिए पैकेज की राशि 50,000 रुपये कम की गई है। नई हज नीति को साझा करते हुए मंत्रालय ने कहा कि महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए यात्रा के दौरान विशेष व्यवस्था की गई है। हर साल ईद उल अजहा त्योहार के मौके पर दुनियाभर के मुस्लिम हज के लिए सऊदी अरब के मक्का शहर जाते हैं, जो मुसलमानों का पवित्र स्थान है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा सत्र बुधवार से होगा शुरू

राज्य वित्त मंत्री 15 फरवरी को करेंगी बजट पेश

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य 15 फरवरी को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य का बजट पेश करने के लिए तैयार हैं। अब तक के संकेतों के अनुसार यह लगभग निश्चित है कि पश्चिम बंगाल 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए राज्य उत्पाद शुल्क संग्रह के अपने लक्ष्य को न केवल पूरा करेगा बल्कि इसे पार भी करेगा। 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के बजट अनुमानों के अनुसार,

राज्य उत्पाद शुल्क संग्रह का लक्ष्य 16,500 करोड़ रुपये था और उत्पाद शुल्क विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार इस मद के तहत संग्रह 31 जनवरी 2023 तक 13,500 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी, जिन्होंने अपना नाम बताने से इनकार किया, ने कहा कि हम अब वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों में राज्य के उत्पाद शुल्क राजस्व संग्रह को बहुत अधिक निर्धारित कर सकते हैं, यह देखते हुए कि इस साल जनवरी में शराब की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी। सवाल यह भी है कि जब राज्य सरकार उत्पाद शुल्क संग्रह के अपने लक्ष्य को पार कर लेगी, तो क्या राज्य सरकार राज्य के अपने कर राजस्व के अपने लक्षित संग्रह को प्राप्त कर पाएगी।

मोहित हत्याकांड में दो और आरोपी गिरफ्तार

कुल्हाड़ी से काटकर उतारा था मौत के घाट

फरीदाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच डीएलएफ प्रभारी राकेश कुमार की टीम ने 26 अक्तूबर को लाठी-डंडों और कुल्हाडी से काटकर की गई मोहित यादव की हत्या के मामले में न्यू भूपानी क्षेत्र निवासी आकाश तथा विनय को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। अब तक ग्यारह आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इससे पहले मुख्य आरोपी करण तथा उसके पिता मुकेश, राहुल विशाल कुणाल सुमित, शुभम निशांत तथा संजय को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में सात अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी हैं। आरोपी आकाश केबल कंपनी में काम करता है जबकि विनय 12वीं कक्षा में पढ़ता है। 25/26 अक्तूबर की रात आरोपी और उसके 17-18 अन्य साथियों ने कुल्हाड़ी लाठी व डंडों से चोट मारकर मोहित और साथी नवीन को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मोहित और नवीन को अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने मोहित को मृत घोषित कर दिया। मोहित की पत्नी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

राज्यसभा में जया बच्चन को आया गुस्सा

सभापति को दिखा डाली उंगली, बीजेपी ने की निंदा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद जया बच्चन का गुस्से में सभापति जगदीप धनखड़ पर उंगली उठाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो को बीजेपी नेता शेयर कर रहे हैं और इसकी निंदा कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो पर लोगों ने भी गुस्सा जाहिर किया है. समाजवादी पार्टी की सांसद के इस व्यवहार की ट्विटर पर लोग आलोचना कर रहे हैं. सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सलाहकार कंचन गुप्ता ने कहा कि वीडियो ने उन्हें उस समय की याद दिला दी जब यूपीए सत्ता में थी और जया बच्चन ने कुछ कठोर टिप्पणियां की थीं. अमिताभ बच्चन माफी मांगने के लिए दौड़े और हाथ से हाथ मिलाने वाला बयान जारी किया.

जया को क्यों आया गुस्सा?

वायरल वीडियो 9 फरवरी को राज्यसभा की कार्यवाही का है. दरअसल, अडानी घोटाले को लेकर संसद में हंगामे के बीच कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल को अध्यक्ष के निर्देशों का उल्लंघन करने के लिए चल रहे बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया था. जया बच्चन ने कांग्रेस सांसद के समर्थन में बात की और कहा कि उन्हें सफाई देने का मौका नहीं दिया गया. इस दौरान उन्होंने सभापति को उंगली भी दिखाई.

पापराजी पर भड़कते थीं जया बच्चन

जया बच्चन का पिछले महीने भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, जिसको लेकर उनके व्यवहार की आलोचना हुई थी. बिग बी के साथ किसी इवेंट में पहुंची जया बच्चन ने उस वक्त पापराजी पर भड़कते हुए कहा था कि ऐसे लोगों को तो नौकरी से निकाल देना चाहिए. हालांकि, मौके पर मौजूद अमिताभ बच्चन ने मामले को संभाल लिया था.

शातिरों पर शिकंजा

एयरपोर्ट पर आरबीआई के फर्जी दस्तावेज के साथ तीन गिरफ्तार, जवान को रिश्वत देने की भी कोशिश

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने चेन्नई जा रहे तीन यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ा है। इनके पास आरबीआई के फर्जी दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि आरोपियों ने पकड़े जाने के बाद सीआईएसएफ के जवान को तीन लाख रुपये रिश्वत देने की कोशिश की। सीआईएसएफ अधिकारियों ने आरोपियों को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया है। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ फर्जीवाड़े का मामला दर्ज किया है। सीआईएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) हरि किशन ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल संख्या तीन पर शुक्रवार शाम सुरक्षा जांच के दौरान एक बैग में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लोगो व गवर्नर शक्तिकांत दास के नाम वाले फर्जी दस्तावेज देखे। जब यात्रियों से उन दस्तावेज के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। आरोपियों ने एएसआई हरि किशन को उन्हें छोड़ने के एवज में तीन लाख रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की। एएसआई ने उन्हें फटकार लगाई और वरिष्ठों को सूचित किया। तीन यात्रियों को सीआईएसएफ के कर्मियों ने हिरासत में ले लिया।

'न राम, न शिव उस वक्त सिर्फ अल्लाह थे'

मौलाना अरशद मदनी के बिगड़े बोल, कहा- आदम था तुम्हारा पूर्वज

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन में मौलाना अरशद मदनी के एक बयान के बाद मंच पर बवाल हो गया. इस बार उन्होंने मोहन भागवत को लेकर जहर उगला है. मौलाना ने कहा कि हमारे मजहब में दखल क्यों दिया जाता है. हमारा सबसे पहला नबी मनु यानी आदम है. मदनी ने कहा कि तुम्हारा पूर्वज हिन्दू नहीं था. तुम्हारा पूर्वज मनु था यानी आदम था. मदनी के इस बयान के बाद मंच पर बवाल भी हो गया. जमीयत उलेमा-ए-हिंद के 34वें अधिवेशन में मदनी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के लिए आपत्तिनजक शब्दों का भी इस्तेमाल किया. उन्होंने कहा अल्लाह ने इसी धरती पर मनु यानी आदम को उतारा है, जिसकी पत्नी हव्वा है जिनको तुम हेमवती कहते हो. ये हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सबके पूर्वज हैं. मदनी के बयान पर जैन गुरु लोकेश मुनि ने स्टेज पर खड़े होकर विरोध जताया. बयान से नाराज कई लोगों ने तुरंत ही मंच छोड़ दिया.

'दिल कबूल नहीं करता तो इस्लाम उसका नहीं'

बता दें कि, दिल्ली में चल रहा जमीयत उलेमा ए हिंद का अधिवेशन लगातार विवादों में है. बीते दिन भी महमूद मदनी ने भी कार्यक्रम के दौरान विवादित बयान जारी किया था. उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा था कि इस्लाम दुनिया का सबसे पुराना धर्म है और इस्लाम की पैदाइश भारत में हुई है. उन्होंने (हिंदू) समझा मस्जिदों को तोड़कर इस्लाम खत्म हो जाएगा तो ऐसा नहीं है. अगर दिल कबूल नहीं करता तो इस्लाम उसका नहीं हो सकता. हम हिंदू के साथ भाई-भाई की तरह रहते हैं.

'आदम को भारत की धरती पर उतारा'

उन्होंने कहा कि वह मुसलमानों को समझना चाहिए कि अल्लाह ने आखिरी नबी पैगंबर मोहम्मद को अरब में भेजा. अगर वो चाहता तो उनको अमेरिका, स्विट्जरलैंड, अफ्रीका में उतार सकता था. लेकिन उसने अरब की जमीन पर उतारा. इसी तरह पहले नबी आदम को भारत की धरती पर उतारा. अगर वो चाहता तो अफ्रीका, अरब रूस में उतरता लेकिन हमारा विश्वास है कि अदम को उतारने के लिए भारत की जमीन को चुना.

'राम और शिव से पहले किसे पूजते थे मनु'?

मदनी ने कहा कि जब न श्री राम थे और न शिव थे तो मनु किसको पूजते थे? कोई कहता जैन शिव को पूजते थे. बहुत ने कहा ओम को पूजते थे. हवा को पूजते थे, जो हर जगह थे. इसी को तो हम अल्लाह कहते हैं. मनु यानी आदम है. ये दुनिया का इतिहास है. हर जगह की मिट्टी लेकर अल्लाह ने आदम यानी मनु की औलाद को बनाया. सबसे पहले ला इलाहा इल्लाह लल्ला की आवाज भारत की धरती पर उतरी.

नांदेड़ पुलिस ने कई युवकों को अर्धनग्न कर पट्टे से पीटा

नांदेड़, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में पुलिस की ज्यादती का एक सनसनीखेज वीडियो सामने आया है.वीडियो में इस्लापुर पुलिस के एपीआई रघुनाथ शेवाले चार युवकों को अर्ध नग्न कर पट्टे से पीटते दिख रहे हैं. वीएचपी के मुताबिक पीड़ित युवक बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता हैं और इनका दोष इतना था कि एक फरवरी को इन्होंने इलाके में गोवंश ले जा रहे एक ट्रक को पकड़ा था. पिटाई का वीडियो सामने आने के बाद विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी किरण बिचेवार ने इस्लापुर के सहायक पुलिस निरीक्षक रघुनाथ शेवाले के खिलाफ लिखित में गृह मंत्री, पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक से शिकायत की है.किरण विचेवार के मुताबिक एक फरवरी को किनवट तहसील स्थित शिवणी के गोरक्षक कोने गोवंश कत्तलखाने में जानेवाले वाहन को रोका था. बाद में वाहन में सवार तीन गोवंश को छोड़ दिया गया. इस्लापुर पुलिस ने इस मामले को दबाने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ स्तर पर शिकायत करने के बाद कसाइयों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा. इस बात से नाराज इस्लापुर थाने के सहायक पुलिस निरिक्षक रघुनाथ शेवाले ने शिवणी गांव की यात्रा में झगड़े का कारण बताकर गोरक्षकों को हिरासत में लेकर आम जनता के सामने युवकों को अर्ध नग्न करके पिटाई की. शिकायत मिलने और वीडियो वायरल होने के बावजूद मामले में चुप्पी साधे है. वहीं मामले में जिले के एसपी श्रीकृष्ण कोकाटे ने फोन पर बताया कि शिकायत मिलने के बाद एपीआई रघुनाथ शेवाले को पुलिस थाने से हटा कर कंट्रोल रूम में भेज दिया गया है

मुंबई में हादसाः खिंडीपाड़ा में मरम्मत कार्य के दौरान मकान गिरने से दो की मौत

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के भांडुप पश्चिम के खिंडीपाड़ा में मरम्मत कार्य के दौरान मकान गिरने से दो युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय राजकुमार धोत्रे और 18 वर्षीय रामानंद यादव के रूप में हुई है। बीएमसी ने इस घटना की जानकारी दी है।

पश्चिम बंगाल में हर 6 में से 1 किशोरी गर्भवती

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल पर जारी एक रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. स्वास्थ्य विभाग के पोर्टल मातृमा पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य की हर छह में से एक किशोरी गर्भवती है. किशोरावस्था में मां बनना जच्चा और बच्चा दोनों के लिए जोखिम भरा होता है. इससे न सिर्फ शिशु बल्कि मां के लिए भी परेशानी खड़ी हो सकती है. ऐसी स्थिति में मृत अवस्था में शिशु का जन्म हो सकता है. इसके साथ ही साथ एक्लम्पसिया और एनीमिया के कारण मां और बच्चे दोनों की जान को भी खतरा होता है. इस स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने चिंता जतायी है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-20 में बताया गया है कि बंगाल में 15 से 19 वर्ष की उम्र में शहरी क्षेत्रों में 8.5 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्रों में 19.6 फीसदी लड़कियां मां बन गयी थीं या गर्भवती थीं. रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में लगभग 17 फीसदी किशोरियां गर्भवती हैं, जबकि गर्भवती महिलाओं की संख्या सिर्फ चार फीसदी ही है. शादी की कानूनी उम्र 18 साल है हालांकि कम उम्र में मां बनने के चलते लड़कियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक जच्चा-बच्चा की जान को लेकर जोखिम कम करने के लिए गर्भावस्था के वक्त मां की न्यूनतम उम्र 21 साल होनी चाहिए.

कालसी जा रहे सीएम धामी को दिखाए काले झंडे, हिरासत में लिए गए बीस से ज़्यादा कांग्रेस कार्यकर्ता

विकासनगर (देहरादून), 12 फरवरी (एजेंसियां)। विकासनगर कालसी में चल रही खेलकूद प्रतियोगिता के कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पहुंचना था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह हेलीकॉप्टर से कालसी स्थित सेना के हेलीपेड पहुंचे और यहां से कार से कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए। कालसी गेट पर पहले से मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाए। उधर विकासनगर की ओर से आ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेड लगाकर हरिपुर में उन्हें हिरासत में ले लिया। बीस से ज्यादा कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए हैं। झंडे दिखाने वालों में कांग्रेस और आर्यन छात्र संगठन के युवा शामिल हैं।

16 फरवरी को होगा मेयर चुनाव कराने का चौथा प्रयास

उपराज्यपाल ने दी मंजूरी; अब तक हो चुकी हैं तीन बैठकें

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में मेयर चुनाव के लिए एक बार फिर तारीख तय की गई है। दिल्ली एलजी वीके सक्सेना ने मेयर चुनाव के लिए एमसीडी हाउस बुलाने की तारीख 16 फरवरी को मंजूरी दी है। बता दें कि एमसीडी अब तक तीन बार मेयर चुनाव कराने में नाकाम रहा है। मेयर चुनाव कराने के लिए जब भी सदन की बैठक बुलाई जाती, तभी सदन में पार्षद हंगामा करते और कार्यवाही को स्थगित कर दिया जाता। छह फरवरी और 24 जनवरी को हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

अब तक हो चुकी हैं तीन बैठकें

महापौर चुनाव के लिए सदन की बैठक छह व 24 जनवरी और छह फरवरी को हो चुकी है, मगर तीनों दिन सदन की बैठक में पार्षदों ने हंगामा कर दिया और हर बार पार्षदों के शांत नहीं होने के कारण पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने बैठक अगली तिथि तक स्थगित कर दी। इस तरह तीनों बार महापौर का चुनाव नहीं हो सका। इस कारण एमसीडी ने एक बार फिर सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया आरंभ की।

मेयर पद की प्रत्याशी शैली ने दी है सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

उधर, महापौर का चुनाव नहीं होने के मामले को आम आदमी पार्टी की पार्षद शैली ओबराय ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। शैली ओबराय आम आदमी पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए उपराज्यपाल, पीठासीन अधिकारी व अन्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर अगली सुनवाई सोमवार को होगी। इससे पहले 24 जनवरी को महापौर का चुनाव नहीं होने पर भी शैली ओबराय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, मगर उनकी याचिका पर सुनवाई होने से पहले ही उपराज्यपाल ने सदन की बैठक छह फरवरी को बुलाने के आदेश जारी कर दिए थे। इस कारण शैली ओबराय ने तीन फरवरी को अपनी याचिका वापस ले ली थी।

सदन की बैठक से तीन घंटे पहले ही शुरू हो गया था आरोप-प्रत्यारोप

एमसीडी के महापौर चुनाव के लिए छह को सदन की बैठक शुरू होने से करीब तीन घंटे पहले ही सियासी बवाल मचना शुरू हो गया था। आम आदमी पार्टी व भाजपा के नेता एक दूसरे पर सदन में हंगामा करने की तैयारी का आरोप लगाने लग गए थे। आप नेता व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके महापौर का चुनाव नहीं होने की आशंका जताई थी। वहीं, उनके ट्वीट के करीब एक घंटे बाद भाजपा नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव में उनके पार्षदों से क्रॉस वोट करने के लिए आप नेता करोड़ों रुपये व पद का लालच दे रहे है। इसी बीच आप नेताओं ने भाजपा के आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि वे सदन में हंगामा करने की जमीन तैयार कर रही है।

भाजपा आप सरकार को घेरने में लगी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि संभावित हार को देखते हुए आप नगर निगम का गठन नहीं होने दे रही है। हार की आशंका की वजह से ही बार-बार नगर हंगामा करके बैठक स्थगित करा देती है। पीठासीन अधिकारी सांविधानिक तरीके से नगर निगम की बैठक संचालित कर रही हैं लेकिन हर बार आम आदमी पार्टी उन्हें काम करने से रोक देती है। बिधूड़ी ने यह भी कहा कि एल्डरमैन नगर निगम के वैधानिक पार्षद हैं, क्योंकि एक्ट के अनुसार ही उनका मनोनयन किया गया है। वैधानिक सदस्यों को वोट डालने का अधिकार होता है लेकिन आम आदमी पार्टी कभी उनकी शपथ को लेकर हंगामा करती नजर आती है तो कभी उनके वोट के अधिकार पर।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 13 फरवरी, 2023

सुविचार

मदद करने के लिए सिर्फ धन की आवश्यकता नहीं होती बल्कि अच्छे मन की जरूरत भी होती हैं।

2014 से फसल ऋण माफी योजना के तहत 16,144 करोड़ रुपये माफ : मंत्री

कोल्लापुर के विधायक हर्षवर्धन रेड्डी के अनुरोध के अनुसार 5.45 करोड़ रुपये खर्च करके कोल्लापुर के रामपुर में एक फल बाजार स्थापित करने का फैसला किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने आज कहा कि राज्य सरकार राज्य के किसानों के कृषि ऋण माफ करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2014 से इस योजना के तहत 16,144 करोड़ रुपये के 35.31 लाख फसल ऋण माफ किए। प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर विधायक बीरम हर्षवर्धन रेड्डी, बिगला गणेश, नल्लमोटू भास्कर राव, ए. जीवन रेड्डी, अंजैया यादव, दुर्गम चिन्नैया, पोडेम वीरैया, डी. श्रीधर बाबू, मल्लू भट्टी विक्रमार्क और एम. रघुनंदन राव द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए विधानसभा में, मंत्री ने कहा कि उन्होंने अनुमान लगाया कि कृषि ऋण माफी योजना के लिए आवश्यक कुल राशि 21,556.64 करोड़ थी। अब तक माफ किए गए ऋणों का अधिक विवरण देते हुए, सिंगरेड्डी ने कहा कि उन्होंने अब तक 5.42 लाख किसानों के 36,000 रुपये तक के ऋण माफ किए हैं और कहा कि प्रत्येक 90,000 रुपये तक के कृषि ऋणों की माफी के लिए 6385 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। मंत्री ने यह भी कहा कि आम राज्य की सबसे महत्वपूर्ण बागवानी फसल है और इसकी व्यापक रूप से दक्षिणी तेलंगाना और उत्तर तेलंगाना क्षेत्रों में खेती की जाती है। उन्होंने कहा कि कोल्लापुर आम दुनिया भर में प्रसिद्ध है और कोल्हापुर से हैदराबाद तक आमों को ले जाना उनके लिए एक समस्या बन गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कोल्लापुर के विधायक हर्षवर्धन रेड्डी के अनुरोध के अनुसार 5.45 करोड़ रुपये खर्च करके कोल्लापुर के रामपुर में एक फल बाजार स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही फल बाजार का निर्माण शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे कोहेड़ा फल बाजार का निर्माण भी करेंगे।

दिवालिएपन के कगार पर तेलंगाना डिस्कॉम : शर्मिला

जनगांव, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस शर्मिला ने रविवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर राज्य को खतरनाक बिजली संकट में झोंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार का कुप्रबंधन, डिस्कॉम गले के कर्ज में डूबे हुए हैं। जनगांव जिले में अपनी पदयात्रा के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे कृषक समुदाय को बिजली संकट में धकेल दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'डिस्कॉम' दिवालिएपन के तहत ढह रहे हैं। घरेलू क्षेत्र के लिए भी लोड शेडिंग होगी। वाईएसआरटीपी की मांग है कि सीएम केसीआर राज्य में बिजली संकट पर एक श्वेत पत्र लेकर आएं।"

गर्ल चाइल्ड की बचाव में आगे आई नैना

'रन फॉर गर्ल चाइल्ड' रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सेवा भारती द्वारा यहां रविवार को 'रन फॉर गर्ल चाइल्ड' 2023 के 7 वें संस्करण का आयोजन किया गया, ताकि बालिकाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'किशोरी विकास' कार्यक्रम के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके। किशोरी विकास कार्यक्रम के लिए बालिकाओं के लिए दौड़ एक प्रमुख कार्यक्रम है। अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी नैना जायसवाल, माधापुर डीसीपी शिल्पावल्ली, पुलिस अधीक्षक शिव कुमार गौड़, अखिल भारतीय सेवा भारती के महासचिव रेणु पाठक, उद्योग हस्तियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कॉरपोरेट प्रमुखों द्वारा गच्चीबावली स्टेडियम में दौड़ को हरी झंडी दिखाई गई। दौड़ तीन श्रेणियों पांच किमी, 10 किमी और 21 किमी में आयोजित की गई। 7 वें संस्करण में व्यक्तियों, कॉरपोरेट्स, परिवारों और छात्रों के 10,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी रन गच्चीबावली स्टेडियम एन-रूट एचसीयू में शुरू और समाप्त हुए। किशोरी विकास कार्यक्रम की लगभग 900 लाभार्थी लड़कियों ने सांस्कृतिक और आत्मरक्षा कौशल का प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम में भाग लिया। वर्तमान में, 6700 लाभार्थियों के साथ हैदराबाद की मलिन बस्तियों में 300 किशोरी विकास केंद्र सक्रिय हैं। इस रन के माध्यम से हमारा लक्ष्य इसे 500 किशोरी केंद्रों और 10,000 लाभार्थियों तक बढ़ाना है। ये केंद्र मलिन बस्तियों और कम आय वाले क्षेत्रों में रहने वाली बालिकाओं को उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास में मदद करके सशक्त बनाते हैं सेवा भारती, महासचिव राम मूर्ति प्रभाला ने कहा। चंद्र शेखर रेड्डी, वीपी सेल्स ऑफ फ्रीडम ऑयल और राहुल भाटिया ग्लोबल डेटा एमडी, ने विजेताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

कबाड़ की दुकान में विस्फोट, 10 घायल

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गगनपहाड़ में एक कबाड़ की दुकान में विस्फोट हो गया, जिससे कम से कम 10 लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और कबाड़ की दुकान के मालिक मोहम्मद बाबूदीन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने पता लगाया है कि बाबूदीन 10 युवा कर्मचारियों की मदद से कई फार्मा कंपनियों से पुरानी दवाएं खरीद रहा था और बोतलों को साफ कर रहा था, जिसमें टीके और इंजेक्शन शामिल थे। आशंका जताई जा रही है कि विस्फोट किसी कर्मचारी के धूम्रपान करने की वजह से हुआ होगा, जब वे बोतलें साफ कर रहे थे। बाबूदीन साफ-सुथरी दवाइयां दोबारा बेच रहा था। सुराग टीम ने घटनास्थल पर साक्ष्य एकत्र किए और पुलिस ने सभी घायलों की पहचान उत्तर प्रदेश के मूल निवासी के रूप में की है।

गांधी अस्पताल में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सदन को सूचित किया कि राज्य सरकार गरीबों के लाभ के लिए जल्द ही गांधी जनरल अस्पताल में आठ ऑपरेशन थिएटर के साथ एक अंग प्रत्यारोपण सुविधा स्थापित करेगी। विधानसभा में बजट मांगों पर जवाब देते हुए, हरीश राव ने कहा कि प्रस्तावित सुविधा में उन्नत उपकरणों, गहन देखभाल इकाइयों (आईसीयू) और अन्य सुविधाओं के साथ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (एमओटी) में छह अंगों का प्रत्यारोपण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा अगले पांच महीनों में चालू हो जाएगी। एमएनजे कैंसर अस्पतालनए ब्लॉक पर टिप्पणी करते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 300 बिस्तरों वाला कैंसर ब्लॉक शीघ्र ही खोला जाएगा।

सरकार की वजह से तेलंगाना में बढी हरियाली : इंद्रकरण रेड्डी

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के वन और पर्यावरण, कानून और बंदोबस्ती मंत्री ए. इंद्रकरन रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना कु हरितहरम कार्यक्रम के कार्यान्वयन सहित उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के कारण तेलंगाना में हरित आवरण बढ़ गया है।

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए रेड्डी ने कहा कि वर्ष 2015 से 2021 के बीच राज्य में हरित आवरण में 7.70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हरित आवरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं का खुलासा करते हुए, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य में चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 में 19.29 करोड़ पौधे और आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में 20.2 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है. उन्होंने सदन के चल रहे विधानसभा सत्र में प्रश्नकाल के दौरान सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी विधायक क्रांति किरण द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य भर में पौधों के 85 प्रतिशत अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए पंचायत राज और नगरपालिका कानूनों में संशोधन किया था और कहा कि उन्होंने ग्राम पंचायतों द्वारा प्राप्त धन का 10 प्रतिशत खर्च करने का भी प्रावधान किया था और पौधों के संरक्षण पर नगर पालिका उन्होंने कहा कि उन्होंने पौधों के जीवित रहने की निगरानी के लिए भू-टैगिंग कार्यक्रम के अलावा राज्य के सभी गांवों में पौधों को पानी देने के लिए ट्रैक्टरों की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि वे ग्रामीण, शहरी विकास और राज्य के वन विभाग की सेवाएं लेकर राज्य के जंगलों में और बाहर लगाए गए पौधों की सुरक्षा के लिए कदम उठा रहे हैं।

मैं भाजपा नहीं छोड़ूंगा : इटेला

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा उनकी की जा रही प्रशंसा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी अंतिम सांस तक कभी भी भगवा पार्टी नहीं छोड़ेंगे। सीएम की तारीफ का मुझ पर कोई असर नहीं होगा। 'मैंने बीआरएस पार्टी नहीं छोड़ी लेकिन मुझे सीएम केसीआर ने निष्कासित कर दिया। अगर सीएम ने मुझे पार्टी में लौटने के लिए कहा तो भी मैं इसमें वापस नहीं आऊंगा। जब मैं सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी में था तब मैंने एक सैनिक के रूप में काम किया था। मैं अब बीजेपी में सिपाही के तौर पर काम कर रहा हूं। मैं एक भाजपा नेता और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का सदस्य हूं। जब मैं विधानसभा में बोलता हूं तो मेरा कोई एजेंडा नहीं होता है। मैं हमेशा राज्य के लोगों की चिंताओं और समस्याओं को आवाज उठाऊंगा। आगे बोलते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में कोई भी खुश नहीं था और कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी भी सीएम के शासन से नाखुश हैं, जबकि कर्मचारियों को अभी तक मासिक वेतन नहीं मिला है। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि यद्यपि राज्य सरकार ने 2.9 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश किया, लेकिन राज्य के कर्मचारियों को 12 फरवरी, 2023 को भी उनका वेतन नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने सदन में अपनी संख्या के लिए एक साथ घंटों बात की और कहा कि उन्होंने हमेशा लोगों को गुमराह करने की कोशिश की।

राजेंद्र ने आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा कई वादे किए जाने की बात कहते हुए कहा कि जनता उनके वादों पर विश्वास नहीं करेगी. उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेताओं ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं. उन्होंने भविष्यवाणी की कि वर्ष 2024 में अगले लोकसभा चुनाव के बाद मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

बेगम बाजार में महिला की गला दबाकर हत्या

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बेगम बाज़ार में शनिवार रात एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला कूड़ा बीनने वाली महिला की गला दबा कर हत्या कर दी। अफजलगंज क्षेत्र में फुटपाथ पर रहने वाले कूड़ा बीनने वाले को आधी रात के आसपास अजीज जा परिसर के पास एक व्यक्ति के साथ देखा गया था। पुलिस ने कहा कि रविवार सुबह उसका शव अजीज प्लाजा परिसर के पास एक कमरे में पड़ा मिला।

बेगम बाजार इंस्पेक्टर, एन. शंकर ने कहा कि कचरा बीनने वालों द्वारा फेंकी गई सामग्री को इकट्ठा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो बड़े बैग कमरे में पाए गए। जाहिर है, एक पीड़ित का है और दूसरा हत्यारे का है। हमें संदेह है कि महिला को जानने वाला कोई व्यक्ति उसे उस स्थान पर लाया था और बाद में उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। आईपीसी की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज है। मामले की जांच और हत्यारे को पकड़ने के लिए तीन टीमों का गठन किया गया था। पुलिस क्षेत्र में स्थापित निगरानी कैमरों के नेटवर्क की फीड का सत्यापन कर रही है।

महिला ने दो बेटों को कुएं में फेंका, कूदकर जान दी

हनामकोंडा, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दमेरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नादिकुड़ा मंडल के कांतात्माकुर गांव में रविवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बेटों को एक कुएं में कूदने से पहले उसी कुएं में फेंक दिया। जहां मां और छोटे बेटे की मौत हो गई, वहीं बड़े लड़के को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। पुलिस ने कहा कि मामिडी कुमार स्वामी की पत्नी ममिडी काव्या (32) और उनके बेटे शशिधर (7) की मौत हो गई, जबकि बड़े बेटे विद्याधर ने पंपसेट के पाइप को पकड़ लिया और मदद के लिए चिल्लाया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने रस्सियों से उसे बचाने में कामयाबी हासिल की। आशंका है कि पारिवारिक विवादों के कारण काव्या को इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा।

नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास में युवक पर मामला दर्ज

वारंगल, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चेन्नारावपेट मंडल के खादरपेट गांव में एक पांच वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार के प्रयास के आरोप में एक 22 वर्षीय युवक को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। चेन्नारावपेट एसआई थोटा महेंद्र ने कहा कि उन्होंने पीड़िता की मां की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर आरोपी रघुपति को हिरासत में ले लिया है। रघुपति ने कथित रूप से गांव में कृषि क्षेत्र में अपनी मां के साथ अमरूद के फलों की पेशकश करते हुए बच्चे को लालच दिया था। जब युवक ने उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की तो बच्ची किसी तरह वहां से भाग निकली और पूरी घटना अपनी मां को बताई।

पुंजागुट्टा में एक समूह ने व्यक्ति पर हमला किया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुंजागुट्टा पुलिस ने शनिवार रात पुंजागुट्टा मेट्रो स्टेशन के पास एक छात्र पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, छात्र आई. जयराम अपने दोस्तों कौशिक और अभिलाष के साथ पुंजागुट्टा मेट्रो स्टेशन इलाके में एक व्यक्ति देवरागत श्रीराम से मिलने और किसी मुद्दे पर चर्चा करने आया था। श्रीराम बार-बार जयराम को फोन कर रहे थे और उनसे मिलने के लिए कह रहे थे। पुंजागुट्टा इंस्पेक्टर सी. हरिश्चंद्र रेड्डी ने कहा कि जब जयराम और उसके दो दोस्त पुंजागुट्टा मेट्रो स्टेशन के पास उससे मिलने गए, तो श्रीराम और 15 अन्य लोगों ने तीनों पर हमला किया और उन्हें जबरदस्ती एक कार में ले जाने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से श्री राम और जयराम दोनों के बीच कुछ वित्तीय मुद्दों को लेकर कुछ मतभेद चल रहे थे। हंगामा होता देख पुलिस का गश्ती दल मौके पर पहुंचा और भीड़ को तितर-बितर किया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जयराम की शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 143, 147, 341, 323, 506 आर/डब्ल्यू 149 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

चिकित्सकों की चेतावनी : जीवनशैली नहीं बदली तो जल्द भारत में आएगी कैंसर की सुनामी

तिरुपति, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारियों के जागरुकता कार्यक्रम में डॉक्टरों ने चेताया कि अगर हम अपनी जीवन शैली में बदलाव नहीं करते हैं तो देश अगले कुछ वर्षों में कैंसर की लहर की चपेट में आने के खतरे का सामना करने जा रहा है। तिरुपति के महती ऑडिटोरियम में रविवार को तीन दिवसीय लाइफस्टाइल डिसऑर्डर एंड डिसीज ने दूसरे दिन प्रवेश किया। सत्र के दौरान, विशेषज्ञों ने कैंसर की बीमारियों से खुद को बचाने के लिए कर्मचारियों से स्वस्थ जीवन शैली की आदतों को अपनाने का आह्वान किया। दूसरे दिन का पहला सत्र "आयुर्वेद के माध्यम से जीवन शैली विकारों की रोकथाम और प्रबंधन" के साथ शुरू हुआ। एस.वी. टीटीडी का आयुर्वेदिक अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेणु दीक्षित ने विस्तृत रूप से बताया कि कैसे उपलब्ध घरेलू उपचारों और उचित आयुर्वेदिक उत्पादों के सेवन से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने एकीकृत चिकित्सा के महत्व पर भी जोर दिया, जिसमें रोगी एलोपैथिक उपचार के दौरान रोग के आगे प्रसार को रोकने के लिए आयुर उत्पादों को ले सकता है। उन्होंने आसानी से उपलब्ध पौधों जैसे नल्लेरू, एलोवेरा, आंवला, अर्का, जिलेदू आदि के महत्व के बारे में भी बताया। डॉक्टर ने यह भी कहा कि टीटीडी आयुर्वेदिक फार्मेसी सेंटर जल्द ही स्वस्थ जीवन के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा स्वीकृत 314 उत्पादों को सामने लाएगा। बाद में सीपीआर की विशेषज्ञ डॉ सुभाषिनी ने स्पष्ट रूप से महत्व सिखाया और मंच पर एक मॉक डिस्प्ले सेट करके जरूरत पड़ने पर कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन कैसे किया जाता है। उन्होंने कहा कि सीपीआर के बारे में जागरूकता हर किसी के लिए जरूरी है क्योंकि उनमें से ज्यादातर समय पर सीपीआर नहीं मिलने के कारण दम तोड़ रहे हैं। दिन के अंतिम सत्र में, टीटीडी द्वारा संचालित एसवी वैदिक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉ. रानी सदा शिव मूर्ति ने वैदिक शास्त्रों से सामान्य बीमारियों के लिए हर्बल और मंत्र बुनियादी स्वास्थ्य तकनीकों पर एक सत्र लिया। निदेशक श्वेता प्रशांति, टीटीडी के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 1500 से अधिक पुरुष कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय के सम्मुख अडाणी मुद्दे को लेकर प्रदर्शन करते हुए आम आदमी पार्टी के सदस्य। उन्होंने अडाणी मामले पर जेसीपी जांच कराने की मांग की।

कालेश्वरम परियोजना में कोई तैरता हुआ सौर संयंत्र नहीं : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने स्पष्ट किया कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना क्षेत्र में तैरते हुए सौर संयंत्र स्थापित करने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि मछुआरे इसका विरोध कर रहे हैं। रविवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बीआरएस सदस्य जी. बलराजू, के. चंदर और के. महेश रेड्डी द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि एक बार परियोजना क्षेत्र में सौर पैनल स्थापित हो जाने के बाद, मछुआरों के लिए यह बहुत मुश्किल हो जाएगा क्योंकि मछलियां जल सकती हैं। खुद को पकड़े जाने से बचाने के लिए पैनलों के नीचे शरण लें।

इसके अलावा, मछली पकड़ने की गतिविधियों के दौरान सौर पैनल क्षतिग्रस्त हो सकता है, उन्होंने कहा, हालांकि, सरकार नहरों में सौर पैनल स्थापित करने की संभावना देख रही है। वाणिज्यिक और आवासीय परिसरों और घरों में स्थापित रूफटॉप नेट मीटरिंग सौर पैनलों के माध्यम से अब तक लगभग 287 मेगावाट बिजली उत्पन्न की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य भर के 1500 से अधिक सरकारी स्कूलों में रूफटॉप नेट मीटरिंग सौर पैनल स्थापित किए जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि इससे स्कूलों के बिजली बिलों को कम करने में मदद मिलेगी।

राज्य में पवन चक्कियां स्थापित करने पर, जगदीश रेड्डी ने कहा कि नई पवन चक्कियां स्थापित करने की कोई योजना नहीं है क्योंकि प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण वे राज्य में व्यवहार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, पवन चक्कियों के माध्यम से लगभग 128.10 मेगावाट का उत्पादन किया जा रहा है और चूंकि पवन ऊर्जा में ग्रिड की विफलता और उतार-चढ़ाव की समस्या है, इसलिए सरकार इसे प्रोत्साहित नहीं कर रही है।

घर के अंदर घुसी तेज रफ्तार कार, मकान में मौजूद 2 मासूम की मौत

बिजनौर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जिले में एक तेज रफ्तार कार ने दो मासूमों को कुचल दिया. इसमें दोनों मासूम की मौके पर ही मौत हो गई. कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह बेकाबू होकर एक मकान के गेट को तोड़ते हुए अंदर जा घुसी. इस दौरान गेट पर खड़े दो मासूम बच्चे कार की चपेट में आ गए. वहीं, कार चालक भी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया. साथ ही दोनों मासूमों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया.

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर बने बिहार के नए राज्यपाल

फागू चौहान मेघालय के गर्वनर नियुक्त

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कई नए राज्यपालों की नियुक्ति को स्वीकृति दी है। कई राज्यों के राज्यपालों को आज बदला गया है। इसी कड़ी में राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर बिहार के नए राज्यपाल बने हैं। आर्लेकर पहले हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। वहीं, फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

बचपन से ही आरएसएस से रहा जुड़ाव

बता दें कि राजेंद्र आर्लेकर का जन्म 23 अप्रैल 1954 को गोवा के पणजी में हुआ था। उन्होंने एमईएस कॉलेज, वास्को डी गामा, गोवा से अपनी डिग्री

पूरी की और प्राप्त की। आर्लेकर बचपन से ही आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) से जुड़े थे। साल 1989 में आर्लेकर भाजपा में शामिल हुए। वह उस समय केवल 35 वर्ष के थे, जब उन्होंने राजनीति में आने निर्णय लिया।

गोवा सरकार में बने कैबिनेट मंत्री

राजेंद्र आर्लेकर गोवा सरकार में कैबिनेट मंत्री और गोवा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। साल 2012 में उन्हें गोवा विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने तीन साल तक स्पीकर के रूप में अपनी भूमिका बनाए रखी। फिर 2015 में कैबिनेट में फेरबदल के दौरान उन्हें गोवा का पर्यावरण और वन मंत्री नियुक्त किया गया।

गोवा विधानसभा को बनाया पेपर मुक्त

गोवा विधानसभा को कागज रहित बनाने को लेकर राजेंद्र आर्लेकर की आज भी सराहना होती है। गोवा विधानसभा ऐसा करने वाला पहला राज्य है। 6 जुलाई 2021 को उन्हें हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, जब बंडारू दत्तात्रेय को हरियाणा का राज्यपाल बनाया गया।

टमाटर ने बढ़ाई किसानों की टेंशन दाम घटने से मुरझाए चेहरे

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। साब्जियों के साथ-साथ इन दिनों टमाटर के दाम जमीन पर आ गए हैं. स्थानीय बाड़ियों में टमाटर की भरपूर आवक होने से किसानों को इन दिनों टमाटर के उचित दाम सब्जी मंडियों में नहीं मिल पा रहे हैं. इससे किसान काफी मायूस नजर आ रहे हैं.

इस बार किसान उम्मीद लगाए बैठे थे कि टमाटर के मंडियों में उचित दाम मिलेंगे. बावजूद इसके एक हफ्ता पूर्व 15 से 20 रुपये तक बिकने वाला टमाटर इन दिनों मंडियों में 5 रुपये किलो बिक रहा है, जिससे किसानों की लगत भी नहीं निकल पा रही है. वहीं, बात करें हरी साब्जियों की तो दर्जन भर से ज्यादा सब्जियां 10 से 20 रुपये किलो मंडियों में बिक रही है. किसान दयाराम ने बताया कि सस्ते दाम पर बिक रहे टमाटर से हम किसानों का खेती में निराई-गुड़ाई, बीज, दवाइयों का छिड़काव व अन्य खर्च के साथ ढुलान भाड़ा सहित दाम तो छोड़िए जेब से पैसे जा रहे हैं. ऐसे में किसानों के आगे उचित मूल्य न मिलने से आर्थिक नुकसान झेलने की मजबूरी हो गई है.

योगी भगवा पहन सकते हैं

तो मुस्लिम महिलाएं हिजाब क्यों नहीं ? - सीपीएम सांसद का बेतुका सवाल

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हिजाब को लेकर संसद में जारी बजट सत्र में भी चर्चा शुरू हो गई है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीएम) सांसद ने राज्यसभा में सवाल किया कि मुस्लिम महिलाओं को हिजाब पहनने क्यों नहीं दिया जा रहा है? केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सीपीएम सांसद जॉन ब्रिटास ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला। सीपीएम सांसद ने राज्यसभा में कहा कि, 'कर्नाटक सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में कहा कि वे धर्मनिरपेक्षता बनाए रखने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब की इजाजत नहीं दे रहे हैं। मगर, भारत जैसे देश में कोई आपत्ति क्यों नहीं है, जब यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हमेशा भगवा

रंग ही पहनते हैं?' जॉन ब्रिटास ने दावा करते हुए कहा कि हिजाब के मुद्दे पर भाजपा सरकार की हठ असल में मुस्लिम महिलाओं को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने दावा किया कि अकेले कर्नाटक में एक लाख मुस्लिम छात्रों ने स्कूलों और कॉलेजों से पढ़ाई छोड़ दी है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में मुस्लिमों के पिछड़ेपन पर सच्चर समिति की रिपोर्ट को लागू करे। बता दें कि गत वर्ष कर्नाटक के सरकारी कॉलेजों में हिजाब पहनने पर बैन को लेकर सियासी उथल-पुथल मची थी। सरकारी प्रतिबंध को नजरअंदाज करते हुए राज्य के मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनकर स्कूल और कॉलेजों में दाखिल होने की कोशिश करती नजर आईं।अल्पसंख्यकों ने सड़कों पर उतरकर हिंसक विरोध प्रदर्शन भी किया था। इसी हिजाब के कारण बहुसंख्यक वर्ग के कुछ लोगों की हत्या भी हुई थी।

गैस सिलेंडर फटने से झुग्गी में लगी आग, जलकर 12 दिन की बच्ची और 8 साल के बच्चे की मौत

नोएडा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर-8 की एक जुग्गी में सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के 6 लोग झुलस गए. हादसे में 12 दिन की बच्ची और 8 वर्ष के एक बच्चे की मौत हो गई. कोतवाली फेज 1 के सेक्टर-8 की जेजे कॉलोनी की एक झुग्गी में सिलेंडर फटने से आग लग गई. इस आग में 6 लोग झुलस गए. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया और घायलों को इलाज के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया. जहां एक नवजात समेत दो बच्चों की मौत हो गई. अन्य चार घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल रेफर कर दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर बोले

सीएम योगी आदित्यनाथ शराब नहीं पीते

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। गोंडा में भारतीय सुहेलदेव भारतीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के बयान पर चुटकी ली और कहा कि मैं तो नहीं जानता हूं कि अखिलेश शूद्र है. इसी के साथ उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव संविधान को नहीं मानते, अखिलेश पहले इंसान हैं जब सत्ता में रहते हैं तो जातिगत बयान नहीं देते हैं और सत्ता में न रहने पर अनर्गल बयान देते हैं. बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान में कहीं शुद्र शब्द का जिक्र नहीं किया.

'राम कृष्ण की धरती पर भी शराब बन्द होनी चाहिए'

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने शराब बंदी की मांग करते हुए बड़ा बयान दिया और कहा कि राम कृष्ण की धरती पर भी शराब बन्द होनी चाहिए. साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ से कहा कि आप तो महात्मा हैं और शराब तो पीते नहीं हैं, तो फिर क्यों दूसरे को पिलाते हो. इसे बन्द कराइए. जब बिहार में शराब बंद हो सकती है तो यूपी में भी शराब बंद होनी चाहिए. इस बात की लड़ाई 20 तारीख से शुरू हो रहे सदन में लड़ूंगा और सीएम योगी आदित्यनाथ से पूछूंगा कि आप शराब नहीं पीते हो, तो क्यों गरीबों को पिला रहे हो. दरअसल, भारतीय सुहेलदेव भारतीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर गोंडा की कर्नलगंज जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे. ओम प्रकाश राजभर ने बताया कि वो विधानसभा सत्र में आवारा पशुओं के मुद्दे के साथ एक समान शिक्षा और लोगों को मुफ्त इलाज के साथ घरेलू बिजली कनेक्शन के मुद्दे को उठाएंगे. यूपी इन्वेस्टर्स समिट (2023) पर बीजेपी की तारीफ करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सत्ता में रहने वालों को इसका श्रेय मिलता है.

आरडी अपार्टमेंट पर एटीएस की छापेमारी

विदेशों से होता था ऑनलाइन पैसे का लेन-देन

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी के गुडंबा थाना क्षेत्र में एटीएस (एंटी टेरेरिस्ट स्कॉट) की टीम ने छापा मारा. एटीएस टीम ने शाम को आरडी अपार्टमेंट पर अवैध तरीके से चल रहे कॉल सेंटर पर छापेमारी कर सिम बॉक्स सहित कुछ उपकरण बरामद किए हैं. बरामद सामान की जांच के लिए एटीस टीम आर्डी अपार्टमेंट से रवाना हो गई. पुलिस विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, एटीएस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही आरडी अपार्टमेंट में अवैध तरीके से कॉल सेंटर चलाने वाले लोग फरार हो गए. यहां पर विदेशों से ऑनलाइन पैसों का लेन-देन होता था.

'संत आगबबूला क्यों हो रहे हैं'

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- न हमने नीच कहा, न प्रताड़ित किया

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार इशारों-इशारों में साधु-संतों पर निशाना साधा है. स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर लिखा, "किसी भी संत, महंथ, धर्माचार्य को न तो नीच अधम कहा गया और न ही प्रताड़ित, अपमानित किया गया, फिर भी आगबबूला होकर धैर्य, संयम और विवेक खो दिए हैं. सोचिये जरा उन महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ो से जिन्हें धर्म के नाम पर आप रोजाना नीच, अधम, अपमानित व प्रताड़ित करते हैं." रामचरितमानस की चौपाई पर विवादित टिप्पणी करने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने जौनपुर में कहा

कि एक विशेष वर्ग के लोग उनका विरोध कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और आदिवासियों को एक वर्ग धर्म की आड़ में प्रताड़ित करता आ रहा है, जबकि किसी भी धर्म का मकसद मानव कल्याण होता है.

यूपी में हो रही इन्वेस्टर समिट केवल छलावा- स्वामी प्रसाद मौर्य

बता दें बीते देर शाम लखनऊ से वाराणसी जाते समय समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने जौनपुर में पत्रकारों से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि सबको न्याय दिलाने तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी. जब तक धर्म के ठेकेदार दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को अपमानित करना बंद नहीं करेंगे, तब तक यह लड़ाई चलती रहेगी. यूपी में हो रही इन्वेस्टर समिट केवल छलावा है.

लूट गैंग के दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

माघ मेले में भी कई घटनाओं को दिया था अंजाम

कौशांबी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस, एसओजी टीम और बदमाशों के बीच रविवार भोर में मुठभेड़ हो गई. इसमें एक बदमाश के पैर पर गोली लगने से वह घायल हो गया. पुलिस ने घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दोनों बदमाश प्रयागराज के माघ मेले में भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं. पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के मुताबिक, यह बदमाश अयोध्या, बलरामपुर समेत अन्य जिलों में भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं. घटना मंझनपुर थाना क्षेत्र के नौबस्ता नहर पुलिया के पास की है.

जंगलराज में पुलिस का मंगलराज

पुलिसकर्मियों से मसाज कराते दिखे पटना के एसपी

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पटना में पुलिस का शर्मनाक चेहरा सामने आया है. यहां फुलवारीशरीफ के एक एडिशनल एसपी पर महिला पुलिसकर्मियों से मसाज कराने का मामला सामने आया है. आरोप है कि ऐसा करने से मना करने पर वह ना केवल महिला पुलिसकर्मियों से मारपीट करते हैं, बल्कि उन्हें सस्पेंड करने की धमकी भी देते हैं. इस संबंध में चार महिला पुलिसकर्मियों समेत सात सिपाहियों ने एसएसपी पटना को शिकायत दी है. इन सिपाहियों ने खुद को एडिशनल एसपी के प्रकोप से बचाने की गुहार लगाई है. जानकारी के मुताबिक एसएसपी पटना के समक्ष सात पुलिसकर्मियों ने शिकायत दी है. इनमें चार महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं. इन पुलिसकर्मियों ने एसएसपी को बताया कि एडिशनल एसपी मनीष कुमार अपने क्षेत्र के पुलिसकर्मियों को प्रताड़ित करने का कोई मौका नहीं छोड़ते. यहां तक कि वह महिला पुलिसकर्मियों को अपने आवास पर बुलाकर शरीर मालिस कराते हैं. उनसे कपड़े धुलवाते हैं और झाड़ू पोछा करवाते हैं. वहीं जब भी कोई पुलिसकर्मी इसके लिए मना करता है तो वह सार्वजनिक तौर पर मारपीट करते हुए उसे सस्पेंड कराने की धमकी देते हैं.

यूपी समेत इन राज्यों में कल से गिरेगा तापमान

एक बार फिर ठंड के लौटने की आहट

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम विक्षोभ की वजह से उत्तर प्रदेश सहित उत्तर पश्चिम भारत में एक बार फिर मौसम में बदलाव के संकेत हैं. मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिला है. अब इसका असर पूर्व की ओर बढ़ रहा है. यानी यूपी सहित देश कई राज्यों में एक बार फिर तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी. यूपी के कई इलाकों में आज मौसम साफ रहेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में आगामी कुछ दिनों तक बादल छाए रह सकते हैं. मौसम विभाग के मुताबिक आज न्यूनतम तापमान 11 दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है. मौसम विभाग का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम से बदलकर उत्तर-पश्चिम हो जाएगी. इससे अगले 2 से 3 दिनों के दौरान पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों सहित पूरे राजस्थान में तापमान में गिरावट आ सकती है. भारत मौसम विभाग के मुताबिक यूपी सहित दिल्ली में अगले कई दिनों तक सतही हवाएं भी चलेंगी.

शीत लहर के लौटने की उम्मीद कम

दरअसल, पिछले कुछ दिनों ने यूपी सहित उत्तर भारत के कुछ राज्यों में न्यूनतम दो अंकों में जो गिरकर 1 अंकों में आ सकता है. यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रहेगी और 14 फरवरी के बाद तापमान एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो जाएगा. तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट इसलिए नहीं होगी कि उत्तर पश्चिम भारत के किसी भी हिस्से में शीतलहर की वापसी की उम्मीद नहीं है. बता दें कि भारत में प्रवेश करने वाला पश्चिमी विक्षोभ की वजह से पश्चिमी हिमालय में कम हवाओं का दबाव क्षेत्र बना हुआ है. यही कारण है कि 13 फरवरी तक लोगों को फिर से ठंड का अहसास होगा, लेकिन दिन में हवाओं का प्रभाव कम होने और तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान में वृद्धि की उम्मीद भी है.

'तेजस्वी से ही पूछिए' मंत्रिमंडल विस्तार पर नीतीश का सरेंडर, कहा- हम क्या बताएं?

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना को लेकर पूछे जाने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इसको लेकर उपमुख्यमंत्री से पूछिए. जानकारी के मुताबाकि, संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के मद्देनजर सत्तारूढ़ महागठबंधन में सहयोगी कांग्रेस और अधिक पद चाहती है. बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के 19 विधायक हैं और सरकार में वर्तमान में उसके दो मंत्री हैं. पिछले साल अगस्त में बीजेपी से नीतीश कुमार के अलग होने के बाद राज्य में महागठबंधन की सरकार बनी थी. बिहार मंत्रिमंडल में अधिकतम 36 मंत्री पद हो सकते हैं और इनमें से पांच अभी खाली हैं. पत्रकारों ने जब नीतीश कुमार से मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों और मंत्रिपरिषद में दो और पद की कांग्रेस की मांग पर उनका विचार जानना चाहा तो उन्होंने कहा, आप लोग ये सवाल उपमुख्यमंत्री से पूछिए.

इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से बात करें- नीतीश

नीतीश कुमार ने जमुई जिले में अपनी समाधान यात्रा के दौरान कहा, कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल में इस संबंध में मुझसे मुलाकात की थी. मैंने उनसे कहा है कि वे इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से बात करें. उन्हें आपस में मिल-बैठकर इसे अंतिम रूप

देने दीजिए. जो भी फैसला होगा उस पर विचार किया जाएगा.

कांग्रेस से और मंत्री बनाए जाएं- अखिलेश प्रसाद

राज्य मंत्रिमंडल में राष्ट्रीय जनता दल के 29 सदस्य हैं, जिनमें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी शामिल हैं. राजद के दो मंत्रियों के इस्तीफा देने के बाद भी सबसे अधिक मंत्री उसी पार्टी से हैं. उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की बिहार इकाई के प्रमुख अखिलेश प्रसाद ने हाल में दावा किया था, मुख्यमंत्री ने कहा है कि हमारी पार्टी से और मंत्री बनाए जाएंगे. अखिलेश प्रसाद ने कहा, हर कोई जानता है कि कांग्रेस के पास 19 विधायक और चार विधान पार्षद हैं. मंत्रिमंडल में शामिल अन्य पार्टियों के विधायकों की संख्या तीन से चार है. हमारी पार्टी से चार मंत्री हो सकते हैं. मैंने इस संबंध में मुख्यमंत्री से बात की है और वह इससे सहमत हैं.

गरीब संपर्क यात्रा शुरू करने जा रहे मांझी

नीतीश कुमार से पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी की राज्य में 12 फरवरी से गरीब संपर्क यात्रा शुरू करने की योजना के बारे में भी पूछा गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा, किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेता अपनी यात्रा शुरू करने के लिए स्वतंत्र हैं. हम महागठबंधन की सरकार में सहयोगी पार्टी है.

जदयू विधायक को जान से मारने की धमकी

युवक ने कहा- दोस्त को जेल से छुड़वाओ, नहीं तो गोली मार देंगे

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद है। आम लोगों के साथ-साथ अब विधायक और नेता भी सुरक्षित नहीं है। शुक्रवार को गया में जदयू के जिला उपाध्यक्ष की हत्या के बाद अब गोपालगंज जिले के हथुआ विधायक को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। शराब धंधेबाजों ने राजद विधायक को फोन कर कहा कि पैरवी करो, नहीं तो गोली मार देंगे। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि जिस वक्त विधायक को धमकी भरी कॉल आई थी, तब वे राजधानी पटना के कोतवाली थानांतर्गत सरकारी आवास में थे। विधायक ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि शुक्रवार की रात करीब साढ़े आठ बजे उनके क्षेत्र के एक युवक ने उनके नंबर पर कॉल किया। उसने कहा कि उसका दोस्त शराब मामले में पकड़ा गया है। उसे थाने से छुड़वा दीजिए। इस पर विधायक ने मदद करने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद युवक ने कहा कि पैरवी करो, नहीं तो गोली मार देंगे। इसके बाद भी वह चुप नहीं हुआ और विधायक को गालियां देने लगा। विधायक ने फोन काट दिया और तुरंत कोतवाली थानाध्यक्ष संजीत कुमार से संपर्क किया। इसके बाद उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दी। विधायक की सूचना पर कॉल करने वाले आरोपित को गोपालगंज पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पटना कोतवाली थाने की पुलिस वहां के थाने से संपर्क कर आरोपित के बारे में पूरी जानकारी जुटा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

स्कूल फीस जमा नहीं होने पर दी गई थी पहली क्लास के बच्चे को तालिबानी सजा, प्रिंसिपल गिरफ्तार

बलिया, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया में निजी स्कूल के प्रिंसिपल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. स्कूल में पहली क्लास में पढ़ने वाले छात्र को स्कूल फीस जमा नहीं करने पर पीटा गया था. इस दौरान बच्चा बेहोश हो गया था और उसे लकवा भी मार गया था. पीड़ित परिवार ने स्कूल प्रिंसिपल, क्लास टीचर और स्कूल प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी. मामले में एक्शन लेते हुए बलिया पुलिस ने प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया है. क्लास टीचर और स्कूल प्रबंधक फरार हैं. वहीं, इस घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है. दरसअल, बलिया के रसरा कस्बे में निजी स्कूल मौजूद है. यहां सात साल का मासूम पहली कक्षा में पढ़ता है. 27 जनवरी को क्लास टीचर अफसाना ने मासूम को 4 घंटे तक हाथ खड़े रखने की सजा दी थी. क्योंकि बच्चे की स्कूल फीस जमा नहीं थी. बताया गया कि स्कूल के अन्य टीचरों ने अफसाना से कहा था कि बच्चे को इतनी सजा मत दो, लेकिन वह मानी नहीं थी. स्कूल प्रबंधक प्रद्युम्न वर्मा और प्रिंसिपल सत्येंद्र पाल ने भी क्लास टीचर को नहीं रोका था. सजा देने के बाद डंडे से बच्चे की पिटाई भी लगाई गई थी. इसके कारण बच्चा बेहोश हो गया था और उसे लकवा मार गया था. मामले में पीड़ित परिवार ने स्कूल प्रिंसिपल, प्रबंधक और क्लास टीचर के खिलाफ धारा 325 और 506 के तहत केस दर्ज कराया था.

संसद में शायरी: जब शेर पढ़कर केंद्रीय मंत्री ने दिया था इस्तीफा

सुषमा ने मनमोहन से पूछा था- बता काफिला क्यूं लुटा?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाषण में दोहे, कविता और शायरी का भी भरपूर इस्तेमाल किया, जो अब सुर्खियां बटोर रही है. सोशल मीडिया पर इसे शेयर भी किया जा रहा है. लोकसभा में पीएम मोदी ने मशहूर शायर जिगर मुरादाबादी का शेर 'ये कह कह के हम दिल को बहला रहे हैं. वो अब चल चुके हैं, वो अब आ रहे हैं' के जरिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा. राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा वार करते हुए पीएम ने दुष्यंत कुमार का शेर 'तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं' पढ़ा. विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खरगे और महुआ मोइत्रा में शायरी के जरिए सरकार पर निशाना साधने से नहीं चूकी. संसद में शेर-ओ-शायरी और कविता के जरिए वार और पलटवार करने की परंपरा पुरानी है. चीन युद्ध में भारत की हार के बाद राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने भी कविता के जरिए तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू पर निशाना साधा था. दिनकर

की वो कविता 'देखने में देवता सदृश्य लगता है और बंद कमरे में बैठकर गलत हुक्म लिखता है' बाद में बहुत ही प्रसिद्ध हुई. दिनकर उस वक्त राज्यसभा में सांसद थे.

शायरी-कविता का इस्तेमाल क्यों करते हैं सांसद?

शेर-ओ- शायरी और कविता का पाठ अक्सर आपने मंच पर सुना होगा. ऐसे में सवाल उठता है कि संसद के भीतर सांसद इसका उपयोग क्यों करते हैं,

1. समय की पाबंदी- संसद में भाषण देने के लिए सभी सांसदों के लिए वक्त निर्धारित किया जाता है. कई सांसदों को तो 1-2 मिनट का ही वक्त बोलने के लिए मिलता है. ऐसे में पूरी बातें कह पाना मुश्किल हो जाता है. पूर्व सांसद और वर्तमान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि कविता में वे बातें कहीं जा सकती हैं जो घंटों के भाषण में संभव नहीं है. इसलिए अधिकांश सांसद अपनी बात कहने के लिए शायरी और कविता का प्रयोग करते हैं.

2. सांसदों का बैकग्राउंड- दूसरी वजह सांसद का बैकग्राउंड भी है. शुरुआती दिनों से लेकर अब तक सदन में शायर और कवि सांसद बनते आए हैं. ऐसे में वे सरकार पर हमला बोलने के लिए कविता और शायरी का उपयोग बखूबी करते हैं. वर्तमान में कांग्रेस और बीजेपी समेत कई पार्टियों में ऐसे सांसद हैं, जो शायर और कवि रह चुके हैं. इनमें रमेश पोखरियाल निशंक, इमरान प्रतापगढ़ी का नाम प्रमुख है. इंदिरा के जमाने में अटल बिहारी वाजपेयी और बाल कवि बैरागी सदन में हुआ करते थे.

संसद का शायराना सफर, 4 कहानी

1. जब शेर पढ़कर केंद्रीय मंत्री ने दे दिया इस्तीफा- साल था 1986. संसद के सत्र में राजीव सरकार ने शाहबानो केस के बाद मुस्लिम धर्मगुरुओं के दबाव में मुस्लिम पर्सनल लॉ बिल पेश किया. सरकार के खिलाफ विपक्ष तो विरोध में था ही, लेकिन अचानक बिल के विरोध में कद्दावर मंत्री आरिफ मोहम्मद खान भी खड़े हो गए. खान ने मशहूर शायर शहाब जाफरी का शेर 'मुझे रहजनों से गिला नहीं तिरी रहबरी का सवाल है' पढ़कर कैबिनेट से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया. खान के इस्तीफे से सरकार सन्न रह गई और राजीव गांधी खुद उन्हें मनाने की कोशिश करने लगे. आरिफ खान बिल के विरोध में कांग्रेस भी छोड़ दिए और बाद में वीपी सिंह के साथ जुड़ गए. वीपी सिंह की सरकार में आरिफ खान को विमानन मंत्री बनाया गया.

2. इंदिरा के सामने गृहमंत्री ने पढ़ी शायरी- 1982 में ज्ञानी जैल सिंह गृह मंत्री थे उसी दौरान संसद में अविश्वास प्रस्ताव आया. सरकार के खिलाफ विपक्षी नेताओं ने जमकर बयानों के तीर चलाए. विपक्ष के हमले से इंदिरा गांधी परेशान थीं. इसी बीच गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह बोलने के लिए उठे. उन्होंने एक शेर तुम तीर मारो सीने पर बेशक, मगर इतना ख्याल रखना कि सीने में दिल है और दिल में तुम्हारा मकाम है' जैल के इस शेयर से सदन का माहौल थोड़ा हल्का हुआ. इसी बीच इंदिरा के तेवर देख विपक्षी नेता मधु दंडवते ने उनसे कटुता को लेकर सवाल भी पूछ लिया, जिसका पूरा सदन ठहाकों से गूंज पड़ा.

3. लालू यादव का शेर हुआ था वायरल- 2008 में अमेरिका से परमाणु समझौते के बाद लेफ्ट पार्टियों ने मनमोहन सरकार से समर्थन वापस लेने का ऐलान कर दिया. इसके बाद विश्वासमत प्रस्ताव पेश किया. सरकार के पक्ष में राजद सुप्रीमो लालू यादव ने खूब दलीलें दी. इस दौरान लालू यादव ने साहिर लुधियानवी का शेर 'तुम अगर मुझको न चाहो तो कोई बात नहीं/ तुम किसी और को चाहोगी तो मुश्किल होगी' पढ़ा.

लालू ने इस दौरान लालकृष्ण आडवाणी और जॉर्ज फर्नांडिज पर भी जमकर हमला किया.

4. सुषमा ने मनमोहन से पूछा था बता काफिला क्यों लुटा?- साल था 2011. लोकसभा में बिजनेस रूल पर बहस चल रही थी. विपक्ष लगातार मनमोहन सिंह पर हमला बोल रहा था. इसी बीच सिंह उठे और अल्लामा इकबाल का एक शेर पढ़ा, 'माना कि तेरे दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक देख, मेरा इंतजार देख.' मनमोहन सिंह बैठते ही सुषमा स्वराज ने कहा कि मैं भी शेर का जवाब शेर से ही देना चाहती हूं. उन्होंने पढ़ा 'इधर-उधर की तू ना बात कर, ये बता कि काफिला क्यों लुटा' दोनों का यह वार-पलटवार आज भी यूट्यूब और अन्य जगहों पर खूब देखा जाता है.

बशीर बद्र, दुष्यंत और निदा फाजली सबसे पॉपुलर

बशीर बद्र का शेर 'दुश्मनी जमकर करो, मगर गुंजाइश रहे', निदा फाजली का शेर 'हमे गिराकर संभल सको तो चलो' और दुष्यंत कुमार का शेर 'तुम्हारे पांव के नीचे जमीन नहीं' सांसदों के बीच खूब लोकप्रिय है. इसके अलावा अल्लामा इकबाल, मुज्फर रज्मी और राहत इंदौरी के शेरों का भी सांसद बखूबी इस्तेमाल करते हैं. अदम गोंडवी और साहिर लुधियानवी के कविता के अंश भी भाषणों में इस्तेमाल किया जाता है.

सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने निरस्त ट्रेनों को बहाल करने रेल मंत्री को लिखा पत्र, परेशान श्रद्धालुओं में नाराजगी

सीहोर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में 16 से 22 फरवरी तक आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव से पहले रेलवे ने अनेक यात्री गाड़ियों को निरस्त किया है, जिससे श्रद्धालुओं में लगातार रेलवे के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। इसे लेकर एक दिन पहले कई लोगों ने डीआरएम को पत्र भी लिखा था, जिसमें उल्लेख किया गया था कि जो ट्रेनें निरस्त की गई हैं उनको रुद्राक्ष महोत्सव पर बहाल किया जाए, लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया है। कुबरेश्वर धाम सीहोर में कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित रुद्राक्ष महोत्सव प्रारम्भ होने से पूर्व रेल का डबलिंग कार्य प्रारम्भ होने के कारण कई ट्रेनें अचानक रद्द होने की खबर आते ही वॉर्ड क्रमांक 25 के पार्षद मुकेश मेवाड़ा ने सांसद प्रज्ञा ठाकुर को त्वरित अवगत कराया। जिस पर सांसद ने इस मामले पर संज्ञान लेते हुए तुरन्त रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को लेटर लिखकर रुद्राक्ष वितरण के समय ट्रेनें पुनः सुचारू करने का आग्रह किया।

आयकर अधिकारी बन 'स्पेशल 26' जैसी लूट को दिया था अंजाम, कोर्ट ने नौ लोगों को सुनाई सजा

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई की एक अदालत ने फिल्म स्पेशल-26 की तरह आयकर अधिकारी बन एक व्यवसायी के घर से लूट मामले में नौ लोगों को दोषी ठहराया है। इन लोगों ने व्यवसायी के घर से 1.65 करोड़ की लूट को अंजाम दिया था। कोर्ट ने छह दोषियों को10 साल कैद और तीन अन्य को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को डकैती, अवैध रूप से प्रवेश और अपहरण की धाराओं के तहत दोषी ठहराया। मामला, 2015 का है। व्यवसायी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, घटना से 20 दिन पहले उसका एक परिचित उसके घर आया और उसे कुछ दिनों के लिए रखने के लिए दो बैग दिए। चूंकि, पीड़ित व्यवसायी के उससे अच्छे संबंध थे, ऐसे में उसने बैग घर पर रख लिए और उन्हें एक अलमारी में बंद कर दिया। व्यवसायी के मुताबिक, इस बात की जानकारी सिर्फ उसकी पत्नी को थी। व्यवसायी ने बताया, दो जून, 2015 को उसके घर में कुछ लोग आए और अपना परिचय आयकर अधिकारियों के रूप में दिया। इस दौरान उन लोगों ने व्यवसायी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए और दोनों बैग से 40 लाख रुपये के आभूषण, 1 करोड़ रुपये नकद थे बरामद किए। इस दौरान 25 लाख रुपये कलाई घड़ियां भी घर से मिलीं।

राहुल गांधी का तंज- रोजगार, प्यार पर चला बुलडोजर

जम्मू-कश्मीर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर में जारी अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को ट्वीट में तंज कसते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर ने रोजगार, बेहतर कारोबार और प्यार चाहा था।

लेकिन उसे इसके बजाय भाजपा का बुलडोजर मिला।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर कांग्रेस, कॉन्फ्रेंस और पीडीपी (पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) जैसे कई बड़े दलों ने इस मुहिम को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल रोकने की मांग

की है। उधर राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी ने सात जनवरी को सभी उपायुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण शत प्रतिशत हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। राहुल गांधी ने कहा, कई दशकों से जिस जमीन को वहां के लोगों ने मेहनत से सींचा, उसे उनसे छीना जा रहा है। अमन और कश्मीरियत की रक्षा, जोड़ने से होगी, तोड़ने और लोगों को बांटने से नहीं। राहुल ने ट्वीट के साथ एक लिंक भी साझा किया, जिसमें दावा किया गया है कि जम्मू कश्मीर में अतिक्रमण रोधी अभियान को लेकर लोगों में घबराहट है।

घर में अकेली देख किशोरी बेटी के साथ किया दुष्कर्म, पिता के खिलाफ मां पहुंची थाने

हिसार, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हिसार के एक गांव में रहने वाले 35 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 14 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पता चलने पर पीड़िता की मां ने पुलिस में शिकायत दी। पुलिस बच्ची का मेडिकल करवाने के लिए सिविल अस्पताल पहुंची है। जानकारी के अनुसार शनिवार को 14 साल की किशोरी घर पर अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर उसके पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर पिता ने किशोरी को जान से मारने की धमकी भी दी। शाम को जब पीड़िता की मां घर पर आई तो पीड़िता ने घटना के बारे में बताया। इसके बाद महिला अपनी

बेटी को लेकर थाने पहुंची और शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सर्वे लेकर आया अखिलेश-मायावती और कांग्रेस के लिए बुरी खबर

यूपी किसको कितनी सीटें देगा जान लें

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बिसात बिछ चुकी है. सभी पार्टियां अपने पासे फेंकने में जुटी हुई हैं. बीजेपी की नजर सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश को फिर से साधने की है. वहीं, राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टियां सपा, बसपा और कांग्रेस भी पूरा दमखम लगा रही हैं. इस बीच जनता का मूड बताने वाला एक सर्वे आया है जिसमें बताया गया है कि लोकसभा चुनाव में किसे कितनी सीट मिलने वाली है. सी वोटर इसमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर लोगों की राय जानी गई है. सर्वे के नतीजे सपा प्रमुख अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती और कांग्रेस के लिए बुरी खबर लाए हैं. विपक्षी दलों की सीटें इस बार कम होती नजर आ रही हैं.

2019 में साथ थे माया-अखिलेश

2024 के नतीजे जानने से पहले 2019 में क्या हुआ था, ये जान लेते हैं. लोकसभा सीटों के हिसाब से यूपी सबसे बड़ा राज्य हैं. यहां 80 लोकसभा सीटें हैं. 2019 में सपा-बसपा ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था. गठबंधन के तहत सपा ने 37 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे जबकि 38 सीटें बसपा को दी गई थीं. 3 सीट राष्ट्रीय लोक दल को दी गईं. गठबंधन ने कांग्रेस का गढ़ कही जाने वाली अमेठी और रायबरेली सीट पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे. 2019 में गठबंधन को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन जब नतीजे आए तो एक बार फिर से मोदी लहर दिखाई दी थी. 80 में से 64 सीटें बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के खाते में गई थी. बसपा को 10 लोकसभा सीटों पर जीत मिली जबकि सपा ने 5 सीटें जीतीं. कांग्रेस ने अलग चुनाव लड़ा था और उसे सिर्फ एक सीट पर जीत मिली. कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी अपनी पारंपरिक अमेठी सीट भी नहीं बचा सके. आरएलडी का खाता भी नहीं खुला.

2024 को लेकर क्या कह रहा सर्वे?

2024 के चुनाव को लेकर सी वोटर के ताजा सर्वे में सपा-बसपा कांग्रेस के लिए पिछली बार से भी कम सीटें मिलती दिख रही हैं. सर्वे के मुताबिक 70 सीटें एनडीए के खाते में जाती दिख रही हैं. पिछली बार के मुकाबले एनडीए को 6 सीटों का फायदा हुआ है. एजेंसी ने 6 महीने पहले भी ऐसा ही सर्वे किया था. अगस्त 2022 में किए गए सर्वे में भी बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को 70 सीट मिलती दिखाई गई थी. सर्वे में विपक्षी दलों के लिए सिर्फ 10 सीटें छोड़ी गई हैं. हालांकि, इसमें यह नहीं बताया गया है कि अलग-अलग दलों को कितनी सीटें मिल रही हैं लेकिन इतना तो साफ है कि तीन प्रमुख दलों को इन्हीं 10 सीटों में संभावना दी गई है.

आज चुनाव हुए तो किसकी बनेगी सरकार

सर्वे में लोगों से पूछा गया कि आज चुनाव हुए तो किसकी सरकार बनेगी. इसमें सबसे ज्यादा लोगों ने एनडीए को पसंद बताया. सर्वे के मुताबिक एनडीए को लोकसभा चुनाव में 298 सीटें मिलती दिखाई दे रही है. बीजेपी को 284 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है. 2019 के मुकाबले एनडीए की सीटें कम हुई हैं. पिछले चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 353 सीट मिली थी. वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को फायदा होता दिखा है. यूपीए पिछली बार के दो अंकों वाले आंकड़े से काफी आगे निकल गया है और उसे 153 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है. 2019 में यूपीए गठबंधन को 91 सीट मिली थी.

'रंगदारी' नहीं देने पर टीएमसी नेता के भाई ने होटल में की तोड़फोड़, दो गिरफ्तार

कोलकाता, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के खरदा में टीएमसी नेता शुकुर अली के भाई पर एक होटल में मेले के लिए चंदा मांगने के नाम पर मारपीट और धमकाने के आरोप लगे हैं. पुलिस ने घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है. खरदा (पश्चिम बंगाल): तृणमूल कांग्रेस से प्रखंड अध्यक्ष शुकुर अली के भाई पर एक होटल में मेले के लिए चंदा मांगने के नाम पर मारपीट और धमकाने के आरोप लगे हैं. इस घटना के बाद से इलाके में काफी तनाव का माहौल है. जानकारी के मुताबिक मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है. टीएमसी नेता शुकुर अली का भाई मेले का चंदा लेने खरदा कल्याणी एक्सप्रेस वे के किनारे स्थित एक होटल में गया था. आरोप है कि 50 हजार रुपए चंदा मांगा गया था. शुकुर के भाई पीर अली पुरकैत, सफी अली पुरकैत और उनकी टीम पर पैसे देने से इनकार करने पर होटल के कर्मचारियों के साथ मारपीट की और धमकाया है.

18 साल से कम उम्र वाले बच्चे नशे की जद में, ज्यादातर लड़कियां- डरा रहा है ये सर्वे

तिरुवनंतपुरम, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया था. इसमें मध्य स्थित एक होटल में छापे के दौरान पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर एक युवती को नशे में जोर-जोर से चिल्लाते हुए देखा गया था. इस घटना की जांच से बाद में पता चला था कि एक वक्त में मेधावी छात्रा रही युवती को मादक पदार्थ के जाल में फंसाया गया और उसका इस्तेमाल मादक पदार्थ की तस्कर के रूप में किया जा रहा था. यह उन घटनाओं में से एक थी जिसने केरल के समाज की सामूहिक चेतना को झकझोर कर रख दिया जिसके बाद सरकार ने दक्षिणी राज्य में इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की. केरल पुलिस ने 21 साल से कम आयु के युवाओं के बीच एक सर्वे कराया.इसमे एक और हैरतअंगज बात पता चली कि नशे की गिरफ्त में आए इन युवाओं में से 40 प्रतिशत 18 साल से कम आयु के थे.

ड्रग की लती ज्यादातर लड़कियां

सबसे डरावनी बात यह थी कि इनमें से ज्यादातर लड़कियां थी और मादक पदार्थ के जाल में फंसने के बाद उनका इस्तेमाल तस्करों के रूप में किया जा रहा था. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) एम आर अजीत कुमार ने कहा, पहले मादक पदार्थ के मामले कॉलेजों में ज्यादा आते थे लेकिन अब स्कूलों में ज्यादा मामले आते हैं और लड़कियां मादक पदार्थ के दुरुपयोग से अधिक पीड़ित हैं. राज्य पुलिस के मादक पदार्थ रोधी अभियान योद्धा के लिए राज्य के नोडल अधिकारी कुमार ने कहा कि महिला तस्करों का इस्तेमाल अन्य लड़कियों को इस जाल में फंसाने के लिए किया जा रहा है.

लड़कियों को बना रहे शिकार

कुमार ने कहा कि वे पहले स्कूल जाने वाली लड़कियों से दोस्ती करती हैं और फिर धीरे-धीरे उन्हें ड्रग्स की खतरनाक दुनिया में धकेल देती हैं. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सड़क किनारे लगे ठेलों पर यह धंधा ज्यादा हो रहा है. स्कूलों से मादक पदार्थ की समस्या खत्म करने के लिए पुलिस ने राज्य में स्कूलों के समीप छोटे-छोटे ठेलों और दुकानों पर 18,301 छापे मारे और 401 मामले दर्ज किए. 462 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 20.97 किलोग्राम गांजा, 186.38 ग्राम एमडीएमए और 1112.1 ग्राम हशीश जब्त की गई.

नशे के बाद यौन शोषण की घटनाएं

तिरुवनंतपुरम जिला बाल संरक्षण इकाई में तैनात काउंसलर अंजू डायस ने कहा, मादक पदार्थ के दुरुपयोग के मामले स्कूली बच्चों में बहुत ज्यादा हैं. जब हम उनकी काउंसिलिंग करते हैं तो वे नशा करने की बात कबूल करते हैं लेकिन कभी भी यह नहीं बताते कि उन्हें नशीला पदार्थ कहां से मिला. उन्होंने कहा कि 13 साल और उससे अधिक आयु की लड़कियों में नशा करने के साथ यौन शोषण की घटनाएं भी सामने आती हैं.

युवती की मौत में धर्म परिवर्तन का केस दर्ज

सनातन धर्म छोड़ने के लिए पड़ोसी बना रहा था दबाव

इंदौर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में सुबह एक दिव्यांग युवती काजल पिता गोपाल यादव की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतका के परिवार ने थाने में अर्थी ले जाकर हंगामा भी किया था। उनका कहना था कि पड़ोसी द्वारा लगातार धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था जिससे पूरा परिवार तनाव में था। पड़ोसी ने पिता पर झूठा केस भी दर्ज करवा दिया था जिसके बाद से पिता घर नहीं आ रहे थे। पिता की याद में युवती रात भर रोई और सुबह नहीं उठी। पुलिस ने अब इस मामले में मृतका के घर के सामने रहने वाले परिवार के पति-पत्नी और बेटी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का केस दर्ज किया है। आरोपी परिवार सात साल पहले तक अहिरवार सरनेम लगाता था। इसके बाद में उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया और पड़ोसी पर भी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने लगे। विजयनगर पुलिस तीनों आरोपियों की तलाश कर रही है। विजयनगर इलाके के सोलंकी परिवार ने अपने घर के सामने रहने वाले दशरथ टोनेरे उनकी पत्नी रेखा टोनेरे और बेटी रवीना टोनेरे पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया था। उनका कहना है कि ये सब लोग हमेशा हमसे विवाद करते रहते थे। कुछ दिन पहले दशरथ टोनेरे ने पिता पर विजय नगर थाने में महिला को छेड़ने का झूठा केस दर्ज करा दिया था। जिसके चलते दिव्यांग बेटी काजल तनाव में थी। काजल की बड़ी बहन खुशबू यादव ने दशरथ टोनेरे, रेखा टोनेरे और उनकी बेटी रवीना टोनेरे के खिलाफ धमकी देने और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के तहत केस दर्ज करवाया है। खुशबू ने बताया कि दशरथ ने एक महीने पहले पिता और उनके यहां रह रहे किराएदार पर केस दर्ज कराया था। गिरफ्तारी के डर से पिता घर पर नहीं रह रहे थे। इस वजह से गुरुवार को काजल पिता गोपाल को याद करते हुए बहुत रोई और सुबह उठी ही नहीं। इसके बाद में परिवार के लोग सुबह उसका शव लेकर विजयनगर थाने पहुंच गए थे।

महाशिवरात्रि पर 21 लाख दीपों से सजेगा रामघाट शिव ज्योति अर्पण के लिए क्षिप्रा पर तैयारी शुरू

उज्जैन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाशिवरात्रि पर्व पर उज्जैन शहर में शिव दीपावली के अंतर्गत शिव ज्योति अर्पणम महोत्सव का आयोजन बड़े स्तर पर किया जा रहा है, जिसमें क्षिप्रा नदी के घाटों पर 21 लाख दीप प्रज्जवलित करते हुए विश्व कीर्तिमान बनाया जाएगा। महोत्सव की प्रारंभिक तैयारियों के अंतर्गत घाटों की फायर फाइटर के माध्यम से धुलवाई का कार्य भी करवाया गया। साथ ही नगर निगम द्वारा घाटों पर मार्किंग करने का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें दीपक लगाए जाएंगे। महोत्सव के अंतर्गत जहां-जहां दीप लगेंगे उसे अलग-अलग सेक्टरों में विभाजित करते हुए व्यवस्था की जाएगी, साथ ही प्रत्येक सेक्टर में मार्किंग का कार्य पूर्ण होने के बाद दीपक लगाने का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा।

इंदौर में पति पत्नी चला रहे थे सेक्स रैकेट

पुलिस को मिली दिल्ली और उज्बेकिस्तान की लड़कियां

इंदौर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में पुलिस ने सेक्स रैकेट पकड़ा है। पति पत्नी ब्यूटी पार्लर की आड़ में इसे चला रहे थे। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे वहां पर तीन अन्य लड़कियां भी मिली। इनमें से एक लडक़ी उज्बेकिस्तान की है। विदेशी युवती के पकड़ाने से पुलिस ने इस मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी दी है। माना जा रहा है कि रैकेट में अन्य युवतियां भी जुड़ी हैं जिनकी तलाश की जा रही है। इंदौर स्थित तेजाजी नगर थाने की पुलिस ने लिंबोदी क्षेत्र के नूरानी नगर में एक ब्यूटी पार्लर पर छापा मारा। मुखबिर से मिली जानकारी के बाद पुलिस यहां पर पहुंची। पुलिस को पता चला कि यहां पर ब्यूटी पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट का संचालन किया जा रहा है। पुलिस को यहां पर तीन लड़कियां मिली जिनमें से एक उज्बेकिस्तान की है और दूसरी दिल्ली की है। पुलिस का कहना है कि रैकेट में कई अन्य लड़कियां भी शामिल हैं जिनकी जानकारी आरोपियों से जुटाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि ब्यूटी पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था ताकि किसी को शक न हो। ब्यूटी पार्लर में लड़कियों को तैयार करने के बाद में ग्राहक के पास भेज दिया जाता था। आरोपी जाहिद खान लड़कियों के लिए ग्राहक तलाशने और उन्हें भेजने का काम करता था, पत्नी ब्यूटी पार्लर में लड़कियों को तैयार करवाती थी। पुलिस ने इस मामले में पत्नी को भी आरोपी बनाया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 13 फरवरी- 2023

देश छोडती प्रतिभाएं

वह जमाना बीत गया जब हमारे देश के कई हिस्सों और तबकों के लोग विदेश जाकर नौकरी या कारोबार करते थे। पद व पैसा मिलने के बाद वहीं बस जाना उनके व देश में रह रहे उनके परिवार के लिए प्रतिष्ठा व मान-सम्मान की बात हुआ करती थी। नौकरी व कारोबार के सिलसिले में विदेश गए लाखों भारतीय वहां से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भेजते हैं, जिससे उनके परिवार व सरकार का भी खजाना भरता है। आज भी अपने देश के बहुत सारे विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिए दूसरे देशों को प्राथमिकता देते हैं। फिर वहीं वे कोई नौकरी करके बस जाते हैं। इसी तरह बहुत सारे लोग कारोबार के सिलसिले में दूसरे देशों की नागरिकता ले लेते हैं। देखा जाए तो इस तरह का पलायन किसी भी देश के लिए अच्छी बात नहीं मानी जा सकती कि उसके नागरिक दूसरे देशों की नागरिकता लेने को विवश हों। विदेश मंत्री ने संसद में लिखित जवाब देते हुए बताया कि पिछले बारह सालों में कुल सोलह लाख तिरसठ हजार चार सौ चालीस लोग भारतीय नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जा बसे हैं। इन सालों में हर साल एक लाख से अधिक लोगों ने देश छोड़ा। सबसे अधिक पिछले साल- सवा दो लाख से अधिक लोग भारत की नागरिकता छोड़ कर दूसरे देशों में जा बसे हैं। जाहिर है इन लोगों ने कारोबार या नौकरी के अभाव में अपने देश की नागरिकता छोड़ दी। भारत में चूंकि दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है, इसलिए जो लोग दूसरे देशों में बस जाते हैं, उनकी नागरिकता स्वतः समाप्त हो जाती है। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि दूसरे देशों की नागरिकता लेना इतना आसान भी नहीं है कि जो चाहे, वही उन देशों में जाकर बस जाए। भारत छोड़ने वालों में सबसे अधिक लोगों ने अमेरिका की नागरिकता ली है। वहां की नागरिकता हासिल करने के लिए आज भी लाखों भारतीय जद्दोजहद कर रहे हैं, नौकरी चली जाने के बाद उन्हें वापस आने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचता। जाहिर है, ऐसे लाखों लोग मजबूरी में ही भारत के नागरिक बने हुए हैं। भारत से बहुत सारे विद्यार्थी पढ़ाई करने के लिए दूसरे देशों का रुख करते हैं। फिर वहीं वे कोई नौकरी करके सुविधानुसार बस जाते हैं। इसी तरह बहुत सारे लोग कारोबार के सिलसिले में दूसरे देशों की नागरिकता ले लेते हैं। तथ्य तो यह भी है कि बहुत सारे ऐसे कारोबारियों ने दूसरे देशों की नागरिकता ले ली, जिनका भारत में जमा-जमाया कारोबार था। कुछ समय से यह चिंता भी जताई जा रही है कि कारोबारियों के इस तरह पलायन से देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है कि आखिर लोगों के सामने ऐसी स्थिति क्यों आती है कि उन्हें अपने देश की नागरिकता छोड़ कर पराई जमीन पर जा बसना ज्यादा सुरक्षित जान पड़ता है। देखा जाए तो अपने देश में शिक्षा और रोजगार के माकूल अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए हर वर्ष लाखों विद्यार्थी देश छोड़ने पर मजबूर हैं। आंकड़े गवाह हैं कि भारतीय संस्थानों से जितने विद्यार्थी हर साल तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बाहर निकलते हैं, उनमें से बमुश्किल एक तिहाई को सम्मानजनक नौकरी मिल पाती है। वेतन आदि के मामले में भी यहां नौकरीशुदा लोगों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है। ऐसे में विदेश पढ़ने गए विद्यार्थी यहां वापस लौटना ही नहीं चाहते। कमोबेश यही हाल कारोबारियों का भी है। सरकार कारोबार के लिए चाहे जितनी अनुकूल स्थितियां बनाने का प्रयास करती हो, मगर हकीकत यही है कि निवेश और आय का अनुपात सदा अनिश्चित बना हुआ है। कारोबार के लिए सुरक्षित वातावरण होता, तो वे अपना देश छोड़ कर कभी न जाते। इसलिए अपने देश के संसाधनों का उपयोग कर कौशल अर्जित करने के बाद लोगों का दूसरे देशों में जाकर बसना सरकार के लिए इस दिशा में नए सिरे से सोचने की जरूरत महसूस की जा रही है।

पुल पर पिकेटों में बसंत के देवदूत

रेखा शाह आरबी

लल्लू जी ने सुना था ..जीवन में बसंत का आना जाना एक सामान्य घटना है पर लल्लू जी को कभी नहीं लगा कि बसंत का आना-जाना एक सामान्य घटना रहा होगा।दरअसल जिन चीजों के बारे में हम लोगों को पता नहीं होता है उसे सहज ही अद्भुत और बड़ा मान लेते हैं। और लल्लू जी कोई बड़े आदमी तो है नहीं सामान्य मिडिल क्लास इंसान हैं और मिडिल क्लास बसंत के बारे में जाने या ना जाने पतझड़ के बारे में बहुत अच्छी तरीके से उसे पता रहता है।

लल्लू जी को बसंत के ऊपर स्कूल कॉलेज में खूब निबंध लिखने को मिला जीवन में उनका बसंत से इतना ही परिचय रहा है इसके अलावा ना बसंत ने उनको देखा ना उन्होंने बसंत को देखा।

लल्लू जी बसंत को कविताओं में पढे थे जहां कवि अपने बसंत में कविताओं मे भंवरे गुनगुना देते हैं तो फूल को मुस्कुरा देते हैं ... जैसा कवि सोहनलाल द्विवेदी कहते हैं -- - आया वसंत, आया वसंत, सरसो खेत में उठी फूल बौरे आंमो में उठी झूल बेलो में फूल नए फूल, इतना पढ़ने के बाद उन्हें पता चला बसंत आम के पेड़ पर भी आ सकता है सरसों के खेत में भी आ सकता है वरना उन्होंने तो बसंत को मच्छरों की आमद के रूप में देखा, टैक्स भरने के महीने के रूप में देखा, खर्चों की बढ़ोतरी के रूप में देखा। बसंत कहीं भी घुसपैठ कर सकता है खेत, खलिहान, बाग- बगीचे ,सड़क, रेल -पुल पटरी कहीं भी आ सकता है उसके आने की कहीं भी मनाही नहीं है वसंत ऋतुराज है उसके मन के ऊपर है सरसों के खेत में आए , टेसू के फूल के ऊपर आए या पुल के ऊपर आए और सभी जगह आने जाने को तो लल्लू जी प्रमाणित नहीं कर पाए लेकिन पुल के ऊपर आने वाले बसंत को वह देख भी सकते हैं सुन भी सकते हैं समझ भी सकते हैं। लल्लू जी के मतानुसार एक बार किसी पुल का निर्माण हो जाता है तो पुल पर बसंत ही वसंत रहता है और यदि पुल दो राज्यों को जोड़ता हो और वह भी यूपी और बिहार जैसे राज्यों को तब तो उस पुल पर बसंत लहक - लहक कर खिलखिला- खिलखिला कर ठेकेदारों के लिए आता है.. पुलिस के लिए आता है ।

आम जनता का बसंत इनकी जेब में चला जाता है। उसके दोनों छोरो पर बैठे पुलिस पिकेटो मे बसंत के देव दूतों को उन्होंने बहुत करीब से देखा सुना जाना समझा है। जब पुल के ऊपर एक बार वसंत आ जाता है तो फिर कभी नहीं जाता क्योंकि बसंत के आने का रास्ता तो है पर जाने का रास्ता अभी तक नहीं बना है ना बनने की संभावना है। और ना ही कोई बनवाने में ऊपर से नीचे तक रुचि ही दिखाता है। बसंत गरीब और आम जनता के जरिए इन लोगों के पास आता है.. और गरीब तो सबके हैं बस गरीब का कोई नहीं है।

योगी ने बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर

निरंकार सिंह

उत्तर प्रदेश प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों के मामले में कोई पिछड़ा प्रदेश नहीं है। धर्म-दर्शन, कला और उद्योग के मामले में यह सदियों तक विश्व के मानचित्र पर चमकता रहा है। देश की आजादी के कुछ वर्षों के बाद से ही इसकी गिनती सबसे पिछड़े और अराजक क्षेत्रों में होने लगी थी। खराब कानून व्यवस्था, रंगदारी की वसूली, दंगे फसाद के साथ साथ अनियमित बिजली सप्लाई और खराब सड़कों के कारण कोई भी कारोबारी यहां उद्योग धंधा लगाने से कतराता था। प्रदेश में चल रहे दर्जनों उद्योग धंधे बंद हो गए। लेकिन उत्तर प्रदेश के सत्ता की बागडोर योगी आदित्यनाथ के संभालने के बाद से ही पिछले पांच छह वर्षों में उत्तर प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। खुद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्वेस्टर सम्मिट 2023 में आए उद्योगपतियों के बीच यह बात स्वीकार की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में देश के आर्थिक मानचित्र पर तेजी से उभरते उत्तर प्रदेश की निखरती हुई ऐसी तस्वीर पेश की जिसे देश- दुनिया के निवेशक उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अगर दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो देश के विकास को गति देने में उत्तर प्रदेश अहम नेतृत्व दे रहा है। यह भी बताना नहीं भूले कि दुनिया के बड़े-बड़े देशों से ज्यादा सामथ्र्य अकेले 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में है। रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा है कि अगले 4 वर्षों में यूपी में वह 75 हजार करोड रुपये का निवेश करेंगे। पिछले 4 साल में वह यहां 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में निवेश फ्रेंडली माहौल के बाद में हम यूपी अपनी सभी कंपनियों में भारी विस्तार कर रहे हैं। ज्यूरिख एयरपोर्ट एशिया के सीईओ डेनियल बर्चर ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर विदेशी निवेशक उत्साहित और यह तो बस शुरुआत है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर भारत का प्रवेश द्वार होगा। देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक घरानों में से एक आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन डा. कुमार मंगलम बिड़ला ने यूपीजीआइएस-23 उद्घाटन के मौके पर यूपी के साथ समूह के पुराने संबंधों का जिक्र करते हुए 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। बिड़ला समूह यूपी में सीमेंट, फैशन रिटेल, केमिकल, फाइनेंस सर्विस और कार्बन ब्लैक के क्षेत्र में 25 यह निवेश करेगा। डिक्शन मोबाइल फोन के चेयरमैन सुनील बचानी ने बताया कि आज देश में बिकने वाले 65 प्रतिशत मोबाइल फोन की मैन्युफैक्चरिंग यूपी में हो रही है। कुल खपत की करीब 40 फीसद एलईडी लाइट प्रोडक्ट यूपी में बन रहे हैं। यह सब मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की लीडरशिप में संभव हुआ है। इन्वेस्टर सम्मिट में यूपी को 32 लाख करोड़ रुपए के प्रस्ताव मिलना, 18643 एमओयू पर हस्ताक्षर होना यह अपने आप में बड़ी बात है।उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'रिफॉर्म, परफॉर्म ट्रांसफार्म' के मंत्र को आत्मसात कर उत्तर प्रदेश ने जो प्रयास किए, उसी का परिणाम है कि आज इस निवेश के महाकुंभ के माध्यम से उत्तर प्रदेश को 32 लाख 92 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, रियल एस्टेट, शिक्षा, पर्यटन, इलेक्ट्रॉनिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग, हाउसिंग, फूड प्रोसेसिंग जैसे अनेक सेक्टरों में अब तक हुए 18645 एमओयू के जरिये होने जा रहा यह निवेश प्रदेश में 92 लाख 50 हजार से अधिक नौकरी व रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाला होगा। इस तीन दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन में प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, राज्यपाल, अनेक केंद्रीय मंत्रीगणों, विश्व स्तर के नीति निर्धारकों, कॉरपोरेट जगत के शीर्ष नेतृत्व, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, एकेडेमिया, विचार मंच एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।भारत के फूड बास्केट के रूप में जाना जाने वाला उत्तर प्रदेश खाद्यान्न, दूध, गन्ना समेत कई वस्तुओं के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश सरकार ने आईटीआईटीईएस, डेटा सेंटर, ईएसडीएम, डिफेंस एवं एयरोस्पेस, इलेक्ट्रिक वाहन, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, टेक्सटाइल, एमएसएमई, आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए लगभग 25 नीतियों को तैयार करके नीति संचालित शासन के माध्यम से औद्योगिक विकास के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में अनेक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे के निकट राज्य का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क का शुभारंभ किया गया है। इसी प्रकार यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क, लॉजिस्टिक हब विकसित किए जा रहे हैं। अन्य परियोजनाओं में ग्रेटर नोएडा में आईआईटी जीएनएल, बरेली में मेगा फूड पार्क, उन्नाव में ट्रांसगंगा सिटी, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क, गोरखपुर में गारमेंट पार्क तथा अनेक फ्लैटेड फैक्ट्री परिसरों को विकसित किया जा रहा है। बीमारू होने का दंश झेलने वाले बुंदेलखंड और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिये 9 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से 9 लाख करोड़ से अधिक का निवेश पूर्वांचल में और 4 लाख 28 हजार करोड़ का निवेश बुंदेलखंड में होने जा रहा है। यह औद्योगिक निवेश इन क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाओं को आकार देने वाला होगा। निवेशकों ने यूपी में होटल, वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक पार्क, अस्पताल और निर्माण यूनिट स्थापित करने के लिए एमओयू साइन किए है। निवेशकों की ओर से भूमि आवंटन का प्रस्ताव दिया गया है। प्राधिकरण ने निवेश प्रस्तावों का अध्ययन करने के बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जीएसआई के लिए विदेशों के साथ देश के दूसरे प्रदेशों में आयोजित रोड शो और प्रदेश के विभिन्न जिलो में हुए निवेश सम्मेलन में ये निवेश प्रस्ताव मिले है। यह निवेश धरातल पर उतरने पर 9 लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यूपीसीडा को निवेश सम्मेलन के जरिये बरेली में 34,000, आगरा में 39,038, गाजियाबाद में 92,000, हापुड़ में 23000, प्रयागराज में 33703, कानपुर में 70,000 और अयोध्या में 17,000 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू साइन हुए हैं। कन्नौज में इत्र पार्क स्थापित करने के लिए यूपीसीडा ने की तैयारी तेज की है। इत्र पार्क के लिए निवेशकों को भूमि आवंटित की जा रही है। इत्र पार्क में बनने वाले इत्र को बड़ी मात्रा में विदेशों में निर्यात किया जाएगा। वहीं उन्नाव में ट्रांसगंगा हाइटेक सिटी की योजना पर भी काम शुरू हो गया है। यूपीसीडा ने निवेशकों को यूनिट स्थापित करने के लिए प्रदेश में 15 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर लैंडबैंक तैयार किया है। लैंड बैंक में करीब 2500 एकड़ भूमि और शामिल होगी। अमेरिका, हांगकोंग, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात से 90 हजार करोड़ रुपये निवेश के 12 एमओयू साइन हुए है। इससे 38 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश सरकार की ओर से देश के दस राज्यों के प्रमुख शहरों में रोड शो आयोजित किए गए थे। रोड शो में 1.53 लाख करोड़ रुपये निवेश के लिए 90 एमओयू साइन हुए। इससे 3.73 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। 53 जिलों में आयोजित निवेश सम्मेलन में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू साइन हुए है। इससे 8.63 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। राजधानी लखनऊ की वृंदावन विहार योजना में 10 से 12 फरवरी तक देश-विदेश के निवेशकों का सम्मेलन आयोजित किया गया था। सरकार ने इसके लिए व्यापक तैयारी की थी। इस समिट से यूपी के विकास को नई ऊंचाई मिली है। समिट में सोच से ज्यादा बेहतर परिणाम सामने आए हैं।

चुनावी लाभ के लिए सुवाई विवाद कितना सार्थक

रघु ठाकुर

कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच कुछ क्षेत्रों को लेकर पुनः विवाद शुरू हुआ है। कर्नाटक के वे क्षेत्र जो मराठी और कोंकणी भाषी हैं, उनको महाराष्ट्र में मिलाने की मांग पुनः शुरू हुई है। चूंकि दोनों राज्यों में निकट भविष्य में चुनाव भी होना है अतः दोनों ही राज्यों के मुख्यमंत्री और सरकारें इस विवाद को हवा दे रही हैं। 1956 में राज्य पुनर्गठन आयोग बना था और उसके बाद से ही यह मांग धीरे-धीरे शुरू हुई थी। चुनावी लाभ के लिये राज्यों में सीमाई सवाल को लेकर तनाव पैदा करना जरूरी है, और इसकी शुरूआत महाराष्ट्र के एक मंत्री ने यह कहकर की, उनके मंत्रियों का समूह कर्नाटक के उन क्षेत्रों में जायेगा जो भाषाई आधार पर मराठी है और जिन्हें महाराष्ट्र में मिलाने की मांग हो रही है उसके प्रति उत्तर में कर्नाटक सरकार के मंत्रियों ने भी इसी तर्ज पर महाराष्ट्र की सीमा में जाने का एलान किया। हालांकि बाद में दोनों ओर से नाटकीय एलान रोक दिये गये। चूंकि कर्नाटक में भा.ज.पा. सरकार है जिसके मुख्यमंत्री श्री बोम्मई और महाराष्ट्र में भा.ज.पा. शिवसेना की संयुक्त सरकार है। और एक अर्थ में दोनों एक ही समूह की सरकारें हैं। इसके बावजूद भी सीमा विवाद को गर्माने का उद्देश्य केवल चुनावी लाभ हासिल करना है। बाद में कुछ ऐसे समाचार अखबारों में आये कि देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह ने इस मामले में हस्तक्षेप कर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री की बैठक कराई तथा विवाद समाप्त करने की सलाह दी। यह सलाह भी ऐसा लगता है कि उसी रणनीति का हिस्सा है। क्योंकि इस बैठक और सलाह के बावजूद विवाद किसी न किसी रूप में जारी रखा जा रहा है। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है, और सुप्रीम कोर्ट में दोनों सूबों की सरकारें अपने-अपने पक्ष के लिये मुकदमा लड़ रही हैं। यह मुकदमे एक प्रकार से दोनों राज्यों में भा.ज.पा. के चुनाव अभियान का हिस्सा है, और इन मुकदमों पर होने वाला खर्च भी चौकाने वाला है। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मुकुल रोहतगी को अपना वकील नियुक्त किया है, रोहतगी को प्रतिदिन के 22 लाख रूपए की फीस और अदालती संबंधित कार्यों के लिये 5.50 लाख रूपए अतिरिक्त यानि कुल 27.50 लाख रूपये दिये जायेंगे। इसके साथ ही एक अन्य वकील श्याम दीवान को प्रतिदिन की फीस 6 लाख रूपए और अन्य सम्बन्धित कार्यों के लिये 1.50 लाख रूपए दिए जायेंगे। हवाई यात्राओं के लिये 10 लाख रूपए का भुगतान अलग से होगा। कर्नाटक के अधिवक्ता और अन्य वकीलों को भी भुगतान होगा। इन वकीलों को पाँच सितारा होटलों में ठहराने का खर्च अलग से देना होगा। एक अनुमान के अनुसार लगभग 60 लाख रूपए रोज कर्नाटक की जनता का इन सुनवाई पर खर्चा होगा। जाहिर है कि, महाराष्ट्र भी कम नहीं है और इसके आस-पास की राशि प्रतिदिन की उसके द्वारा भी खर्च की जायेगी। तात्पर्य कि महाराष्ट्र और कर्नाटक की जनता को अदालती कामकाजी के लिये औसतन 1 करोड़ रूपए रोज खर्च का भार उठाना होगा, और इस सुनवाई से निकलना क्या है? देश में सीमा विवाद, नदियों के जल विवाद, अकेले कर्नाटक और महाराष्ट्र के नहीं है बल्कि अन्य राज्यों के भी हैं। पंजाब व हरियाणा के बीच चंडीगढ़ राजधानी का विवाद, आज लगभग 65 साल होने जा रहे है, पर विवाद जस का तस है। पंजाब व हरियाणा की नदियों के पानी का विवाद भी जहां का तहां है। कितनी बार सुप्रीम कोर्ट इन मामलों की सुनवाई कर, जांच समितियां आयोग गठित कराते रहे, निर्देश जारी करते रहे, परन्तु आज भी समस्या यथावत है। और अक्सर चुनाव के पहले मीडिया में सरकारों के दावे प्रति दावे छपना शुरू हो जाते हैं। हिमालय के पहाड़ी राज्यों की स्थिति तो और भी खराब है। वहां तो राज्यों की पुलिस और एस.ए.एफ. एक दूसरे पर हमला कर रही है, गोलियां चला रही है, पुलिस पुलिस के खिलाफ मुकदमे बना रही है, और गाँव के गाँव जलाये जा रहे हैं, सीमा विवाद तेजी से उठाये जा रहे हैं। भारत के संविधान में सर्वोच्च न्यायालय को ऐसे अंतरराज्यीय सीमाओं, नदी के विवादों को हल करने का अधिकार दिया गया है। परन्तु आज तक सुप्रीम कोर्ट देश के किसी भी ऐसे विवाद का निर्णायक हल नहीं कर पाया। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल कभी भी निर्णय देने को नहीं किया, बल्कि संतुलन बैठाते हुए पंचायतों जैसा कार्य सुप्रीम कोर्ट करता रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना को लेकर आज तक किसी भी राज्य सरकार को दण्डित नहीं किया गया है। जबकि निर्णय देना और न मानने वाले को दंडित करना, लाचार करना यह सुप्रीम कोर्ट का दायित्व होता है। क्या यह सुप्रीम कोर्ट का लचर रवैया संविधान के द्वारा उन्हें सौंपे गये दायित्व के प्रतिकूल नहीं है? सरकारों, राजनीतिक दलों के लिए कोर्ट की लाचारी हो सकती है। और इसके चलते वे अपने प्रदेश की जनता को सच कहने का साहस नहीं रख पाते होंगे। इसका एक कारण यह भी है कि राजनीतिक दलों का सुबाई नेतृत्व आम जनता के विश्वास का और नैतिक अधिकार का नेतृत्व नहीं है, बल्कि वह अपने-अपने राजनीतिक दलों के सुप्रीमों या हाई कमानों के द्वारा नामजद दास नेतृत्व है। वह न ऊपर वालों से कुछ कह सकता है बल्कि आम जन में भी उसकी अपनी कोई साख नहीं है। इसलिये वह बाजार के साथ बहते जाने के रास्ते पर चलता है। अभी हाल ही में देश ने 26 जनवरी 2023 को भारतीय संविधान के निर्माण की वर्षगांठ मनाई और यह वर्ष आजादी का भी 75वां वर्षोत्सव का काल है। 1947 में हमने लोकतंत्र को स्वीकार किया। 1950 में संविधान को अंगीकार किया। परन्तु क्या देश ने लोकतंत्र और संविधान के अनुकूल अपना दिमाग व चलन बनाया है? यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। ऐसा लगता है कि हम संविधान को एक सामान्य कानून के बराबर भी महत्व नहीं देते। सामान्य कानून के उल्लंघन पर दण्ड निहित है। परन्तु संविधान का पालन करना, उसे मन से स्वीकार करना, यह मात्र वैधानिक नहीं है बल्कि हमारा राष्ट्रीय दायित्व भी है इस दायित्व की पूर्ति जनमानस के स्वभाव का अभी भी हिस्सा नहीं बन पाई है।

जनता के आंगन में सरकारी विकास यात्राओं की आमद

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 राजनैतिक हलचल से भरपूर रहने वाला है। चुनावी साल होने से जनता को अपना भगवान बताने वाले राजनैतिक दल जिनमे सत्ताधारी भाजपा और सत्ता पाने की जुगत में लगी कांग्रेस सहित नई नवेली आमआदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जनता के दरबार मे जाकर अपने दल को जनता का सबसे बड़ा हितैषी बताने का प्रयास करेंगे। आमजन भी यह सोच रहा है कि 4 साल अपने छोटे से काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने होते है। उस दौरान अफसर मिलते नही, नेता गायब रहते है। अब जबकि चुनावी साल है। सत्ताधारी ओर विपक्षी नेताओं द्वारा पूछपरख की जा रहीं है। मध्यप्रदेश की सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी काबिज है। प्रदेश में 15 महीनों की कमलनाथ सरकार के शासनकॉल को छोड़ दें तो करीब 20 साल से एमपी में भारतीय जनता पार्टी का शासन रहा है। इन 20 सालों में अधिकांश समय प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शिवराज सिंह चौहान काबिज रहें है। प्रदेश सरकार फरवरी की 5 तारीख से 25 तारीख तक मध्यप्रदेश के 55 जिलों, 16 नगर निगमों, 100 नगरपालिकाओं, 264 नगर पंचायतों, 313 विकासखण्डों की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विकास यात्रा निकाल रहीं है। यानी सरकार जनता के आंगन में आमद देकर यह बताने की कोशिश कर रही है कि हम आपके सबसे बड़े हितैषी है। हमारी सरकार ने आपका पूरा ध्यान रखा है। प्रदेश में चारों ओर खुशहाली का वातावरण व्याप्त है, जनता को घर बैठे सरकारी सुविधाएं मिल रही है। प्रदेश का कृषक खुशहाल है, उसे आसानी से खाद, बीज, यूरिया उपलब्ध हो रहा है। किसान को उसकी फसल का उचित दाम मिल रहा है। सरकार की नीतियों से व्यवसायी वर्ग में भी प्रसन्नता व्याप्त है। वह बड़े अच्छे माहौल में अपना व्यवसाय कर रहा है। प्रदेश के उद्योग धंधे फलफूल रहें है। सरकार की नीतियों से व्यवसायिक वर्ग भी गदगद है। प्रदेश के बेरोजगार भी प्रदेश की शिवराज सरकार से हर्षित है। युवा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में सरकार ने काफी प्रयास किये है। शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, सड़क ,पानी, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता से आमनागरिक के जीवन में शिवराज सिंह की वर्तमान सरकार ने बंसत बाहर ला दी है। कुल मिलाकर जनता को सरकार द्वारा प्रायोजित विकास यात्राओं के माध्यम से यह बताने की कोशिश की जाएगी कि शिवराज की सरकार ने बेहतर काम किया है। जनता को आगे भी इस सरकार को मौका देना चाहिए। सरकारी प्रयास से प्रदेश की सम्पूर्ण मशीनरी आमआदमी के दिमाग में यह बिठाने की पूरी कोशिश करेगी की एमपी की शिवराज सरकार के राज में प्रदेश तरक्की कर रहा है। जनता के आंगन में विकास का यह रथ जनता की तरक्की की असली तस्वीर है। विकास के शोर मचाते इन रथों से सरकारी भोंपू प्रदेश को खुशहाल बताने के हर सम्भव जतन करेंगे। इसके विपरीत प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 5 फरवरी को ग्वालियर में एक जनसभा को सम्बोधित करतें हुए भाजपा सरकार की विकास यात्रा को नौटंकी करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की कुछ उपलब्धि तो है, नही सिर्फ सरकार के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विकास होता तो विकास यात्रा निकालने की आवश्यकता ही नही पड़ती। कमलनाथ अपने 15 महीने की उपलब्धियां गिनाना भी नही भूलते। दरअसल मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की उपलब्धियों को ढाई या तीन साल की सरकार की उपलब्धि विकास या तरक्की के बजाय 20 वर्षो के विकास के रूप में देखें जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 16 बरसो से अधिक कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहें है। इस लिहाज से सरकार और मुख्यमंत्री को पर्याप्त समय काम करने का अवसर मिला है। एक सरकार और व्यक्ति को जब इतना लंबा समय कार्य करने का अवसर मिला हो तो प्रदेश की तस्वीर बेहद उजली दिखाई देना चाहिए। इसके विपरीत जमीनी हकीकत कुछ और ही कहती है। प्रदेश में सरकारी शिक्षा और स्वास्थ की स्थिति बेहद कमजोर है। सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य का उपयोग जनता बहुत मजबूरी में ही करती है। व्यापम जैसे घोटाले मध्यप्रदेश के माथे पर दागनुमा चस्बा है। जिसमें नेताओं, अफसरों के भ्रष्ट तंत्र ने प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों के हक पर ढाका डालकर अयोग्य लोगो को धन की लालच में भर्ती कर लिया था। प्रदेश में शिवराज सिंह की सरकार रहतें हुए आदिवासी जिलों में भ्रष्टाचार चरम पर पहुच गया था।

टी.आर.पी.मतलब 'तू रो पड़'

सुनील कुमार महला

टी वी चैनल पर प्राइम टाइम में बहस हो रही थी। बहस इतनी तगड़ी थी कि बहस के क्विंटलों छींटे टीवी स्क्रीन से बाहर आकर गिरे। आठ दर्शकों के सिर में बीस टांके आए, ईश्वर की असीम अनुकंपा से आठों बाल-बाल बचे। छह को गंभीर घायलावस्था में नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। छहों दर्शक आइसीयू में हैं, बचने की संभावनाएं अत्यंत क्षीण हैं। टीआरपी की होड़ लगी है। टी.आर.पी. का मतलब टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट नहीं। समझे आप ? टी.आर.पी. का असली मतलब है-'तू रो पड़'। बेचारे एंकर्स को आराम नहीं है, पिछले दो तीन दिन से अकेले ही 'बजट' को संभाल रहे हैं। बहरहाल, टेलीविजन पर टीआरपी पाने के लिए बहस के खतरनाक छींटे परमाणु बम बनकर सीधे दर्शकों पर पड़ रहे हैं। दर्शक टीवी के दर्शन पाकर रो पड़े हैं। टीआरपी के छींटे जो दर्शकों पर पड़े हैं। अब दर्शक अंट-शंट किसी भी टीवी चैनल के प्राइम टाइम के भारी छींटे खायेंगे तो उनकी आंखों में, दिलों-दिमाग में कोरोना आतंक मचा सकता है। वो कल ही तोताराम जी बता रहे थे कि प्राइम टाइम के अंट-शंट 'बजट बहस' के कुछ कण गटक लिए। स्साला पेट ही खराब हो गया। वो बोले लेखक भैय्या ! अब जहाँ जाओ, ये प्राइम टाइम वाले दो दिन हो गए 'बजट कहानी' को लेकर बैठे हैं। इनका अपना गजब. का दृष्टिकोण है। टीवी स्टूडियो न हुए, बजट कमरे हो गए। इन टीवी वालों को थोड़ा सा तो जरूर सोचना चाहिए कि टीवी स्क्रीन के बाहर दर्शक बिना हेलमेट बैठे हैं। बहस के दौरान कैमरा, माइक, कुर्सियां, लैपटॉप, कांच के पानी पीने के गिलास बिदककर कभी भी किसी भी क्षण बाहर आ सकते हैं और दर्शक चोटिल हो सकते हैं। अब बजट अच्छा है, बुरा है, जो भी है, जो है सो है सो है। विपक्ष के लिए बजट कभी अच्छा नहीं हो सकता है और सत्ताधारी के लिए बजट कभी बुरा नहीं हो सकता है। उनके चक्कर में ये लाठी-भाटा जंग ठीक नहीं।

मीडिया का काम समाज और राष्ट्र-निर्माण करना है। ये अखाड़ा थोड़े ही है। अब प्राइम टाइम के चक्कर में ये चैनल वाले राष्ट्र-विरोधी, नफरत और द्वेष भरी चर्चाओं को फेंकेंगे तो दर्शकों को चोट लगना तो स्वाभाविक है ना ! अब बजट को बहस से आक्रामक क्योंकर बनाना ? घृणा भाषण पिलाओगे, मन की भड़ास निकालोगे तो टीआरपी नहीं बीपी जरूर बढ़ जायेगा।और आपको तो पता ही है कि बीपी से सीधा हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। बेतुके, अशालीन, हिंसक बयानों का ताव आम आदमी के ताव चढ़ा देता है । प्राइम टाइम के घाव राष्ट्र की चेतना को गंभीर आहत करते हैं, नुकसान पहुंचाते हैं। ये जो एंकर-सेंकर हैं न, इनके पास निष्पक्षता की लाठी तो होती नहीं है। अतिशयोक्ति पूर्ण बयानों, बेतुकी बहसों, कड़वे बोलों से कभी क्रांति या राजनीतिक बदलाव नहीं आते।

माघ कालाष्टमी पर करें भैरव की पूजा

सोमवार, 13 फरवरी 2023
अष्टमी तिथि प्रारंभ : 13 फरवरी 2023 को सुबह 9 बजकर 46 मिनट पर
अष्टमी तिथि समाप्त: 14 फरवरी 2023 को सुबह 9:04 बजे

कालाष्टमी व्रत भगवान भैरव के भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन होता है। यह व्रत प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान भैरव के भक्त पूरे दिन उपवास रखते है और वर्ष में सभी कालाष्टमी के दिन उनकी पूजा करते हैं।

कालाष्टमी, जिसे काला अष्टमी के रूप में भी जाना जाता है। सबसे महत्वपूर्ण कालाष्टमी, जिसे कालभैरव जयंती के रूप में जाना जाता है। यह माना जाता है कि भगवान शिव उसी दिन भैरव के रूप में प्रकट हुए थे। कालभैरव जयंती को भैरव अष्टमी के रूप में भी जाना जाता है।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कालाष्टमी व्रत सप्तमी तीथ पर मनाया जा सकता है। धार्मिक पाठ के अनुसार व्रतराज कालाष्टमी का व्रत उस दिन मनाया जाना चाहिए जब अष्टमी तिथि रात्रि के समय रहती है।

कालाष्टमी व्रत

पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी की शुरुआत 14 जनवरी को शाम 07 बजकर 22 मिनट से हो रही है। ये तिथि 15 जनवरी को शाम 07 बजकर 45 मिनट तक रहेगी। निशिता मुहूर्त में बाबा काल भैरव की पूजा की जाती है, इसलिए माघ कालाष्टमी व्रत 14 जनवरी को रखा जाएगा।

कालाष्टमी व्रत की पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म और स्नान आदि करने के बाद भगवान भैरव की पूजा-अर्चना करें।

इस दिन भगवान भोलेनाथ के साथ माता पार्वती और भगवान गणेश की भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

पूजा के दौरान घर के मंदिर में दीपक जलाएं, आरती करें और भगवान को भोग लगाएं।

इस बात का ध्यान रखें कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का ही भोग लगाया जाता है।

कालाष्टमी व्रत का महत्व

कहा जाता है कि कालाष्टमी के दिन व्रत रख कर भगवान भैरव की पूजा करने से सभी तरह के भय से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही भैरव भगवान की कृपा से शत्रुओं से छुटकारा भी मिल जाता है।

काल भैरव के मंत्र

ओम ऐं क्लीं क्लीं क्लूं सः वं ह्रां ह्रीं ह्रूं आपदउद्धारणाय अजामल बद्धाय लोकेश्वराय स्वर्ण शांति धन धान्य आकर्षणाय सर्व ऋण रोगादि निवारणाय ह्रीं ओम कालभैरवाय नमः

धर्मध्वजं शङ्कररूपमेकं शरण्यमित्थं भुवनेषु सिद्धम।
द्विजेन्द्र पूज्यं विमलं त्रिनेत्रं श्री भैरवं तं शरणं प्रपद्ये।।
ओम शिवगणाय विद्महे गौरीसुताय धीमहि तन्नो भैरव प्रचोदयात।।

सुख और सौभाग्य बढ़ाने वाला व्रत

सीताष्टमी 14 फरवरी को, फाल्गुन महीने की अष्टमी पर देवी सीता की पूजा और व्रत करने की परंपरा

14 फरवरी, सोमवार को सीताष्टमी है। मान्यता है कि इस तिथि पर देवी सीता प्रकट हुई थीं। वहीं, कुछ जगहों पर ये व्रत वैशाख महीने की नवमी को जानकी नवमी के नाम से मनाया जाता है। इस तरह ये साल में दो बार मनाया जाने वाला पर्व है। इस दिन देवी सीता की पूजा और व्रत करने की परंपरा है।

इस दिन कुंवारी कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं व्रत रखती हैं। इस मौके पर माता सीता, भगवान श्रीराम, गणेशजी और माता अंबिका की भी पूजा होती है। इस पूजा में खासतौर से पीले फूल और इसी रंग के कपड़े शामिल किए जाते हैं। सोलह शृंगार की चीजें भी चढ़ाई जाती हैं। जो बाद में कुंवारी कन्याओं को देने की परंपरा है। इस दिन पूजा में सिर्फ पीली चीजें ही चढ़ाई जाती हैं। इस दिन दूध और गुड़ से बने पारंपरिक व्यंजनों का ही प्रसाद के रूप में भोग लगाया जाता है।

सुबह-शाम पूजा करने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा।

माता सीता का जन्म और उनके नाम

जब राजा जनक संतान पाने की इच्छा से यज्ञ के लिए हल से जमीन तैयार कर रहे थे, जब उन्हें जमीन से बच्ची मिलीं। हल की नोंक जिसे सीत कहते हैं उसी पर बच्ची का नाम सीता रखा गया। धरती देवी ने राजा जनक को बच्ची दी इसलिए उनका नाम भूसुता पड़ा। इसके बाद राजा जनक ने पाला तो जानकी और जनकसुता नाम पड़ा। वो मिथिला की राजकुमारी थीं, इसलिए उन्हें मैथिली कहा जाने लगा।

जानकी जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर नहाएं। इसके बाद व्रत और पूजा का संकल्प लें। चौकी पर सीताराम सहित जानकी, माता सुनयना, कुल पुरोहित शतानंद की मूर्ति या चित्र स्थापित कर उनकी पूजा करें। सीताष्टमी पर खासतौर से हल और धरती माता की पूजा करने का भी विधान है।

सबसे पहले भगवान गणेश और गौरी की पूजा करके माता जानकी का पूजन किया जाता है। माता सीता को पीले फूल, कपड़े और शृंगार का सामान अर्पित किया जाता है। इसके बाद भोग लगाकर सीता माता की आरती करना चाहिए।

सीता जयंती पर व्रत रखने वालों को सौभाग्य, सुख और संतान की प्राप्ति होती है और परिवार में समृद्धि बनी रहती है। यह व्रत विवाहित महिलाओं के लिए लाभकारी है। इस व्रत के प्रभाव से वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर हो जाती हैं। सुखद दांपत्य जीवन की कामना से यह व्रत किया जाता है।

कुंभ संक्रांति आज: सूर्य के राशि परिवर्तन पर स्नान-दान कर अर्घ्य देते हैं

13 फरवरी, सोमवार को सूर्य मकर राशि से निकलकर कुंभ में आ जाएगा। इस दिन कुंभ संक्रांति मनेगी। इस दिन सूर्य, सुबह करीब 10 बजे राशि बदलेगा। इसलिए स्नान-दान के लिए पुण्य काल इसी दिन रहेगा।

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में सूर्य पूजा कर के अर्घ्य देने से शारीरिक परेशानियां दूर होती हैं। परिवार में बीमारियां नहीं आती। भगवान आदित्य के आशीर्वाद से दोष भी दूर हो जाते हैं। इससे प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ता है। इस दिन खाद्य वस्तुओं, वस्त्रों और गरीबों को दान देने से दोगुना पुण्य मिलता है।

कुंभ संक्रांति से मौसम में बदलाव

कुंभ संक्रांति को बहुत खास माना गया है। क्योंकि इस समय माघ महीने का शुक्लपक्ष, गुप्त नवरात्र, वसंत पंचमी, रथ सप्तमी और जया एकादशी जैसे खास पर्व आते हैं। इसके बाद पतझड़ की आने की शुरुआत होने लगती है। मौसम में बदलाव आते हैं। फिर मीन और मेष संक्रांति के दौरान वसंत ऋतु और उसके बाद हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है।

कुंभ संक्रांति पर तीर्थ स्नान

ज्योतिष शास्त्र मे सूर्य को सभी ग्रहों का पिता माना गया है। सूर्य के उत्तरायन और दक्षिणायन होने से ही मौसम और ऋतुएं बदलती हैं। हिन्दू धर्म मे संक्रांति का बहुत

ज्यादा महत्व है। इसलिए इसे पर्व कहा जाता है। इस पर्व पर सूर्योदय से पहले नहाना और खासतौर से गंगा स्नान का बहुत महत्व है। ग्रंथों का कहना है कि संक्रांति पर्व पर तीर्थ स्नान करने वाले को ब्रह्म लोक मिलता है। देवी पुराण में कहा गया है कि संक्रांति के दिन जो नहीं नहाता वो बीमारियों से परेशान रहता है। संक्रांति के दिन दान और पुण्य कर्मों की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

कुंभ संक्रांति का महत्व

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा अमावस्या और एकादशी तिथि का जितना महत्व है उतना ही महत्व संक्रांति तिथि का भी है। संक्रांति के दिन स्नान ध्यान और दान से देवलोक की प्राप्ति होती है। कुंभ संक्रांति के दिन प्रातः उठ कर स्नान करें और स्नान के पानी मे तिल जरूर डाल दें। स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। उसके बाद मंदिर जाकर श्रद्धा अनुसार दान करें ।

अपनी इच्छा से ब्राह्मणों को भोजन कराएं। बिना तेल-घी एवं तिल और गुड़ से बनी चीजे ही खाएं।

फागुन में करें ये आसान उपाय चमक जाएगी किस्मत

आपको बता दें कि फाल्गुन मास में भगवान कृष्ण, भगवान विष्णु और चंद्र देव की पूजा करना श्रेष्ठ होता है इस महीने कई सारे बड़े पर्व त्योहार भी मनाए जाते है जिसमें होली, महाशिवरात्रि प्रमुख है। ज्योतिष अनुसार इस महीने पूजा पाठ और व्रत के अलावा अगर कुछ उपायों को किया जाए तो लाभ मिलता है, ऐसे में आज हम आपको फाल्गुन मास में किए जाने वाले उपाय बता रहे है।

फागुन में करें ये आसान उपाय

आपको बता दें कि फाल्गुन का महीना बेहद खास होता है इस महीने नियमों के पालन के साथ साथ अगर कुछ उपाय किए जाएं तो व्यक्ति को लाभ की प्राप्ति होती है मान्यता है कि इस महीने भगवान कृष्ण, श्री हरि विष्णु और चंद्र देव की आराधना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है वही संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले जातक को इस पवित्र मास में भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप की आराधना विधिवत करनी चाहिए ऐसा करने से शीघ्र संतान सुख की प्राप्ति होती है।

वही प्रेम, विवाह आदि का सुख पाने के लिए भी इस महीने भगवान कृष्ण की पूजा उत्तम मानी जाती है मान्यता है कि इस महीने श्रीकृष्ण की पूजा खूशबूदार फूलों से करना उत्तम होता है साथ ही साथ आप इस पूरे महीने में भगवान को अबीर और गुलाल भी चढ़ा सकते है। इससे लाभ जरूर मिलेगा। फागुन में शिव को सफेद चंदन अर्पित करने से कष्टों में कमी आती है वही अगर कोई धन प्राप्ति की इच्छा रखता है तो ऐसे में इस पूरे महीने माता लक्ष्मी की पूजा कर उन्हें लाल गुलाब अर्पित करें ऐसा करने से धन प्राप्ति की इच्छा पूर्ण हो जाती है।

शिव जी और देवी पार्वती की सीख बच्चे अपने परिवार का महत्व समझेंगे

18 फरवरी को महाशिवरात्रि है। ये शिव जी और देवी पार्वती की पूजा का महापर्व है। शिव-पार्वती से जुड़ी कई ऐसी कथाएं हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र छिपे हैं। इन सूत्रों को जीवन में उतार लिया जाए तो हमारी सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। जानिए शिव-पार्वती और कार्तिकेय से जुड़ी एक ऐसी कथा, जिसमें बच्चों के सुखद जीवन के सूत्र बताए गए हैं।

कार्तिकेय स्वामी का जन्म सरकंडे के एक वन में हुआ था। कार्तिकेय के छह मुख थे। शिशु कार्तिकेय शिव-पार्वती से दूर था। उस समय वन में रहने वालीं कृतिकाओं ने बालक का पालन-पोषण किया। कृतिकाओं ने उस बच्चे को पाला था, इस कारण उसका नाम कार्तिकेय पड़ा। वह बालक कृतिकाओं की देखरेख में ही बड़ा हुआ।

एक दिन शिव-पार्वती को कार्तिकेय के बारे में मालूम हुआ। उन्हें मालूम हुआ कि जंगल में कृतिकाएं उनके पुत्र को पाल रही हैं।

संतान की जानकारी मिलते ही शिव जी ने अपने दूतों को वन में भेजा और आदेश दिया कि वे कार्तिकेय को सम्मान के साथ लेकर आए।

शिव जी के दूत सरकंडे के वन में पहुंचे और कार्तिकेय के साथ सभी कृतिकाओं को ससम्मान कैलाश पर्वत पर ले आए।

कार्तिकेय को देखकर शिव जी और पार्वती ने अपनी संतान को गले से लगाया। शिव जी कार्तिकेय की वीरता के बारे में जान गए थे।

शिव जी ने कार्तिकेय से कहा कि तुम हमारी संतान हो और ये तुम्हारा परिवार है। शिव जी आगे कहा कि तुम वीर हो, इसलिए आज से तुम देवताओं के सेनापति हो। तुम्हारा जन्म सृष्टि के कल्याण के लिए हुआ है। इसके बाद कार्तिकेय स्वामी ने ही तारकासुर का वध किया था और तीनों लोकों को तारकासुर के आतंक से मुक्त कराया था।

इस कथा का संदेश ये है कि माता-पिता को अपनी संतान के लिए हमेशा जागरूक रहना चाहिए। शिव जी ने कार्तिकेय को परिवार से जोड़ा और परिवार का महत्व समझाया। आज भी जो लोग अपने बच्चों को परिवार का महत्व समझाते हैं, उनके बच्चे व्यस्त होने के बाद भी परिवार से जुड़े रहते हैं।

एडल्ट फिल्मों की इस आदत ने सनी लियोनी का उड़वाया था मजाक, एक्ट्रेस की शर्त सुन दंग रह गए थे महेश भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी आज हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं. पूर्व में पॉर्न स्टार रह चुकीं सनी लियोनी की बॉलीवुड में एंट्री मशहूर डायरेक्टर महेश भट्ट की वजह से हुई थी. हिंदी फिल्मों के साथ-साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काम कर चुकीं सनी लियोनी 'बिग बॉस' सीजन 5 का हिस्सा रह चुकी हैं, यहीं से महेश भट्ट की नजर उन पर पड़ी. महेश ने सनी को फिल्म 'जिस्म 2' का ऑफर दिया, जिसे एक्ट्रेस ने खुशी-खुशी एक्सेप्ट कर लिया. इस फिल्म में सनी के साथ लीड रोल में एक्टर रणदीप हुड्डा था.

'जिस्म 2' में दिए कई बोल्ड सीन

बहुत कम लोग जानते हैं कि फिल्म की शूटिंग के दौरान सनी लियोनी ऐसी शर्त रख दी कि फिल्म के हीरो और डायरेक्टर से लेकर पूरी यूनिट हैरान रह गई. 'जिस्म 2' एक बोल्ड थ्रिलर मूवी थी, जिसमें सनी और रणदीप हुड्डा के कई इंटीमेट सीन भी थे. साल 2003 में बिपाशा बसु और जॉन अब्राहम स्टारर फिल्म 'जिस्म' के सीक्वल में रणदीप और सनी नजर आए. 'जिस्म 2' बड़ी हिट साबित हुई, जिसने सनी लियोन को इंडस्ट्री में अलग पहचान दिलाई. सनी के शर्त की बात करें तो फिल्म में कई किसिंग सीन फिल्माने थे, लेकिन उससे पहले एक्ट्रेस ने एक शर्त रख दी.

सनी की बात सुन सन्न रह गए मेकर्स

सनी लियोनी ने कहा कि इंटीमेट सीन करने से पहले रणदीप हुड्डा को अपना मेडिकल सर्टिफिकेट लाना होगा, उसके बाद ही वो शूट करेंगी. सनी की ये बात सुनकर सभी सन्न रह गए, कुछ लोगों की तो हंसी छूट पड़ी. दरअसल, ये थे उस पोर्न इंडस्ट्री के कायदे-कानून थे जिससे सनी लियोनी आई थीं. एडल्ट फिल्में शूट होने से पहले वहां एक्टर्स का मेडिकल चेकअप भी होता है. उसके बाद ही कलाकार साथ काम करते थे. इससे उन्हें शूटिंग के बीच में सेहत को लेकर कोई टेंशन नहीं रहती. यही नियम सनी बॉलीवुड में भी फॉलो कर रही थीं. सनी की शर्त पूरी की गई और फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ी.

अक्षय ने नोरा फतेही के साथ किया डांस

मजाकिया अंदाज में फैंस ने की ट्विंकल से शिकायत, बोले-मैम देखिए आपके पति क्या कर रहे हैं

अक्षय कुमार और नोरा फतेही का एक डांस वीडियो सामने आया है, जिसमें खिलाड़ी कुमार और नोरा साथ में अपकमिंग फिल्म सेल्फी के गाने कुड़िए नी तेरी पर डांस करते नजर आ रहे हैं। चर्चित वीडियो को में दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। वीडियो में अक्षय ने ऑल ब्लैक पहना है जिसके साथ उन्होंने ब्लैक हैट भी स्टाइल की है। वहीं दूसरी ओर नोरा नियोन ग्रीन गाउन में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका लुक बेहद ग्लैमरस दिखाई दे रहा है।

अक्षय कुमार ने नोरा फतेही के साथ डांस वीडियो शेयर किया है, जिसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

फैंस ने की जमकर तारीफ

अपने नए गाने को प्रमोट करते हुए अक्षय ने ये वीडियो सोशल मीडियो पर खुद शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- 'इसी तरह नोरा हर गाने में एक अलग फायर ला देती हैं।' वीडियो देखकर फैंस दोनों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कमेंट सेक्शन में एक फैन ने लिखा- 'आप काफी यंग दिख रहे हैं सर।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- 'नोरा का कोई मैच नहीं है।' तीसरे यूजर ने भी तारीफ करते हुए लिखा- 'अक्षय सर बेस्ट हैं।'

गाने में दोनों की केमिस्ट्री खूब पसंद की जा रही है। लोग कह रहे हैं कि खिलाड़ी कुमार अपने पुराने अंदाज में वापस आ रहे हैं।

यूजर्स ने ट्विंकल खन्ना को किया टैग

अक्षय के इस वीडियो पर तारीफों के साथ-साथ कई फनी कमेंट्स भी देखने को मिले। एक यूजर ने लिखा- 'ट्विंकल भाभीजी ध्यान से।' वहीं दूसरे किसी यूजर ने फनी कमेंट करते हुए लिखा- 'ट्विंकल मैम देखिए आपके पति क्या कर रहे हैं।'

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी जल्द ही थिएटर में रिलीज होने वाली है। फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं। गानों को सुनकर लोगों की फिल्म से उम्मीदें काफी बढ़ गई अक्षय और इमरान के साथ फिल्म में नुसरत भरूचा भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म जल्द ही थिएटर में रिलीज होगी।

'बिग बॉस फिनाले' से पहले इस एक्ट्रेस ने लगाया ग्लैमर का तड़का

'बिग बॉस 16' में अपने हुस्न का जादू बिखेरने वाली श्रीजिता दे ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं.

'बिग बॉस 16' में अपने हुस्न का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस श्रीजिता दे ने हाल ही में अपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं. इन तस्वीरों में वो कमाल की लग रही हैं. श्रीजिता दे इन तस्वीरों काफी खूबसूरत लग रही हैं. उनके लुक की बात करें तो एक्ट्रेस ने फ्लोरल थाई-हाई कट वाली स्कर्ट पहनी है, जिसे ब्रालेट के साथ कैरी किया हुआ है और ऊपर से श्रग डाला हुआ है. श्रीजिता दे की रेड लिपस्टिक उन पर काफी फब रही है और उनके लुक को काफी बोल्ड भी बना रही है.

'बिग बॉस' के घर में सृजिता डे ने काफी धमाल मचाया था. यहां पर टीना दत्ता के साथ उनक लड़ाई ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं. सृजिता डे ने तमाम टीवी शोज किए हैं. 'नजर' में उन्होंने दिलरुबा का किरदार निभाया था. 'कसौटी जिंदगी के' में वह गार्गी बजाज बनी थीं. 'लेडीज स्पेशल' में वह शिवांगी के रोल में दिखाई दी थीं।

राखी सावंत के पति आदिल पर ईरानी लड़की ने लगाया गंभीर आरोप

प्राइवेट फोटो लीक करने की दी धमकी

राखी सावंत और उनके पति आदिल खान दुर्रानी के बीच विवाद अब कोर्ट तक पहुंच गया है. राखी की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस ने बीते दिनों आदिल को गिरफ्तार किया था. अब राखी के पति को लेकर एक और महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं. आदिल खान दुर्रानी के खिलाफ मैसूर में अब एक नई एफआईआर दर्ज की गई है. मैसूर के वीवी पुरम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376 के तहत केस रजिस्टर किया गया है, आदिल पर एक ईरानी युवती ने कथित तौर पर बलात्कार का आरोप लगाया है.

बलात्कार का आरोप

गौरतलब है कि धोखाधड़ी मामले में आदिल खान पहले से ही जेल में हैं, उनके खिलाफ खुद राखी सावंत ने ही गंभीर आरोप लगाता हुए एफआईआर दर्ज कराई थी. जिसके बाद उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था. आदिल के खिलाफ अब दूसरी एफआईआर ईरानी की एक महिला ने दर्ज कराई. युवती ने अपनी शिकायत में आदिल पर झांसा देकर उसके साथ रेप करने का आरोप लगाया, जब वे मैसूर में एक साथ रहते थे.

प्राइवेट फोटो लीक करने की धमकी

शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उसने आदिल से पांच महीने पहले शादी की बात की तो उसने साफ इनकार कर दिया. आदिल ने कहा कि वो लड़कियों के साथ इसी तरह के रिश्ते में है. फिर उसने धमकी दी और ब्लैकमेल किया कि वह उसकी प्राइवेट तस्वीरें लीक कर देगा, इसलिए वो चुप रहे. हालांकि अब युवती ने पुलिस के सामने अपनी आपबीती लिख दी है. पुलिस ने आईपीसी की धारा 376, 417,420, 504 और 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है.

राखी सावंत ने बयां किया दर्द

इससे पहले कई बार मीडिया के सामने राखी सावंत अपना दर्द बयां कर चुकी हैं. उन्होंने रोते हुए आदिल पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था. राखी की शिकायत के बाद, आदिल को ओशिवारा पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए बुलाया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया. राखी तभी से मीडिया में आदिल के खिलाफ बोल रही हैं.

अपने कैजुअल आउटफिट के लिए ट्रोल हुईं अथिया शेट्टी ट्रोलर्स बोले- कोई नहीं कहेगा इनकी शादी हो गई है.. कम से कम सिंदूर तो लगा लेती

अथिया शेट्टी को हाल ही में स्पॉट किया गया। वो बिल्कुल कैजुअल आउटफिट में थीं। शादी के बाद से ही वो हमेशा ऐसे ही कैजुअल लुक में नजर आईं हैं। वो इस दौरान ब्लू शर्ट और ब्लू जींस पहनी नजर आईं। हालांकि अथिया का ये लुक कुछ सोशल मीडिया ट्रोलर्स को रास नहीं आया। ट्रोलर्स ने अथिया को मंगलसूत्र और सिंदूर की वजह से ट्रोल कर दिया। एक ने अथिया के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'इसलिए मुझे इन लोगों से नफरत है। शादी के बाद भी ये लोग सिंदूर, बिंदी और चूड़ी नही पहनते।' वहीं एक ट्रोलर ने लिखा, 'सबका वही हाल है, एक दिन के लिए सिंदूर लगता है बस' ।

अथिया को देखकर एक ने लिखा- 'कोई नहीं कहेगा कि इनकी शादी हो गई है। मंगलसूत्र न सही, कम से कम पति के नाम का सिंदूर तो लगा लेती।'

अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल 23 जनवरी को शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला वाले फॉर्म हाउस पर हुई। शादी में चुनिंदा मेहमानों ने ही शिरकत की थी। शादी को पूरी तरह प्राइवेट रखा गया था। अथिया और राहुल ने एक दूसरे को चार साल डेट करने के बाद शादी की है।

'मैं डीडीएलजे की जगह पठान देखना पसंद करूंगा'

शाहरुख बोले- इतनी मुश्किल से तो एक्शन हीरो बना हूं, मैं नहीं चाहता 'राज' वापस आए

शाहरुख खान का कहना है कि वो 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' की जगह पठान देखना पसंद करेंगे। उनका कहना है कि इतनी मुश्किल से तो वो एक्शन हीरो बने हैं अब फिर से डीडीएलजे का राज बनने की कोई इच्छा नहीं है।

दरअसल यशराज फिल्म्स ने फैसला किया है कि वो इस वेलेंटाइन वीक में देश के 37 शहरों में डीडीएलजे को री-रिलीज करेंगे। अब इसपर रिएक्ट करते हुए शाहरुख ने मजाकिया अंदाज में अपने सोशल मीडिया पर लिखा है कि वो डीडीएलजे की जगह पठान ही देखने जाएंगे।

मैं पठान देखने जाऊंगा, राज तो घर का है

यशराज फिल्म्स ने हाल में एक अनाउंसमेंट की। यशराज फिल्म्स के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल ने लिखा, 'डीडीएलजे और पठान साथ आ रहे हैं। इस वेलेंटाइन वीक में दोनों ग्रेट फिल्मों को साथ में एन्जॉय करिए।'

इस ट्वीट के जवाब में शाहरुख ने लिखा, 'अरे यार इतनी मुश्किल से एक्शन हीरो बना हूं और तुम लोग फिर से राज की वापसी कराना चाहते हो, ये कंपटीशन मुझे जीने नहीं देगा, मैं तो पठान ही देखने जाऊंगा। राज तो घर का है।'

देश के 37 शहरों में फिर से दिखाई जाएगी डीडीएलजे

यशराज फिल्म्स ने एक प्रेस स्टेटमेंट में बताया है कि डीडीएलजे को मेट्रो सिटीज जैसे पुणे, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, फरीदाबाद, लखनऊ, देहरादून, चंडीगढ़, गुवाहाटी, बेंगलुरु, हैदराबाद और इंदौर सहित देश के 37 शहरों में री-रिलीज किया जाएगा। चूंकि डीडीएलजे एक रोमांटिक फिल्म है, इसलिए इसे वेलेंटाइन वीक में फिर से एक बार पर्दे पर दिखाने की तैयारी है।

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्मों में एक है डीडीएलजे

20 अक्टूबर 1995 को रिलीज हुई दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे भारत के इतिहास में थिएटर्स में सबसे ज्यादा दिन चलने वाली फिल्म है। मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म 27 साल से लगातार चल रही है।

इस फिल्म को बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक माना जाता है। इसी फिल्म के बाद शाहरुख खान एक स्टार के रूप में फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित हुए। फिल्म में उनकी और काजोल की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था।

पठान का वर्ल्डवाइड आंकड़ा 900 करोड़ के पार

पठान हर रोज कमाई के नए क्रीतिमान स्थापित कर रही है। फिल्म का हिंदी नेट कलेक्शन 448.25 करोड़ हो गया है, इसने केजीएफ 2 के हिंदी वर्जन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है और बाहुबली 2 के बाद सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। बाहुबली 2 के हिंदी वर्जन ने 510.99 करोड़ कमाए थे।

तमिल और तेलुगु के आंकड़े जोड़ लिए जाए तो फिल्म की कमाई 464.80 करोड़ हो गई है। वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म का आंकड़ा 900 करोड़ के पार हो गया है। फिल्म 25 जनवरी को रिलीज हुई थी।

28 साल बाद भी थिएटर में धाक जमाए बैठी है शाहरुख-काजोल की फिल्म 'डीडीएलजे', वैलेंटाइन वीक में की ताबड़तोड़ कमाई

यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' अब तक की सबसे सुपरहिट फिल्मों में से एक रही है. 1995 में आई फिल्म में शाहरुख खान और काजोल ने राज और सिमरन के किरदार से करोड़ों फैंस को दीवाना बना दिया था. 28 साल बाद भी इस फिल्म का क्रेज आज भी ऑडियंस के बीच बरकरार है. इसी क्रेज को देखते हुए 28 साल बाद इस रोमांटिक फिल्म को फिर से रिलीज करने का फैसला किया गया. और फिल्म के लिए लोग फिर से उमड़ पड़े हैं.

वैलेंटाइन वीक में रिलीज हुई डीडीएलजे

इन दिनों पूरी दुनिया में वैलेंटाइन डे सेलिब्रेट किया जा रहा है. वैलेंटाइन डे को देखते हुए कुछ दिन पहले नेशनल मल्टीप्लेक्स जैसे पीवीआर, आइनॉक्स और साइनपोलिस में फिर से रिलीज करने का फैसला किया गया. बड़े पर्दे पर एक बार फिर डीडीएलजे को रिलीज करते ही ऑडियंस की 28 साल पुरानी यादें ताजा हो गईं. महज 2 दिनों में ही फिल्में ने लाखों में कमाई कर ली है.

दो दिनों में डीडीएलजे ने की इतनी कमाई

शाहरुख और काजोल स्टारर मूवी 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' को 10 फरवरी 2023 को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज किया गया. पहले दिन इसने 2.50 लाख रुपये की कमाई की. 11 फरवरी 2023 को इसमें बड़ा मुनाफा देखा गया. बीते दिन फिल्म ने थिएटर में 10 लाख रुपये का बिजनेस किया. कहा जा रहा है कि तीसरे दिन भी फिल्म का बिजनेस 10 लाख रुपये तक हो सकता है. यानी कि तीन दिनों में इसकी कुल कमाई 22.5 लाख रुपये होगी.

उम्मीद लगाई जा रही है कि फिल्म को फिर से रिलीज करने में सबसे ज्यादा फायदा वैलेंटाइन डे को होगा. माना जा रहा है कि फिल्म 14 फरवरी 2023 को 20 लाख रुपये तक का बिजनेस कर सकती है. कुल मिलाकर इस वैलेंटाइन वीक में ये फिल्म 60 लाख रुपये तक की कमाई कर सकती है. ये फिल्म लिमिटेड सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है, लेकिन इसे खूब फायदा मिल रहा है.

2 साल पहले रश्मिका ने गोवा में खरीदा था घर

5 शहरों में लग्जरी फ्लैट के दावों पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- काश ऐसा सच होता

रश्मिका मंदाना साउथ और बॉलीवुड दोनों ही इंडस्ट्रीज में नाम कमा रही हैं। हाल ही में रश्मिका को लेकर खबरें आ रही थीं कि उन्होंने अलग-अलग शहरों में 5 लग्जरी फ्लैट खरीदे हैं। हालांकि, अब मामले में रश्मिका ने चुप्पी तोड़ते हुए फ्लैट खरीदने खबरों को गलत बताया है।

दरअसल, एक ट्विटर अकाउंट ने अपने पोस्ट में दावा करते हुए लिखा- 'रश्मिका ने महज करियर के 5 सालों में खूब सक्सेस कमाई है। उन्होंने गोवा, हैदराबाद, कुर्ग, मुंबई और बैंगलोर में 5 आलीशान फ्लैट लिए हैं। वो 2021 से ही प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करती आ रही हैं।'

रश्मिका ने चुप्पी तोड़ते हुए अलग-अलग शहरों में फ्लैट खरीदने खबरों को गलत बताया है। एक ट्वीटर चैनल ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि रश्मिका 2021 से 5 शहरों में फ्लैट खरीद चुकी हैं।

कर्नाटक में पेरेंट्स के साथ रहती हैं रश्मिका

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मिका अपने पेरेंट्स के साथ कर्नाटक के विराजपेट में रहती हैं। जहां उनके पास आलीशान बंगलो है, वो अक्सर अपने कर्नाटक वाले घर की फोटोज शेयर किया करती हैं।

गोवा में है रश्मिका का आलीशान घर

साल 2021 में रश्मिका ने अपने गोवा वाले नए घर की फोटोज शेयर की थी। आलीशान घर में स्विमिंग पूल और भगवान गौतम बुद्ध का स्टैच्यू भी था।

पोस्ट शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा था- 'जब आपके पास गोवा में नया घर हो, तो लोगों को जलन होती है।' हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं है कि हैदराबाद और मुंबई में भी उनके पास खुद का फ्लैट है, जहां वो अक्सर शूटिंग के दौरान रुका किया करती हैं।

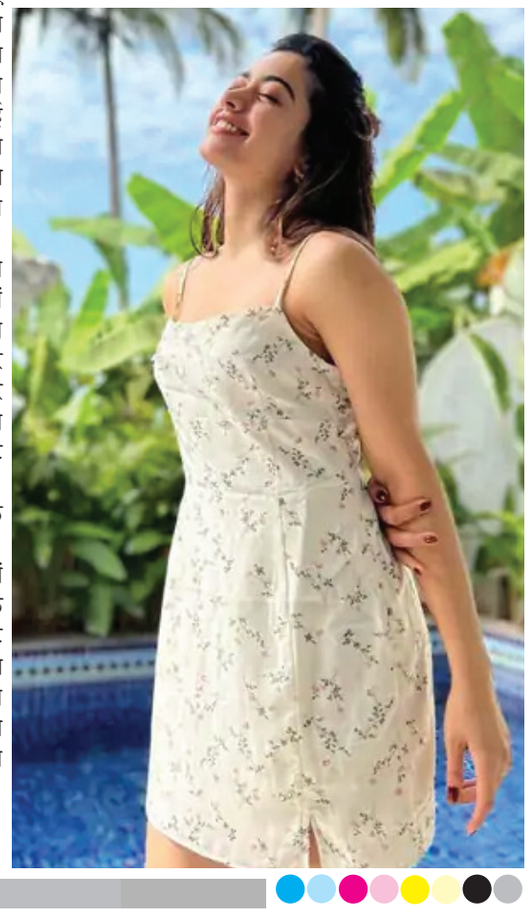

12वीं में कम नंबर आए हैं? इन फील्ड में बनाएं करियर...पढ़ाई कम, कमाई होगी ज्यादा

अगर आपको 12वीं क्लास में कम अंक मिले हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं है. कम नंबर पाने वाले छात्रों के लिए करियर बनाने के कई रास्ते हैं. आइए जानते हैं छात्र किन फील्ड में शानदार करियर बना सकते हैं।

फैशन डिजाइन: फैशन डिजाइनिंग का क्रेज आज पूरी दुनिया में सिर चढ़कर बोल रहा है. युवाओं से लेकर बड़ो तक सब फैशन के दीवाने है. ऐसे में आप इस क्षेत्र में भी शानदार करियर बना सकते हैं. छात्र फैशन डिजाइनिंग में डिप्लोमा या ग्रेजुएशन कर सकते हैं.

टूरिज्म: टूरिज्म सेक्टर एक बहुत बड़ा सेक्टर है. इस क्षेत्र में छात्र बेहद ही शानदार करियर बना सकते हैं. छात्र इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिप्लोमा या ग्रेजुएशन कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स को करने के बाद छात्र जॉब के अलावा अपना खुद का काम भी शुरू कर सकते हैं.

वेब डिजाइनिंगः आज के समय में वेब डिजाइनिंग क्रेज बढ़ गया है. अगर आपके 12वीं क्लास में कम नंबर भी आएं हैं तब भी आप वेब डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं. आज इंटरनेट पर भी वेब डिजाइनिंग के कई कोर्स मौजूद हैं जो कि कम समय में हो जाते हैं. छात्र यह कोर्स को करने के बाद किसी कंपनी में वेब डिजाइनर की नौकरी पा सकते हैं. शुरुआती सैलरी की बात की जाए तो फ्रेशर को लगभग 22 से 25 हजार प्रतिमाह का वेतन दिया जाता है.

सिनेमेटोग्राफी: सिनेमेटोग्राफर की डिमांड आज के समय में काफी ज्यादा है. चाहें साइंस व फाइन आर्ट्स दोनों फील्ड के छात्रों के लिए ये एक शानदार करियर ऑप्शन है. इसके लिए कई कोर्स चलाए जाते हैं जिन्हें करके छात्र सिनेमेटोग्राफी की पूरी जानकारी हासिल कर काम पा सकते हैं.

इवेंट मैनेजमेंट: अगर आपकी बात करने की स्किल्स शानदार हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना हाथ आजमा सकते हैं. इस क्षेत्र में कोर्स करने के बाद आप अपना खुद का स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं. जो हर महीने आपको लाखों रुपये प्रदान कर सकता है.

एनीमेशन: एनीमेशन का क्रेज आज सर चढ़कर बोल रहा है. एनिमेटेड फोटो से लेकर वीडियो तक काफी आ रही हैं. इस कोर्स को वह छात्र भी कर सकते हैं जिनके 12वीं में कम अंक आए हैं. एनीमेशन कोर्स करने वाले छात्रों को शुरुआत में करीब 25 से 30 हजार रुपये प्रतिमाह सैलरी मिलती है.

विदेश में पढ़ाई करने के लिए क्या करना पड़ता है?

विदेश में पढ़ाई करने की इच्छा भारत में रहने वाले ज्यादातर छात्रों की होती है. इसके पीछे वजह बताई जाती है, वहां की बेहतर शिक्षा और भविष्य में अच्छी नौकरी की गारंटी. लेकिन क्या कोई भी भारतीय छात्र जब चाहे विदेश में जाकर पढ़ाई कर सकता है या फिर उसके लिए कोई एंट्रेंस एग्जाम पास करना होता है. आज इस आर्टिकल में हम आपको इन्हीं सवालों से जुड़े जवाब देंगे और बताएंगे कि अगर आप विदेश में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो उसका क्या प्रोसेस होगा.

विदेश में पढ़ाई करने का प्रोसेस

अगर आप विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं और उसके लिए पैसे भी कम खर्च करना चाहते हैं तो आपको कुछ एंट्रेंस एग्जाम पास करने होंगे. इनमें GRI, GMAT, SAT, MCAT और LST शामिल है. अगर आप इन एंट्रेंस एग्जाम को पास कर लेते हैं तो इसका मतलब माना जाता है कि आप दुनिया के अलग-अलग देशों में पढ़ाई करने के लिए एलिजिबल हैं.

अंग्रेजी बहुत जरूरी है

अगर आप विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको अंग्रेजी आनी चाहिए. आपकी भाषा के लिए भी आपको एक एंट्रेंस एग्जाम देना पड़ता है. कई देश अलग-अलग माध्यमों से परीक्षा लेते हैं और इनमें पास होने के बाद ही आप विदेश में पढ़ाई करने के लिए एलिजिबल माने जाते हैं. इन परीक्षाओं में IELTS, TOEFL और PTI शामिल है. खास तौर से यूरोपियन देशों में अगर आप पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको इन एंट्रेंस एग्जाम को पास करना ही होगा.

कनाडा और अमेरिका का क्या सीन है

कनाडा और अमेरिका में अगर आप पढ़ना चाहते हैं तो आपको ग्रेजुएट रिकॉर्ड एग्जाम पास करना होगा. यह एक तरह का एलिजिबिलिटी टेस्ट होता है, जिसे पास करने के बाद आप अमेरिका या कनाडा की किसी भी इंस्टीट्यूट में एडमिशन ले सकते हैं. हालांकि, अगर आप अमेरिका में टेक्निकल और साइंस से संबंधित पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज की परीक्षा पास करनी होगी. इसके बाद ही आपको यहां के टेक्निकल और साइंस इंस्टीट्यूट में एडमिशन मिलेगा।

एग्जाम के एक हफ्ते पहले पढ़ाई से ज्यादा इन पर करें फोकस

ये समय बोर्ड परीक्षाओं का है. कई बोर्ड्स के एग्जाम शुरू हो चुके हैं और कई के होने वाले हैं. ऐसे में छात्र अंतिम समय की तैयारियों को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि इस समय क्या करना ठीक रहेगा जिससे एग्जाम में बढ़िया परफॉर्म कर सकें. रिवीजन करने से लेकर स्ट्रेस न लेने तक कई तरह के सुझाव छात्रों को मिलते हैं. जानते हैं कि बोर्ड परीक्षा शुरू होने में जब केवल एक हफ्ता या इसके आसपास का ही समय बचा हो तो क्या करें जिससे परीक्षा में अच्छा परिणाम मिले.

पढ़ाई के घंटे करें कम

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक टॉपर्स का कहना है कि जब परीक्षा में इतना कम समय बचे तो पढ़ाई के घंटे कम कर दीजिए और रिलैक्स मोड में आ जाइये. इस समय बहुत कुछ नहीं किया जा सकता. जो पहले किया है वही काम आएगा इसलिए अंत समय में पैनिक न करें. सब्जेक्ट की प्रायॉरिटी के हिसाब से उन्हें तैयार करें और रिवाइज करें.

लर्निंग नहीं रिवीजन पर दें ध्यान

ये समय लर्निंग का बिलकुल नहीं है इसलिए कुछ भी नया लर्न करने की कोशिश

न करें बल्कि जो आता है केवल उसे ही रिवाइज करें. चैप्टर दोबारा पढ़ लें और बोर्ड की वेबसाइट (जैसे सीबीएसई बोर्ड) पर दिए सैम्पल पेपर सॉल्व करें. कुल मिलाकर ये समय प्रैक्टिस का है. केवल पढ़ें नहीं लिखकर भी देखें कि आप समय से परीक्षा खत्म कर पा रहे हैं या नहीं या आपकी स्पीड कैसी है.

हॉबीज को टाइम दें

टॉपर्स का ये भी मानना है कि इस समय पढ़ाई से ज्यादा फोकस मोटिवेशन और पॉजिटिविटी को देना है. कैसे खुद को मोटिवेट और पॉजिटिव रखें, इस पर फोकस करें. स्ट्रेस लेने और पैनिक करने से केवल चीजें बिगड़ती हैं. इसलिए म्यूजिक, टीवी, मूवी, दोस्तों से बातचीत या लिमिट में रहकर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना, आप जिस भी तरीके से स्ट्रेस फ्री होते हों, वो तरीका अपना सकते हैं.

वैलेंटाइन डे के लिए बेहद खास है रेड ड्रेसेस

रेड कलर देखने में काफी क्लासी और रोमांटिक तो लगता है लेकिन इसे कैरी करना बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। वैलेंटाइन डे आने वाला है। यह दिन कपल्स के लिए बेहद खास होता है। यह बात तो आप और हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं, लेकिन इस दिन के लिए स्टाइलिश दिखना भी बेहद जरूरी होता है। वहीं वैलेंटाइन डे के दिन ज्यादातर लाल रंग की वेस्टर्न ड्रेस को पहनना काफी पसंद किया जाता है। साथ ही इसे तरह-तरह से स्टाइल भी किया जाता है।

अगर आप भी अपने पार्टनर के साथ इस वैलेंटाइन डे पर डेट पर जा रही हैं तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें। इसमें हम आपको दिखाने वाले हैं रेड कलर की वेस्टर्न ड्रेस के डिजाइंस जिसे आप इस वैलेंटाइन डे के लिए कर सकती हैं स्टाइल और दिख सकती हैं बेहद लाजवाब।

फ्लेयर ड्रेस

ऐसी ड्रेस के साथ आप चौड़े स्तरप की बेल्ट को भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस के साथ आप पंप्स हील्स को कैरी कर सकती हैं। बता दें कि ऐसी ड्रेस आपको करीब 500 रुपये से लेकर 1000 रुपये के बीच आसानी से मिल जाएगी।

सीक्वेन ड्रेस

अगर आप वैलेंटाइन डे के दिन किसी पार्टी में जा रही हैं तो इस तरह की सीक्वेन शॉर्ट ड्रेस को आप स्टाइल कर सकती हैं। ऐसी ड्रेस के साथ आप बालों के लिए ओपन वेवी हेयर स्टाइल को चुनें। साथ ही आप चाहे तो लेदर बूट्स के साथ लुक को बोल्ड बना सकती हैं। ऐसी ड्रेस आपको करीब 800 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

फ्लोरल ड्रेस

वैलेंटाइन डे के दिन आप चाहे तो फ्लोरल पैटर्न में भी वेस्टर्न ड्रेस खरीद सकती हैं। इस तरह की ड्रेस के साथ आप बालों के लिए हाई पोनीटेल हेयर स्टाइल को चुन सकती हैं। साथ ही इस तरह की शॉर्ट ड्रेस आपको करीब 500 रुपये से लेकर 800 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा।

इसी के साथ अगर आपको दिखाए गए ये रेड कलर की वेस्टर्न ड्रेस के नए डिजाइंस जिसे आप कर सकती हैं वैलेंटाइन डे के लिए कर सकती हैं स्टाइल पसंद आए हो तो इस आर्टिकल को शेयर करना बिल्कुल भी न भूलें। साथ ही नीचे दिए गए कमेंट बॉक्स में कमेंट कर हम तक अपनी राय जरूर पहुंचाए।

सिर्फ तीन महीने में नीट परीक्षा पास करने के लिए टिप्स

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इस साल नीट यूजी 2023 परीक्षा का आयोजन 7 मई को करेगी. पिछले वर्ष इस एग्जाम के लिए देश भर के करीब 18 लाख छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन किया था. इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन देश भर के एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य नर्सिंग कोर्स ऑफर करने वाले टॉप मेडिकल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए किया जाता है. अब इस परीक्षा में मात्र 3 माह का समय बचा है. इसलिए आज हम छात्रों को कुछ ऐसी टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर वह इस परीक्षा में सफल हो सकते हैं.

परीक्षा के पैटर्न की बात करें तो नीट यूजी 2023 का आयोजन ऑफलाइन मोड में होगा. परीक्षा के लिए छात्रों को 3 घंटे 20 मिनट का समय दिया जाएगा. इस एग्जाम में कुल 200 सवाल पूछे जाते हैं, जिनमें से छात्रों को केवल 180 सवालों का जवाब देना होता

है. परीक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं. उम्मीदवार को हर सही जवाब पर 4 अंक मिलते हैं. जबकि प्रत्येक गलत जवाब पर 1 अंक काटा जाता है. फिजिक्स व केमिस्ट्री विषय से 50 सवाल आते हैं. जबकि एग्जाम में बायोलॉजी विषय से जुड़े 100 सवाल पूछे जाते हैं.

ये हैं खास टिप्सः

टाइम टेबलः परीक्षा के लिए अब ज्यादा समय नहीं बचा है. इसलिए छात्र प्रत्येक विषय को ध्यान में रखते हुए एक टाइम-टेबल तय करें.

सिलेबस को समझेंः नीट परीक्षा में मुख्यतौर पर एनसीईआरटी में दिए गए सवाल पूछे जाते हैं इसलिए छात्र को हर विषय के पीछे के सिद्धांत को समझते हुए एनसीईआरटी की किताबों से तैयारी करनी चाहिए.

कांसेप्ट क्लियरः परीक्षा में पास होने के लिए छात्र को अपने कांसेप्ट को क्लियर रखना चाहिए. किसी भी तरह का कन्फ्यूजन होने पर उसे एक्सपर्ट्स या इंटरनेट की मदद से दूर करें.

मॉक टेस्टः परीक्षा से पहले ज्यादा से ज्यादा मॉक टेस्ट दें. जिससे छात्र को अपनी गलतियों के बारे में पता लगेगा और परीक्षा में उन्हें दूर कर वह अच्छे अंक प्राप्त कर पाएंगे.

स्वस्थ रहेंः छात्र को परीक्षा को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है. वह अपने दिमाग को आराम दें, पूरी नींद लें, सही खानपान अपनाएं. चिकित्सक भी कहते हैं दिमाग को आराम के लिए समय देना बेहद जरुरी है.

वैलेंटाइन पर पार्टनर को दें ये तोहफा

वैलेंटाइन हर कपल के लिए बेहद ही खास दिन होता है। इसे तो प्यार का ही दिन माना जाता है और इसलिए हर प्रेमी जोड़ा इस दिन को सेलिब्रेट करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहता। इसके अलावा, वे एक-दूसरे को कोई ना कोई तोहफा जरूर देते हैं। हालांकि, जब बात पार्टनर को तोहफा देने की आती है तो ऐसे में मन में कई तरह की उलझनें होती हैं। यह समझ में ही नहीं आता है कि पार्टनर को क्या दिया जाए।

हो सकता है कि आप अपने पार्टनर को सबसे बेस्ट गिफ्ट देने का मन बना रही हों। लेकिन पार्टनर के लिए तोहफा चुनते समय अगर

आप वास्तु से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखती हैं तो इससे ना केवल आपका तोहफा सबसे अच्छा बनता है। बल्कि इससे आपके रिश्ते में प्यार भी हमेशा ऐसे ही बना रहता है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको बता रहे हैं कि वैलेंटाइन पर पार्टनर को गिफ्ट देते समय आप किन बातों का ध्यान रखें-

रंग का रखें ध्यान

जब आप अपने पार्टनर को वैलेंटाइन पर गिफ्ट दे रहे हैं तो ऐसे में ध्यान रखें कि वह ब्राउन या ब्लैक कलर के ना हो। इस खास मौके पर देने के लिए आप रेड या पिंक कलर को चुनें। अगर संभव हो तो आप रेड कलर में हार्ट शेप्ड गिफ्ट को दें। यह आपके रिश्ते में प्यार को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, हार्ट शेप्ड गिफ्ट को देते समय कोशिश करें कि आप एक साथ दो हार्ट शेप्ड उपहार दें। इस तरह के गिफ्ट ज्यादा अच्छे माने जाते हैं।

जरूर दें मीठा

कपल्स की हमेशा यही इच्छा होती है कि उनके रिश्ते में अपने मिठास घुली रहे। ऐसे में आप अपने पार्टनर को कुछ मीठा अवश्य दें। इस खास अवसर पर आप अपने पार्टनर को चॉकलेट गिफ्ट के रूप में दे सकते हैं। इतना ही नहीं, आप चॉकलेट के साथ-साथ किसी तोहफे को भी अवश्य दें।

ऐसा हो गिफ्ट रैप

गिफ्ट को हमेशा हम रैप करके ही देते हैं। आप भी वैलेंटाइन पर अपने पार्टनर को गिफ्ट देते समय उसे रैप कर रही हैं तो कोशिश करें कि रैपिंग पेपर गोल्डन कलर का हो। हालांकि, अगर आपके पास गोल्डन रैपिंग पेपर नहीं है तो आप रेड या पिंक कलर को भी चुन सकती हैं।

दें नेचुरल फ्लॉवर

वैलेंटाइन पर नेचुरल फ्लॉवर को देना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। आप अपने पार्टनर को चॉकलेट व गिफ्ट के साथ-साथ प्राकृतिक फूलों को भी उपहारस्वरूप दे सकते हैं। इससे रिश्ते में भी एक फ्रेशनेस आती है।

भूल से भी ना दें ये उपहार

जब आप अपने पार्टनर को वैलेंटाइन पर उपहार दे रही हैं तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप अपने पार्टनर को कोई भी लिक्विड आइटम गिफ्ट के रूप में ना दें। मसलन, आप अपने पार्टनर को परफ्यूम, वाइन या जूस जैसी चीजों को देने से बचें। ऐसा करने से कुछ ही वक्त में रिश्ते खराब हो जाते हैं और रिश्तों में दूरियां आती हैं। इसके अलावा, आप अपने पार्टनर को वैलेंटाइन पर कभी भी फुटवियर गिफ्ट के रूप में ना दें। भले ही वह ब्रांडेड हों, लेकिन इससे रिश्ते बहुत जल्दी टूट जाते हैं और कपल हमेशा के लिए अलग हो जाते हैं।

टाटा इस्पात में नहीं मिलेगी ये सरकारी कंपनी, बाकी 7 कंपनियों का होगा विलय

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी स्टील कंपनियों में से एक टाटा स्टील जल्द ही एक जाइंट यानी बहुत बड़ी कंपनी बनने जा रही है। इसकी वजह टाटा स्टील का अपनी 7 सब्सिडियरी का विलय करना है।उम्मीद की जा रही है कि टाटा स्टील का ये विलय अगले वित्त वर्ष में पूरा हो जाएगा।पीटीआई ने कंपनी के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर टी। वी। नरेंद्रन के हवाले से कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा स्टील की विलय प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

717 करोड़ रुपये में बदलने जा रही जयपुर स्टेशन की सूरत

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशनों की सूरत बदलने और रेलवे के डेवलपमेंट के लिए इस बार केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने 2.40 लाख करोड़ रुपये का बजट जारी किया था. इसके बाद रेल मंत्री ने कहा था कि इस बजट का उपयोग रेलवे स्टेशन के कायाकल्प करने और विकास के लिए किया जाएगा. अब इसी क्रम में एक और रेलवे स्टेशन की सूरत बदलने जा रही है. रेलवे मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि जयपुर रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण जल्द किया जाएगा, जिसके लिए 717 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. इस रेलवे स्टेशन को उच्च सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया जाएगा. इस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

काम के लिए जारी हुआ टेंडर

जयपुर रेलवे स्टेशन को अपग्रेड करने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. कुल 717 करोड़ रुपये से इस रेलवे स्टेशन का कायाकल्प होगा. इसपर आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी. कुछ सुविधाएं एयरपोर्ट वाली भी उपलब्ध कराई जाएंगी. उन्होंने ये सभी बातें एक कार्यक्रम के दौरान कहीं.

वंदे भारत जैसी स्वदेशी ट्रेनों का किया निर्माण

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट' की योजना से भारत के कौशल की पूरी दुनिया में पहुंच बनी है. उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय इंजीनियरिंग में विश्वास दिखाया है और वंदे भारत जैसे ट्रेनों को निर्माण देश में किया गया है. उन्होंने कहा कि जयपुर को जल्द ही वंदे भारत ट्रेन से जोड़ा जाएगा. मंत्री ने कहा कि यूरोप की तुलना में वंदे भारत ट्रेनें बेहतर दिखाई देती हैं. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि 213 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा. इसमें देश के छोटे स्टेशनों से लेकर कुछ बड़े स्टेशनों को शामिल किया गया है. इसी प्रोजेक्ट के तहत जयपुर रेलवे स्टेशन की भी सूरत बदलने के लिए काम जल्द शुरू कर दिया जाएगा.

भारतपे में 15 करोड़ यूजर्स के डेटा की चोरी? अश्नीर ग्रोवर ने किस पर और क्यों लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारतपे के को-फाउंडर अश्नीर ग्रोवर ने एक और बड़ा दावा किया और गंभीर आरोप लगाए हैं। अश्नीर ग्रोवर ने भारत पे के फाउंडर भाविक कोलाडिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाविक ने भारत में अबतक की सबसे बड़ी डेटा चोरी की है। अश्नीर ग्रोवर के मुताबिक, भाविक कोलाडिया ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ऐप के 150 मिलियन से ज्यादा यूजर्स की पर्सनल डेटा चोरी की है। अश्नीर ग्रोवर ने नेशनल पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया को एक ईमेल में आरोप लगते हुए लिखा कि भारते पे में उन्हें रिडेम्पशन का मौका देना एक गंभीर गलती थी। उन्होने कहा कि क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के लिए कोलाडिया को अमेरिका में दोषी ठहराया गया। अमेरिका में कोलाडिया 18 महीनों के लिए हाउस अरेस्ट किए गए थे। बाद में भारत भेज दिया गया।

नहीं रुक रहा छंटनी का सिलसिला

मेटा कई और कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दुनियाभर में मंदी की आशंका (छंटनी 2023) के चलते कई बड़ी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इसमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का नाम भी शामिल है। अब मेटा को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। कंपनी आने वाले वक्त में कुछ और कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स में छपी रिपोर्ट के अनुसार इस साल फेसबुक की पैरेंट मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने अपनी कई टीमों के बजट को जारी नहीं किया है। इसके पीछे का कारण यह है कि कंपनी अब एक बार और कर्मचारियों की छंटनी का प्लान बना रही है। रायटर्स की रिपोर्ट के अनुसार बजट न मिलने और छंटनी की आशंका के कारण मेटा के कर्मचारियों के बीच अनिश्चितता का माहौल है। इससे पहले भी मेटा ने साल 2022 में नवंबर के महीने में करीब 11,000 कर्मियों की छंटनी की थी। यह कंपनी के कुल कर्मचारियों का 13 फीसदी हिस्सा था। बता दें कि मेटा- फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी कंपनियों की पैरेंट कंपनी है। इससे पहले कंपनी के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि यह साल हमारी कंपनी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में हमें साल 2023 में समझ के साथ कदम बढ़ाना होगा। मेटा के अनुसार इस वर्ष कंपनी का खर्च 89 से 89 बिलियन डॉलर के बीच रहेगा। छंटनी की खबरों के आने का सिलसिला जारी है। एक और बड़ी टेक कंपनी याहू ने भी अपने कर्मचारियों की छंटनी की है। कंपनी ने 1600 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का 20 फीसदी है। इससे पहले बड़ी मनोरंजन कंपनी डिज्नी (डिज्नी छंटनी2023) ने भी अपने 7,000 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया था। कंपनी के सीईओ बॉब इगर ने कंपनी को हो रहे नुकसान के कारण यह फैसला लिया था।

अगले हफ्ते में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर पर नजर, इस खबर का पड़ेगा असर!

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद संकट में घिरे गौतम अडानी समूह के लिए अगला सप्ताह अहम रहने वाला है। इस सप्ताह में अडानी ग्रुप की लीडिंग कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। तिमाही के नतीजों का असर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर पर भी पड़ने की उम्मीद है। बता दें कि 12 कारोबारी दिन में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत 3450 से घटकर 1800 रुपये के स्तर पर है। यह शेयर शुक्रवार को बीएसई इंडेक्स पर 1847.35 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर 4.15% की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते 3 फरवरी को शेयर का भाव 1017 रुपये तक गया था, जो 52 वीक का लो लेवल है। हाल ही में अडानी एंटरप्राइजेज का 20000 करोड़ रुपये का एफपीओ लॉन्च हुआ था। हालांकि, ग्रुप ने एफपीओ को वापस भी ले लिया और निवेशकों के पैसे लौटाने की भी बात कही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाली संस्था सेबी, एफपीओ के निवेशकों और अडानी समूह के लिंक्स की भी जांच कर रही है। इस खबर का भी असरः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की यूनिट एसबीआई कैप ट्रस्टी ने बताया है कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी ट्रांसमिशन और अडानी ग्रीन एनर्जी ने उसके पास अपने शेयर गिरवी रखे हैं। इसका भी असर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर पर पड़ सकता है।

इंडियन ऑयल डीलरशिप का दे रहा है मौका! क्या रजिस्ट्रेशन के लिए चुकाने होंगे 4000 रुपये?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियन ऑयल जैसी तेल कंपनियां कई बार लोगों के लिए डीलरशिप के ऑफर लेकर आती रहती है। ऐसा ही एक डीलरशिप लेटर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि 'इंडियन ऑयल' अपने ग्राहकों को 4000 रुपये के रजिस्ट्रेशन फीस के बदले कंपनी की डीलरशिप प्रदान कर रही है। इसमें पीआईबी ने पाया है कि इंडियन ऑयल के नाम पर वायरल हो रहा यह रजिस्ट्रेशन लेटर बिल्कुल फर्जी है।

लोगों को आईओसीएल की गैस एजेंसी दिलाने के नाम ठगा जा रहा है। आईओसीएल के नाम पर वायरल हो रहा लेटर फर्जी है।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों के अगले महीने से क्या बदलने जा रहा जो डालेगा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में अगले महीने मार्च से डीएल के लिए एक और ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रेक की शुरुआत होने जा रही है। इसके बाद दिल्ली में ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह ऑटोमेटेड हो जाएगा। दिल्ली के लाडो सराय अथॉरिटी ने 3 जनवरी 2023 से मैन्युअल ड्राइविंग टेस्ट को बंद कर दिया है। यहां फरवरी के आखिरी में या मार्च के पहले हफ्ते से आटोमेटेड टेस्ट सिस्टम की शुरुआत होने जा रही है। जानिए इस बारे में दिल्ली के परिवहन विभाग के अधिकारी और मंत्री ने क्या कहा है। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि, यह विचार न केवल दिल्ली को तकनीकी रूप से उन्नत बनाना है, बल्कि लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना है।

महंगाई में नहीं होगा आटा 'गीला', सरकार ने घटाए गेहूं के दाम

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने अहम कदम उठाया है। आटे की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट बिगाड़ रखा है। बाजार में भारतीय खाद्य निगम के स्टॉक को निकालने के बावजूद गेहूं के दाम ऊंचे बने हुए हैं। ऐसे मे केंद्र सरकार ने भारत भर में ई-नीलामी के जरिए थोक ग्राहकों को गेहूं की नीलामी 2,350 रुपये प्रति क्विंटल के मूल्य पर करने का फैसला किया है। इसके अलावा सरकार ने ढुलाई शुल्क को भी हटा दिया है। इसके साथ ही सरकार ने नेफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के लिए एफसीआई के गेहूं का दाम 23.50 रुपये से घटाकर 21.50 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया है। इन संस्थानों को गेहूं को आटे में बदलकर 29.50 रुपये प्रति किलोग्राम के अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेचने को कहा गया था। अब उन्हें यह आटा 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बेचने को कहा गया है।थोक उपभोक्ताओं को एफसीआई गेहूं की अगली ई-नीलामी 15 फरवरी को होगीः सरकार खुले बाजार में बिक्री के तहत आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को एफसीआई गेहूं की बिक्री के लिए अगली ई-नीलामी 15 फरवरी को होगी। खाद्य मंत्रालय ने हाल ही एक बयान में यह जानकारी दी। एफसीआई को देश में गेहूं और गेहूं उत्पादों की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना के तहत थोक उपभोक्ताओं को अपने बफर स्टॉक से 25 लाख टन गेहूं बेचने की जिम्मेदारी दी गई है।ई-नीलामी के जरिए गेहूं की पहली बिक्री 1-2 फरवरी को हुई थी। 23 राज्यों में एफसीआई के डिपो से करीब 9.2 लाख टन गेहूं की बिक्री हुई। प्रत्येक बुधवार को साप्ताहिक ई-नीलामी आयोजित करने की योजना थी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि ई-नीलामी के जरिए गेहूं की दूसरी बिक्री पूरे देश में 15 फरवरी बुधवार को होगी।''

जोमैटो ने देश के 225 शहरों में बंद की सर्विस

दिसंबर में खत्म तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ रुपए का घाटा, लेकिन रेवेन्यू बढ़ा

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। फूड डिलीवरी टेक कंपनी जोमैटो ने देश के 225 छोटे शहरों में अपनी सर्विस बंद कर दी है। कंपनी ने अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसा किया है। ये वो शहर है जिसने दिसंबर तिमाही में कंपनी के ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू में केवल 0,3% क्रॉन्ट्रीब्यूट किया। दिसंबर में खत्म तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। शुक्रवार को कंपनी ने अपनी तीसरी तिमाही (क्यू 3 वित्तीय वर्ष 23) नतीजे जारी किए हैं। 225 शहरों में सर्विस बंद करने पर कंपनी ने कहा, 'पिछली कुछ तिमाहियों में इन शहरों का परफॉर्मेंस अच्छा नहीं रहा।' हालांकि, कंपनी ने प्रभावित शहरों का नाम नहीं बताया हैं। वहीं कंपनी ने अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में भी बात की। जोमैटो ने बताया कि उसने ऑर्डर फ्रीक्वेंसी बढ़ाने के लिए गोल्ड सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है।

सार्वजनिक बैंकों का लाभ तीसरी तिमाही में 65 प्रतिशत बढ़ा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र सबसे आगे

नयी दिल्ली, 12 फरवरी (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में सम्मिलित रूप से कुल 29,175 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो एक साल पहले की तुलना में 65 प्रतिशत अधिक है। इन बैंकों के बीच बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है। सार्वजनिक बैंकों के अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही परिणामों के अनुसार, बीओएम का लाभ139 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 775 करोड़ रुपये हो गया। इस तरह बीओएम ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच सर्वाधिक लाभ वृद्धि दर्ज की है। कोलकाता स्थित यूको बैंक दूसरे स्थान पर है जिसने तीसरी तिमाही में 653 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के उसके लाभ से 110 प्रतिशत अधिक है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक भी तिमाही में 100 प्रतिशत से अधिक लाभ वृद्धि हासिल करने में सफल रहे हैं। मुंबई स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 2,245 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 107 प्रतिशत अधिक है। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक का भी लाभ 102 प्रतिशत बढ़कर 1,396 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने सम्मिलित रूप से कुल 29,175 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17,729 करोड़ रुपये का था। इस तरह इन बैंकों के संयुक्त लाभ में 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में सार्वजनिक बैंकों ने 70,166 करोड़ रुपये का कुल लाभ अर्जित किया है जो एक साल पहले के 48,983 करोड़ रुपये की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है।

लॉकर में हुई चोरी या दीमक चट कर गई नोट, क्या बैंक करेगा पूरे पैसों की भरपाई?

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हम अपनी वसीयत, सोना चांदी के गहनों से लेकर कई मूल्यवान वस्तुएं बैंक लॉकर में रखते हैं। बैंक के सबसे सीक्रेट और सुरक्षित स्थान पर रखे इन लॉकर पर हर आम ग्राहक का विश्वास होता है। आपकी मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा वास्तव में बैंक की जिम्मेदारी होती है। लेकिन अक्सर परेशान करने वाली खबरें हमारे पास आ धमकती हैं। ऐसी ही घटना उदयपुर से सामने आई है जहां पीएनबी बैंक के लॉकर में रखे 2 लाख रुपयों को दीमक चट कर गई। ग्राहक को तब जाकर पता चला, जब उसे पैसों की जरूरत हुई। दीमक ने पूरे पैसों को पाउडर बना चुकी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि लॉकर में रखा सामान खराब हो जाए। तो नुकसान की भरपाई कौन करेगा? दीमक वाली घटना पहली या आखिरी नहीं है। इससे पहले भी बैंक लॉकर में चोरी होने या फिर बाढ़ में लॉकर रूम में पानी भर जाने या आग लगने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में आपके लिए भी यह जानना जरूरी है कि क्या इस संबंध में बैंक की कोई जिम्मेदारी है, क्या बैंक आपका पूरा पैसा वापस करेगा। आइए जानते हैं कि बैंक के नियम इस संबंध में क्या कहते हैं।

इसी साल बदलें हैं नियम

देश में बैंक लॉकर से जुड़े नियम बीते साल यानि 2022 तक काफी ढुलमुल थे, यहां जुर्माने के प्रावधान भी काफी लचर थे। लेकिन इसी महीने 1 फरवरी 2023 से नए लॉकर नियम लागू कर दिए गए हैं। इस नए नियम ने ग्राहकों के अधिकारों के प्रति बैंक को कई सख्त निर्देश दिए गए हैं। रिजर्व बैंक ने बैंकों को मौजूदा लॉकर ग्राहकों के साथ लॉकर एग्रीमेंट को रिन्यू करने के लिए कहा था। यहां बैंकों को यह तय करना है कि उनके लॉकर एग्रीमेंट्स में ग्राहकों के हितों के खिलाफ कोई अनुचित शर्त या नियम न हो।

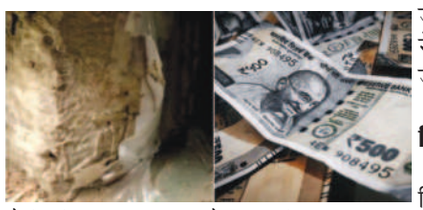

मुआवजा देने को बाध्य है बैंक

नए नियमों के अनुसार लॉकर में यदि बैंक की लापरवाही के चलते ग्राहक के सामान का नुकसान होता है तो उसका मुआवजा बैंक को ही देना होगा। रिजर्व बैंक के नए नियमों के अनुसार बैंकों कि यह जिम्मेदारी है कि वे लॉकर और बैंक परिसर की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएं। बैंक को आग, चोरी, डकैती या बिल्डिंग गिरने जैसी घटनाओं में उसकी लापरवाही को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे।

बैंक की होगी जिम्मेदारी

रिजर्व बैंक के नए नियम ग्राहकों को काफी हद तक सुरक्षित बनाते हैं। आरबीआई के अनुसार, लॉकर में रखे सामान को हुए नुकसान की जिम्मेदारी बैंकों को लेनी होगी। बैंक यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकते कि लॉकर में रखा सामाना ग्राहक का है और वही इसके प्रति जिम्मेदार है।

कितना पैसा मिलेगा?

यह सबसे अहम सवाल है। आप पूछ सकते हैं कि मेरा जितना पैसा लॉकर में रखा है या जितनी मूल्य के जेवरात लॉकर में रखे हैं उसकी पूरी भरपाई बैंक करेगा? जी नहीं, बैंक के नियम इस मामले में आपकी राय से अलग हैं। अगर बैंक की लापरवाही के चलते लॉकर में रखी सामग्री को नुकसान होता है, तो बैंक लॉकर के सालाना किराए के 100 गुना तक जुर्माना अदा करेगा। इसमें इससे कोई मतलब नहीं है कि आपने 50 हजार का सामान रखा था, या 50 करोड़ का।

कब नहीं मिलता मुआवजा

बैंक के लॉकर में हुए नुकसान पर आपको हमेशा ही मुआवजा मिले, यह हमेशा संभव नहीं है। कुछ ऐसे मामले हैं जहां बैंक मुआवजा देने से मना भी कर सकते हैं। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार प्राकृतिक आपदा जैसे- भूकंप, बिजली गिरने, तूफान या बाढ़ आदि के चलते लॉकर के सामान को नुकसान होता है, तो बैंक की जिम्मेदारी नहीं होगी। ग्राहक की गलती या लापरवाही के कारण अगर लॉकर के सामान को नुकसान पहुंचता है, तो भी बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	में
चंद्र-	तुला	में
मंगल	वृष	में
बुध-	मकर	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	कुंभ	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारभ समय	
मकर-	04-57 बजे
कुंभ -	06-47 बजे
मीन...	08-26 बजे
मेष--	10-02 बजे
वृष--	11-46 बजे
मिथुन..	13-47 बजे
कर्क...	15-59 बजे
सिंह...	18-11 बजे
कन्या..	20-18 बजे
तुला	22-23 बजे
वृश्चिक.	00-33 बजे
धनु.....	02-47 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी **-09 -45** तक उपरान्त,अष्टमी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , सोमवार **Feb 13**
नक्षत्र - विशाखा - **02 -35** तक उपरान्त अनुराधा
योग - वृध्दि - **14 - 15** - तक उप धुव्र
करण- बव - **09 - 45** - तक उप- बालव
विशेषः-
व्रत -त्योहार - कुंभ मे सूर्य-**09-43** से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:11 से 09:38 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र **Hyd,Sec**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत.	06:47 - 08:11	शुभ	चंचल.	18:13 - 19:49	शुभ
काल.	08:11 - 09:38	अशुभ	रोग	19:49 - 21:23	अशुभ
शुभ.	09:38 - 11:04	शुभ	काल.	21:23 - 22:57	अशुभ
रोग.	11:04 - 12:30	अशुभ	लाभ.	22:57 - 00:30	शुभ
उत्पात	12:30 - 13:57	अशुभ	उत्पात	00:30 - 02:04	अशुभ
चंचल	13:57 - 15:23	शुभ	शुभ	02:04 - 03:37	शुभ
लाभ	15:23 - 16:49	शुभ	अमृत.	03:37 - 05:11	शुभ
अमृत	16:49 - 18:13	शुभ	चंचल.	05:11 - 06:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है ।आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगे । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आज़ आपकी किसी से कोई महत्वपूर्ण बातचीत होने के आसार हैं । टकराव की स्थिति भी बन सकती है या साधारण बातचीत भी हो सकती है। लेकिन यह जो भी हो,इससे आपको सोचने के लिए काफी कुछ मिलेगा और आप पूरे दिन इसी में व्यस्त रहेंगे । आप आज कोई विकर्षण सहन नही करेंगे फिर भी आपको यह महसूस होगा कि इस घटना पर अधिक सोचकर कुछ हासिल नही होगा ।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा

आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी। लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है ।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्यांकन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है । देख-समझकर यह खोजें कि आपको सबसे ज्यादा ऊर्जा किस्से मिलती है।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो

आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

तुला — र री रु रे से ता तू ते

आप आज रियल एस्टेट से जुड़ा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं । आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी । घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे । इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी ।आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे।

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे और इससे आपको जीवन की दिशा तय करने में मदद मिलेगी ।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो च ची

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गांधी टोपी कुचलने पर जला दिए गए 23 पुलिसवाले

चौरी-चौरा के बाद गांधीजी ने रोका असहयोग आंदोलन; क्या इससे 25 साल टल गई आजादी

लखनऊ, 12 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क), 10 फरवरी 1922 को गुजरात के बारडोली तालुका में महात्मा गांधी सुबह की प्रार्थना के बाद से ही चुपचाप कोने में बैठे थे। नेहरू जेल में थे और पटेल समेत बाकी कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का एक ही मुद्दा था- 4 फरवरी 1922 को UP में हुआ चौरी-चौरा कांड। ये वही कांड था जिसमें गुस्साई भीड़ ने 23 पुलिसवालों को जिंदा जला दिया था। उस वक्त असहयोग आंदोलन चरम पर था और देशभर से भरपूर समर्थन मिल रहा था। गांधीजी अचानक उठे और उन्होंने असहयोग आंदोलन को खत्म करने का प्रस्ताव रख दिया। कुछ कार्यकर्ता खामोश रहे, लेकिन ज्यादातर ने इससे साफ इनकार कर दिया।

गांधीजी चुप हो गए, लेकिन दो दिन बाद यानी 12 फरवरी को असहयोग आंदोलन को वापस लेते हुए 5 दिन के उपवास पर चले गए। आज 12 फरवरी 2023 है यानी असहयोग आंदोलन वापस लिए आज ठीक 101 साल पूरे हो चुके हैं। गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया तब सुभाष चंद्र बोस, मोतीलाल नेहरू, सीआर दास और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों ने उनके इस फैसले की तीखी आलोचना की थी। एक तबके का आज भी मानना है कि अगर गांधी जी ने असहयोग आंदोलन वापस नहीं लिया होता तो हमें आजादी के लिए 1947 तक का इंतजार नहीं करना पड़ता। आगे स्टोरी में जानेंगे कि असहयोग आंदोलन क्या था, जब ये सफल हो रहा था तो गांधीजी को इसे वापस लेनी की क्यों सूझी और क्यों इस फैसले की आज तक चर्चा होती है?

अंग्रेजों का सहयोग न करने की प्रतिज्ञा

ये साल 1919-20 का दौर था। अंग्रेजों के खिलाफ लोगों में रॉलेट एक्ट का गुस्सा था ही, उसके ऊपर जलियांवाला बाग हत्याकांड हो गया। रॉलेट एक्ट के तहत अंग्रेज बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए ही किसी को भी जेल में रख सकते थे। इसी सब के बीच देश में गांधी के स्वदेश और खादी का जोर भी चरम पर था। अगस्त 1920 में असहयोग आंदोलन की अनौपचारिक शुरुआत हुई।

4 सितंबर 1920 को कलकत्ता में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। यहां तय हुआ कि अब से उन सभी सामानों, व्यवस्थाओं और संस्थाओं का बहिष्कार किया जाएगा, जिसकी मदद लेकर अंग्रेज हम पर ही शासन कर रहे थे। ऐलान किया गया कि अगर लोग चाहते हैं कि अंग्रेज भारत छोड़ दें तो स्कूल, कॉलेज और कोर्ट-कचहरी का बहिष्कार करें। अंग्रेजी सामान खरीदना बंद करें और अंग्रेजों को टैक्स न दें। असहयोग आंदोलन को मुस्लिम संगठनों द्वारा चलाए जा रहे खिलाफत आंदोलन का भी साथ मिला। गांधीजी का अह्वान इतना जोरदार था कि स्कूल, कॉलेज बंद होने लगे। वकीलों ने कचहरी जाना बंद कर दिया और मजदूर फैक्ट्री छोड़कर आंदोलन की राह पकड़ने लगे। देश भर में विदेशी सामान जलाए जाने लगे। अनुमान लगाया जाता है कि उस समय देश भर में तकरीबन 400 हड़ताले हुईं। आंदोलन सफल हो रहा था तभी चौरी-चौरा में ग्रामीणों ने पुलिस थाने में आग लगाकर 23 पुलिसवालों को आग के हवाले कर दिया।

चौरी-चौरा में भीड़ के भड़क जाने के पीछे तीन अहम वजह मिलती हैं...

1. मुंडेरा बाजार का मालिक संत बक्सः चौरी-चौरा की घटना से करीब 10-12 दिन पहले डुमरी के करीब 30 से 35 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुंडेरा बाजार में धरना दिया। इस बाजार का मालिक था संत बक्स सिंह। संत बक्स के आदमियों ने वालंटियर्स को बाजार से खदेड़ दिया। चौरी-चौरा की घटना से 5 दिन पहले, यानी 31 जनवरी को कार्यकर्ता 4,000 की भीड़ के साथ लौटे और इसी बाजार में बड़ी सभा हुई। 2 फरवरी को भगवान अहीर, नजर अली, लाल मुहम्मद सांई के साथ करीब 50 कार्यकर्ता फिर धरना देने बाजार पहुंचे तो संत बक्स के आदमियों ने उनके साथ मारपीट की। बाद में पुलिस ने भी भगवान अहीर और दो अन्य लोगों को थाने ले जाकर पीटा।

2. थानेदार गुप्तेश्वर सिंहः आरोप है कि गुप्तेश्वर सिंह ने संत बक्स सिंह के कहने पर ही भगवान अहीर के साथ मारपीट की थी। इसे लेकर लोगों में काफी गुस्सा था। 4 फरवरी 1922 को शनिवार का दिन था। मारपीट का विरोध करने के लिए मुंडेरी बाजार के पास करीब 800 लोग जमा हो गए। उधर गुप्तेश्वर सिंह ने गोरखपुर से और फोर्स बुला ली, जिनके पास बंदूकें भी थीं। पुलिस की तरफ से भीड़ से बात करने के लिए संत बक्स सिंह के यहां काम करने वाला कर्मचारी अवधू तिवारी पहुंचा। उसे देखकर लोगों का गुस्सा और भड़क गया। दूसरी तरफ भीड़ भी बढ़ती ही जा रही थी। इसके बाद लोग थाने के सामने प्रदर्शन करने लगे। इसी बीच गुप्तेश्वर ने इस प्रदर्शन को गैरकानूनी घोषित कर दिया और कार्रवाई करने की धमकी दे डाली।

3. गांधी टोपीः प्रदर्शन को गैरकानूनी घोषित करते ही पुलिस और भीड़ के बीच झड़प शुरू हो गई। इसी दौरान एक सिपाही ने बड़ी गलती कर दी। उसने एक आंदोलनकारी की गांधी टोपी उतार ली उसे पैर से कुचलने लगा। यही वो पल था जब मामला हाथ से निकल गया और तोड़फोड़ शुरू हो गई। हिंसा देखकर गुप्तेश्वर के आदेश पर जुलूस में शामिल लोगों पर फायरिंग कर दी गई। इसमें 11 आंदोलनकारियों की मौत हो गई। करीब 50 घायल हो गए।

अंग्रेज सिपाहियों की गोलियां खत्म हो गई, भागकर थाने में छुप गए

फायरिंग के बाद भीड़ पीछे हटी और रेल की पटरियों पर पहुंच गई। इसके बाद पत्थरबाजी शुरू हो गई। उधर फायरिंग करते-करते पुलिसवालों की गोलियां खत्म हो गईं। अब भीड़ ने पुलिसवालों पर धावा बोल दिया। भीड़ से बचने के लिए 23 पुलिसवालों ने खुद को थाने के लॉकअप में बंद कर लिया। इसी बीच कुछ आंदोलनकारियों ने किसी दुकान से केरोसीन तेल का टिन उठा लिया। थाने पहुंचकर मूंज और घास-पतवार रखकर थाने में आग लगा दी। उधर दरोगा गुप्तेश्वर सिंह ने भागने की कोशिश की, तो भीड़ ने उसे भी पकड़कर आग में फेंक दिया।

पुलिसवाले जो हिंसा में जिंदा जल गए

सब-इंस्पेक्टर पृथ्वी पाल सिंह, बशीर खां, कपिलदेव सिंह, लखई सिंह, रघुवीर सिंह, विशेसर यादव, मुहम्मद अली, हसन खां, गदाबख्श खां, जमा खां, मंगरू चौबे, रामबली पाण्डेय, इन्द्रासन सिंह, रामलखन सिंह, मर्दाना खां, जगदेव सिंह और जगई सिंह। उस दिन अपना वेतन लेने के लिए थाने पर आए चौकीदार वजीर, घिंसई, जथई और कतवारू राम को भी आंदोलनकारियों ने जलती आग में फेंक दिया। कुल मिलाकर 23 पुलिसवाले जिंदा जलाकर मार दिए गए। हालांकि थाने के पास ही रह रहे गुप्तेश्वर सिंह की पत्नी और बच्चों को भीड़ ने हाथ भी नहीं लगाया।

हालांकि तब कई बड़ी हस्तियां गांधी के फैसले से असहमत थीं। नाराजगी जाहिर करते हुए सुभाष चंद्र बोस ने कहा था, 'जब जनता का उत्साह अपने चरम पर हो, तब पीछे हटने का आदेश देना किसी राष्ट्रीय आपदा से कम नहीं है।'

सीआर दास का कहना था कि असहयोग आंदोलन वापस लेना बड़ी गलती है। गांधी जी के इस फैसले से पॉलिटिकल वर्कर्स का मनोबल काफी हद तक गिरा है। मोतीलाल नेहरू भी गांधी के फैसले से खासा नाराज थे। यही वजह रही कि सीआर दास और मोतीलाल नेहरू ने जनवरी 1923 में स्वराज पार्टी की नींव रखी।

रामगढ़ उपचुनाव को लेकर चल रही प्रशासनिक तैयारियां

चुनावी मैदान में 18 प्रत्याशी, 14 निर्दलीय, मतदान पदाधिकारियों की कल होगी ट्रेनिंग, नौ फ्लाइंग स्क्वायड टीम जिले में चला रही जांच अभियान

रामगढ़, , 12 फरवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां जिले में चल रही हैं। नामांकन करने से लेकर नाम वापसी तक की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब चुनावी मैदान में कुल 18 उम्मीदवार हैं। इन 18 उम्मीदवारों में दो राष्ट्रीय/राज्य पार्टी, दो रजिस्ट्रीकृत राजनीतिक दल और अन्य 14 निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन कुल 20 उम्मीदवारों ने किया था, जिसमें संजय कुमार व नितेश कुमार सिन्हा की उम्मीदवारी को रद्द किया गया है। सभी चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए गए हैं। अब प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं। इसे लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे और निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन ने अहम बैठक की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन उपचुनाव के

सफल आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां कर रहा है। चुनाव की घोषणा होने से लेकर अब तक नियमित रूप से मतदान केंद्रों व क्लस्टर का निरीक्षण कर जहां जो कमियां दिख रही हैंख उन्हें दूर किया जा रहा है। विभिन्न कोषांगो के वरीय पदाधिकारियों/ प्रभारी पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठक करते हुए कार्य प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि सेक्टर दंडाधिकारियों को दो चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मतदान पदाधिकारियों के पहले चरण का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कल से दूसरे चरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि जिले में किसी भी तरह की अनावश्यक गतिविधियां न हो इसके लिए नौ फ्लाइंग स्क्वायड टीम के द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह नियमित रूप से चल रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ जिले के सभी बॉर्डर को सील किया गया है। जिले के सभी बॉर्डर पर 13 सर्चिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। वहीं सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है. वर्तमान में पांच स्टेटिक सर्विलांस टीम जांच अभियान चला रही है। नन बेलेबल वारंट संबंधित 80 फीसदी मामलों का निष्पादन कर लिया गया है। जांच अभियान के तहत अब तक लगभग 22 लाख रुपए के अनुमानित अवैध शराब व कैश जब्त किया गया है। असामाजिक तत्वों के खिलाफ 107 एवं 116 की कार्रवाई की जा रही है। 27 फरवरी को मतदान के दिन रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के झारखंड सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों या औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक बैंकों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

7 दिन में तीसरे भाजपा नेता की हत्या

अपहरण करके रेता गला, फिर जंगल में फेंकी लाश

जगदलपुर, , 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले में इंद्रावती नदी पार माओवादियों ने पूर्व सरपंच और भाजपा के मंडल कार्यसमिति के सदस्य की हत्या कर दी है। पूर्व सरपंच का नाम रामधर अलामी है, जो पिछले 15 सालों से BJP में सक्रिय था। हत्या के बाद माओवादियों ने शव के पास पर्चे भी फेंके हैं। जिसमें पुलिस की मुखबिरी और बोधघाट परियोजना के संबंध में रुपए लेने की वजह से मौत की सजा देने की बात लिखी है। पिछले 7 दिनों में बस्तर के 3 BJP नेताओं की हत्या की गई है। रामधर अलामी दंतेवाड़ा जिले के हितामेटा गांव का पूर्व सरपंच था। जो पारिवारिक कामों से इंद्रावती नदी के पार धुर नक्सल प्रभावित गांव मुरूमवाड़ा-थुलथुली गया हुआ था। जब माओवादियों को रामधर के बारे में पता चला तो इसी इलाके से शनिवार को उसका अपहरण कर लिए थे। जिसके बाद कुछ घंटे उसे अपने साथ रखे थे। फिर धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद माओवादियों ने BJP नेता का शव हिकुल गांव के जंगल में फेंक दिया। जब गांव के ग्रामीण जंगल में शव को देखा। तो इसकी जानकारी पुलिस को दिए। जिसके बाद इंद्रावती नदी के पार एक गांव में शव रखा गया, और रविवार की सुबह शव को गृहगांव हितामेटा लाया गया है। आज गांव में अंतिम संस्कार किया जाएगा। बताया जा रहा है कि, माओवादियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने वारदात को अंजाम दिया है।

हत्या के बाद माओवादियों ने शव के पास पर्चे भी फेंके थे। माओवादियों ने BJP नेता पर गोपनीय सैनिक बनकर पुलिस के लिए काम करने का आरोप लगाया है।

विश्वभूषण हरिचंदन छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल

नड्डा के दौरे के बाद केंद्र ने अनुसुईया उइके को मणिपुर भेजा, रमेश बैस महाराष्ट्र के गवर्नर

रायपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के छत्तीसगढ़ दौरे के एक दिन बाद ही यहां की राज्यपाल अनुसुईया उइके को हटा दिया गया है। उइके को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे विश्वभूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल बनाया गया है। हरिचंदन पड़ोसी राज्य ओडिशा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

यह बदलाव महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और लद्दाख के उप राज्यपाल राधाकृष्ण माथुर के इस्तीफे के साथ शुरू हुए हैं। कोश्यारी और माथुर ने कुछ दिन पहले इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए उनको मुक्त कर दिया है। झारखंड के राज्यपाल रहे रमेश बैस को भगत सिंह कोश्यारी की जगह महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनाइक को अरुणाचल प्रदेश, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम, सीपी राधाकृष्णन को झारखंड और आंध्र प्रदेश में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाया गया है। राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना दिया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश के दिग्गज नेता शिव प्रताप शुक्ला को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल

बनाया गया है। मणिपुर के राज्यपाल रहे एलए गणेशन को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को मेघालय भेजा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं ब्रिगेडियर बीसी मिश्रा अब केंद्र शासित लद्दाख के उप राज्यपाल होंगे। ब्रिगेडियर मिश्रा अभी तक अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नये राज्यपाल की नियुक्ति का स्वागत किया है। उन्होंने लिखा - मैं छत्तीसगढ़ की ओर से हमारे नये संवैधानिक अभिभावक का स्वागत करता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने लिखा - प्रदेश की पुण्य धरा पर विश्वभूषण जी का स्वागत है। मुझे विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ संविधानिक अधिकारों की दिशा में सशक्त होगा। कांग्रेस होकर भाजपा में आईं अनुसुईया उइके को सरकार ने 16 जुलाई 2019 को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्ति किया था। उन्होंने 17 जुलाई को कार्यभार ग्रहण कर लिया था। ठीक एक महीने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की नई सरकार ने काम शुरू किया था। मुख्यमंत्री को शपथ ग्रहण मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तत्कालीन राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कराया था। अब जब नवम्बर में विधानसभा का फिर से चुनाव होने जा रहा है, अनुसूईया उइके को यहां से हटाकर मणिपुर भेज दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में अनुसूईया उइके को सरकार से टकराने वाली राज्यपाल के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने सामान्य प्रशासनिक कामकाज में भी राजभवन की भूमिका का विस्तार कर दिया। सुपेबेड़ा के किडनी रोग प्रभावितों से मिलने जाकर उन्होंने सरकार को असहज किया। उसके बाद कुलपतियों की नियुक्ति में सरकार की सिफारिशों को नलरअंदाज कर नियुक्ति कर सीधा टकराव मोल लिया। सरकार ने कुलपति नियुक्ति का अधिकार बदलने का विधेयक पारित कर भेजा तो उसे रोक लिया। विवादित कृषि कानूनों का प्रभाव कम करने वाले विधेयकों को भी रोक कर रखा। आरक्षण विवाद तो हद से आगे बढ़ गया। राज्यपाल ने यह विधेयक रोक लिया तो सरकार राज्यपाल के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंच गई।

विश्वभूषण हरिचंदन को भी अनुसुईया उइके साथ ही ही जुलाई 2019 में आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाकर भेजा गया था। तीन अगस्त 1934 में पैदा हुए हरिचंदन अभी 89 साल के हैं। उन्होंने 1971 में भारतीय जनसंघ जॉइन किया था। जनता पार्टी के गठन तक वे जनसंघ से ओडिशा के महामंत्री थे। 1980 में भाजपा के गठन के बाद उन्हें ओडिशा यूनिट का अध्यक्ष बनाया गया है। वे 1988 तक वे भाजपा के अध्यक्ष रहे। उसके बाद उन्होंने बीजू जनता दल जॉइन कर लिया। 1996 में वे फिर भाजपा में लौटे। हरिचंदन पांच बार विधायक रहे हैं। पहली बार जनता लहर में 1977 में चिल्का सीट से चुनाव जीते थे। उन्होंने भुवनेश्वर सेंट्रल सीट का भी प्रतिनिधित्व किया। भाजपा-बीजद गठबंधन सरकार में मंत्री भी रहे। हरिचंदन ने ओडिशा के पाइका विद्रोह सहित कई पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें भी लिखी हैं।

हसदेव के आंदोलन में टिकैत की एंट्री

सरगुजा के हरिहरपुर में आज किसान महा सम्मेलन, राकेश टिकैत सहित कई बड़े नेता शामिल होंगे

रायपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य को बचाने के लिए चल रहे आंदोलन में किसान नेता राकेश टिकैत की एंट्री हो गई है। टिकैत कल सरगुजा के हरिहरपुर में आयोजित किसान महा सम्मेलन में शामिल होने आ रहे हैं। इस सम्मेलन में प्रदेश के अलावा झारखंड और ओडिशा के भी कई संगठन शामिल होने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक आलोक शुक्ला ने बताया, राकेश टिकैत सोमवार सुबह 8 बजे दिल्ली से रायपुर पहुंचेंगे। उनके साथ किसान आंदोलन के कुछ और नेता भी यहां पहुंचने वाले हैं। यहां से वे सरगुजा के सड़क मार्ग से रवाना होंगे। हसदेव अरण्य में कोयला खनन परियोजनाओं के विरोध में स्थानीय आदिवासी ग्रामीण पिछले 10 वर्षों से आन्दोलन कर रहे हैं। अक्टूबर 2021 में हसदेव के ग्रामीणों ने वहां से रायपुर तक 300 किलोमीटर पदयात्रा कर मुख्यमंत्री और राज्यपाल से मुलाकात की थी।

कोई कार्रवाई नहीं होने पर दो

मार्च 2022 से ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए हैं। यह किसान महा सम्मेलन भी धरना स्थल हरिहरपुर में ही आयोजित है। ग्रामीणों का कहना है, अगर हसदेव का जंगल कट गया तो न सिर्फ जीवनदायनी हसदेव नदी सूख जाएगी बल्कि ऑक्सीजन का प्रमुख स्रोत भी ख़त्म हो जायेगा। पिछले 5 वर्षों में यहां 70 से ज्यादा हाथी और सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो चुकी है। प्रदेश के किसानों की हजारों हेक्टेयर फसल प्रतिवर्ष हाथियों द्वारा रौंदी जा रही है। बावजूद इसके सिर्फ एक पूंजीपति के लिए पूरे छत्तीसगढ़ को संकट में डाला जा रहा है।

वन्यजीव संस्थान बता चुका है संवेदनशील जगह

पिछले साल हसदेव अरण्य क्षेत्र पर केंद्र सरकार के संस्थान "भारतीय वन्य जीव संस्थान" की एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा है कि "यदि हसदेव में किसी भी खनन परियोजना को अनुमति दी गई तो बांगो बांध खतरे में पड़ जायेगा, उसकी जल भराव की क्षमता कम हो जाएगी। खनन होने से छत्तीसगढ़ में मानव-हाथी का संघर्ष इतना ज्यादा बढ़ जायेगा कि फिर उसे कभी नियंत्रित नही किया जा सकेगा"। इसके बाद भी इस क्षेत्र में खनन गतिविधियों को शुरू करने की जिद जारी है। स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

पिछले साल भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शुरू हुई थी कटाई

पिछले साल सितम्बर में वन विभाग, प्रशासन और खनन कंपनी ने पेण्ड्रामार जंगल के इलाके में पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई कराई। यह कटाई भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सुबह 5-6 बजे ही शुरू करा दी गई थी। विरोध कर रहे ग्रामीणों को जबरन पकड़कर पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। जिन्हे देर शाम छोड़ा गया। यह कटाई परसा ईस्ट केते बासन खदान के दूसरे फेज के लिए हुई। जिसके तहत 43 हेक्टेयर का जंगल काटा गया। खदान के इस विस्तार से सरगुजा जिले का घाटबर्रा गांव उजड़ जाएगा। वहीं एक हजार 138 हेक्टेयर का जंगल भी उजाड़ा जाना है। इस क्षेत्र में परसा खदान के बाद इस विस्तार का ही सबसे अधिक विरोध था।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़

मछली व्यवसायी की करने आए थे हत्या, सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी हुए शहीद, पुराने विवाद को लेकर हुआ हमला

देवघर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। देवघर जिले के नगर थाना क्षेत्र से 500 मीटर की दूरी पर पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। घटना शनिवार देर रात की है। इस मुठभेड़ में पुलिस के दो जवान शहीद हो गए। शहीद हुए दोनों जवान साहिबगंज जिले के रहने वाले हैं। उनका नाम रवि कुमार मिश्रा और संतोष यादव है। बताया जा रहा है कि गोलीबारी की यह घटना पुराने विवाद को लेकर हुई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना रात 11.30 बजे की है। अपराधियों ने मछली व्यवसायी सुधाकर झा के घर जा कर उन पर हमला किया। जहां मौके पर मौजूद उनकी सुरक्षा में लगे दो जवानों ने जवाबी कार्रवाई की। इस जवाबी कार्रवाई में दोनों जवानों को गोली गयी। जहां गोली लगने से पुलिस के दोनों जवान शहीद हो गए। बताया जा रहा है

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस कर रही जांच

कि मुठभेड़ के दौरान तलवारबाजी भी हुई है। मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए दोनों पुलिस के जवान सिविल ड्रेस में थे।

मुठभेड़ की जानकारी मिलते ही नगर थाना प्रभारी केके साहू कुशवाहा पुलिस जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। यहां पहुंचते ही अपराधियों ने थाना प्रभारी की गाड़ी पर भी फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में थाना प्रभारी भी बाल-बाल बचे। वहीं पुलिस की ओर से की जवाबी कार्रवाई में दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें एक अपराधी भी बुरी तरह घायल है। तलवारबाजी में उसका हाथ कट गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर एसपी सुभाष चंद्र जाट, एसडीपीओ पवन कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। हिरासत में लिए गए दोनों अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

गोलीबारी की इस घटना में कुख्यात अपराधी पप्पू सिंह का हाथ बताया जा रहा है। पप्पू सिंह अपने शूटर के साथ मछली कारोबारी सुधाकर झा के घर पहुंचा था। गोलीबारी की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई के दौरान अपराधी पप्पू सिंह और एक शूटर मौके से भाग गया। सूत्रों के अनुसार 20 दिन पूर्व ही मछली कारोबारी सुधाकर झा को 20 दिन पहले बॉडीगार्ड उपलब्ध कराया गया था। इससे पहले भी अपराधी पप्पू सिंह ने मछली कारोबारी सुधाकर झा से रंगदारी मांगी थी। जिसके बाद सुधाकर झा ने टाउन थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

नियोजन नीति पर फोन कर सीएम मांग रहे सलाह

सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं जाना चाहती, 1932 खतियान के लागू होने का इंतजार करें या 2016 की नियोजन नीति पर नियुक्ति करें ?

रांची, 12 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट की ओर से नियोजन नीति को रद्द हुए दो महीने से अधिक हो चुके हैं। सरकार ने राज्य के बेरोजगारों से दो महीने के भीतर नयी नियोजन नीति लाने की बात कही थी, पर वो भी नहीं बनी। अब सीएम उम्मीदवारों को फोन कर सलाह ले रहे हैं कि नियुक्ति प्रक्रिया पर क्या किया जाए। जी हां, चौंकिए मत। सीएम हेमंत सोरेन की आवाज में ऐसे कई उम्मीदवारों को कॉल आ चुके हैं कि नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के लिए क्या किया जाए? वे उम्मीदवारों को विकल्प भी दे रहे हैं। इस तरह के कॉल आने के बाद से राज्य के बेरोजगारों के बीच उम्मीद जगी है। राज्य के युवाओं के बीच सीएम का कॉल आना चर्चा का विषय बना हुआ है।

राज्य सरकार नियोजन नीति को लेकर गंभीर है। वह इसे जल्द से जल्द लागू करना चाहती है। साथ ही सरकार यह भी चाह रही है कि इस बार कि नियोजन नीति विवादों में न आए। इसलिए उम्मीदवारों से सीधे कॉल कर सलाह ली जा रही है कि क्या किया जाए? दरअसल सीएम की आवाज में एक रिकॉर्डेड कॉल आता है। यह कॉल आने से पहले उम्मीदवारों को एक मैसेज भेजा जाता है। यह मैसेज बीबी-600025 से आता है। जिसमें लिखा होता है : जोहार। माननीय मुख्यमंत्री जी आपसे नियोजन नीति एवं नियुक्ति प्रक्रिया पर आपकी राय जानना चाहते हैं। इस विषय पर कुछ ही समय के बाद आपको कॉल किया जाएगा। धन्यवाद । जोहार। मैसेज आने के बाद कॉल आता है : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आवाज में बताया जाता है कि सरकार नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करना चाहती है पर नियोजन नीति के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं जाना चाहती है।

50 हजार से ऊपर जा सकता है मृतकों का आंकड़ा

यूएन की राहत एजेंसी के प्रमुख ने जताई आशंका

अंकारा/दमिश्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किये और सीरिया में हुए भूकंप से मची तबाही ने दुनियाभर के लोगों को हिलाकर रख दिया है। इस भूकंप में अब तक 28 हजार से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। लेकिन इस बीच संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने जो आशंका जताई है वह और दिल दहलाने वाला है। दरअसल, मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा है कि इस विनाशकारी भूकंप में 50 हजार से अधिक लोगों की जान गई होगी। उन्होंने कहा कि वास्तव में मैंने मृतकों की संख्या गिनना शुरू नहीं किया है लेकिन जिस तरह से मलबे दिख रहे हैं उससे साफ लग रहा है कि यह आंकड़ा 50 हजार से अधिक जा सकता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही, खोज और बचाव लोग मानवीय एजेंसियों के लिए रास्ता बनाएंगे, जिनका काम अगले महीनों के लिए प्रभावित लोगों की असाधारण संख्या को देखना होगा।

अब तक तुर्किये में 24,617 और सीरिया में 3,574 लोगों की मौत

भूकंप में आधिकारिक मृतकों की संख्या की बात करें तो तुर्किये में 24,617 और सीरिया में 3,574 हैं, हजारों बचावकर्मी मलबे में बचे लोगों की तलाश में लगे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पहले चेतावनी दी थी कि पूरे तुर्किये और सीरिया में कम से कम 870,000 लोगों को तत्काल गर्म भोजन की आवश्यकता है और अकेले सीरिया में 5.3 मिलियन लोग बेघर हो सकते हैं।

भूकंप से अब तक 2.6 करोड़ करोड़ लोग प्रभावित हुए: डब्ल्यूएचओ

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि भूकंप से लगभग 26 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं, दोनों देशों में तत्काल स्वास्थ्य जरूरतों का सामना करने के लिए 42.8 मिलियन डॉलर की तत्काल अपील शुरू की। तुर्किये की आपदा एजेंसी ने कहा कि तुर्किये संगठनों के 32,000 से अधिक लोग खोज और बचाव प्रयासों पर काम कर रहे हैं, जबकि 8,294 अंतर्राष्ट्रीय बचावकर्मी इस प्रयास में मदद कर रहे हैं।

जाको राखे साइयां... तुर्किए में जलजले के बीच चमत्कार- 128 घंटे बाद मलबे में जिंदा मिला दो महीने का बच्चा

तुर्किए (तुर्की) और सीरिया में 6 फरवरी को आए विनाशकारी भूकंप से भीषण तबाही मची है. मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है. इस बीच राहत और बचाव का काम लगातार जारी है. बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं. तबाही और निराशा के बीच मलबे से जीवित निकलने के चमत्कारी दृश्य भी सामने आ रहे हैं. तुर्किए में भूकंप के करीब 128 घंटे बाद दो महीने के एक बच्चे को बचाया गया. तुर्किए और सीरिया में विनाशकारी भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 29 हजार के पार हो गई है. वहीं, 85 हजार से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं. तुर्किए में बचाव कार्य के दौरान 'जाको राखे साइयां मार सके ना कोई' वाली कहावत भी सच साबित हो रही है. सैकड़ों टन वजनी मलबे में जिंदा रह पाने के कई चमत्कारिक दृश्य सामने आ रहे हैं. तुर्की के हटे में शनिवार को मलबे के नीचे से एक दो महीने के बच्चे को निकाला गया. भीड़ ने इस बच्चे के लिए तालियां बजाईं और इसे बचा पाने की खुशी चेहरे पर दिखी.

पति के शराब छोड़ने पर साथ रहने को राजी हुई पत्नी

भोपाल में नेशनल लोक अदालत में हुआ समझौता

भोपाल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। शराब एक ऐसी लत है जो शहीर ही नहीं परिवार और समाज को भी बुरी तरह से दूषित करता। अक्सर शराब पीने के कारण पति-पत्नी में विवाद पैदा हो जाते हैं। ऐसे ही मामला राजधानी भोपाल की नेशनल लोक अदालत में सामने आया। जहां शादी के कुछ दिन बाद ही शराब की लत ने पति-पत्नी के बीच ऐसी दूरी बढ़ाई की दंपति ने एक दूसरे से नाता तोड़ लिया। कुटुंब न्यायालय में काउंसलिंग के बाद पति ने शराब छोड़ दी। इस पर पत्नी ने कहा कि वह पहले साथ रहेगी। यदि पति सुधर गए है तो सभी केस वापस ले लेगी और इस तरह शनिवार को नेशनल लोक अदालत में प्रधान न्यायाधीश एसके जोशी के समझाने के बाद दंपत्ति ने सभी केस वापस ले लिए। पति ने बताया कि अब पत्नी गर्भवती है और 10 साल बाद बच्चे की खुशी जीवन में आने वाली है। कुटुंब न्यायालय में 173 मामलों में से समझौता हुआ दोनों की शादी 2013 में हुई थी। संयुक्त परिवार में रहने के कारण हर दिन विवाद बढ़ने लगा पत्नी मायके चली गई। 2017 में पत्नी ने तलाक का केस लगाया जब जाकर सुले हुई।

55 साल की पत्नी ने मांगा भरण-पोषण

एक 55 वर्षीय पत्नी भरण-पोषण मांगने कोर्ट पहुंची। दंपत्ति की शादी को 28 साल हो चुके हैं 27 और 24 साल की दो संतानें हैं पर उनकी शिकायत थी कि उसने इतने साल पति की सेवा की लेकिन अब उसकी बीमारी में पति उसकी ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं वह खर्च के लिए भी तरसती हैं। पति ने इसी साल जनवरी में केस लगाया था काउंसलिंग में पति ने अपनी गलती मानी और पत्नी का ध्यान रखने का वादा किया। इसके बाद पत्नी ने भी केस वापस ले लिया।

जज ने पौधा देकर सुलह करवाई

नेशनल लोक अदालत में पति-पत्नी के बीच विवाद का एक और मामला सामने आया। जहां बरखेड़ी की रहने वाली पत्नी की शिकायत थी कि उसकी शादी 2019 में हुई थी। लेकिन वह 2 साल से मायके में रह रही है। पति की अविवाहित बुआ और सास पैतृक मकान के किराए का सारा पैसा खुद रख सकती है। पति के मांगने पर भी पति को पैसा देती है जो वह नशे में उड़ा देता है ऐसे में ना पति की नशे की लत छूट रही है और ना उसके पास घर खर्च के लिए पैसा पहुंच रहा है न्यायाधीश के समझाने पर सास बहू दोनों ने सामान्य से रहने के लिए हामी भरी और सास बहू को पौधा देकर भेजा गया न्यायाधीश ने कहा कि पति पत्नी को नहीं बल्कि सास-बहू के बीच सुलह जरूरी है।

पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में मॉब लिंचिंग पुलिस थाने पर बोला धावा, शख्स को जिंदा जलाया

इस्लामाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मॉब लिंचिंग की एक और घटना सामने आई है। शनिवार (11 फरवरी) को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने एक व्यक्ति को जिंदा जला दिया। मामला पंजाब के ननकाना साहिब जिले का है, जहां वारिस इसा नाम के एक शख्स पर पवित्र कुरान का अपमान करने का आरोप लगा। स्थानीय पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया था लेकिन इसकी खबर जब इलाके में फैली तो थाने के सामने भारी भीड़ जमा हो गई। घटना लाहौर से करीब 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के वारबर्टन पुलिस स्टेशन में हुई। जहां भीड़ पुलिस से आरोपी को सौंपने की मांग करने लगी। बाद में उकसाने पर भीड़ ने थाने पर हमला बोल दिया और आरोपी को पुलिस लॉकअप से छुड़ा लिया। घटना से जुड़े वीडियो में भीड़ वारबर्टन पुलिस स्टेशन के गेट को तोड़कर थाने में घुसती दिखी। इसके बाद आरोपी को जबरन लॉकअप से खींचकर लाई। उसके कपड़े उतारकर शख्स को सड़क पर पीटते हुए घसीटा गया। पीटे जाने से उसकी मौत हो गई। मारे गए शख्स का नाम वारिस इसा बताया जा रहा है।

रूस की 5000 से अधिक गर्भवती महिलाएं अर्जेंटीना पहुंचीं, सामने आई चौंकाने वाली वजह

मॉस्को, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हाल के महीनों में 5,000 से अधिक गर्भवती रूसी महिलाओं ने अर्जेंटीना में प्रवेश किया है, जिनमें 33 एक ही उड़ान से शामिल हैं। राष्ट्रीय प्रवासन एजेंसी के अनुसार नवीनतम आगमन सभी गर्भावस्था के अंतिम सप्ताह में थे। ऐसा माना जाता है कि महिलाएं अर्जेंटीना की नागरिकता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनके बच्चे अर्जेंटीना में पैदा हों। अधिकारियों के मुताबिक रूसी महिलाएं चाहती थीं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है। माइग्रेशन एजेंसी के प्रमुख फ्लोरेंसिया कैरिग्नानो ने ला नेसिओन को बताया कि गुरुवार को एक उड़ान से अर्जेंटीना की राजधानी पहुंची 33 महिलाओं में से तीन को उनके दस्तावेजीकरण में समस्या के कारण हिरासत में लिया गया था।उन्होंने कहा कि रूसी महिलाओं ने शुरू में दावा किया था कि वे पर्यटकों के रूप में अर्जेंटीना जा रही थीं। इन मामलों में यह पाया गया कि वे पर्यटन गतिविधियों में शामिल होने के लिए यहां नहीं आए थे।

खुदाई में मिली काले पत्थर पर उकेरी गई भगवान श्री कृष्ण की अद्भुत मूर्ति

लोगों ने किया दूध से अभिषेक

मुंबई, 12 फरवरी (एजेंसियां)। चंद्रपुर जिले के ब्रम्हपुरी तहसील के गांव में मकान में शौचालय का निर्माण होना था. इसके लिए गड्ढा खोदा जा रहा था. इस दौरान लोगों को जो मिला उसे देख सभी हैरत में पड़ गए. क्योंकि, गड्ढे से 12वीं शताब्दी की भगवान श्री कृष्ण की बांसुरी बजाने वाली मुद्रा वाली मूर्ति मिली है. मूर्ति मिलने के बाद लोगों ने उसे साफ किया और पूजा-पाठ शुरू कर दिया. दरसअल, जिले के ब्रम्हपुरी तहसील के जखेडमक्ता गांव में रहने वाले गजानन मानकर के घर में शौचालय निर्माण का काम हो रहा है. उसके लिए गड्ढा खोदा जा रहा था. गड्ढे की खुदाई करीब सात फीट हो गई थी तभी गड्ढा खोद रहे लोगों को बड़ा सा काला पत्थर नजर आया. जब उसे पत्थर को बाहर निकाला गया तो उसमें नक्काशी भी दिखी. उसे साफ किया गया तो लोग हैरान रह गए क्योंकि वह आम पत्थर नहीं, बल्कि भगवान श्री कृष्ण की बांसुरी बजाने की मुद्रा में खड़े हुए की मूर्ति थी. मूर्ति को पत्थर उकेरा गया था और उसमें शानदार

नक्काशी की गई थी. भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति मिलने की खबर जैसे ही गांव और आस-पास के इलाके में फैली तो लोगों की भीड़ मूर्ति के दर्शन को उमड़ने लगी. मूर्ति की पूजा-अर्चना की गई, दूध से अभिषेक किया गया, अगरबत्ती लगाई गई. लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं.

12वीं शताब्दी की है मूर्ति

इतिहास के जानकार अशोक सिंह ठाकुर का कहना है कि मूर्ति 12वीं शताब्दी की है और चालुक्य काल से संबंधित है. इस प्रकार से ये भगवान कृष्ण की मूर्ति मिलने का यह पहला मामला है. मूर्ति दक्षिणी शैली की है और इसे काले पत्थर पर उकेरा गया है. अशोक सिंह ठाकुर ने आगे बताया कि श्री कृष्ण के सिर पर करंडक मुकुट धारण किया है और हाथ में बांसुरी है. मंदिर के दोनों ओर दक्षिणनाट्य शैली में नक्काशी की गई है. ऐसी संभावना है कि किसी ने यह मूर्ति दक्षिण से बनवाकर चंद्रपुर जिले में लाई होगी. फिर किसी कारण से जमीन में दफना दी होगी. खुदाई के दौरान मूर्ति के लावा वहां मंदिर होने के कोई अवशेष नहीं मिले है. इसलिए, चालुक्य काल में इस क्षेत्र में श्री कृष्ण का मंदिर रहा हो ऐसी संभावना फिलहाल नहीं दिख रही है. यदि इस क्षेत्र में और शोध किया जाए तो इतिहास पर प्रकाश डाला जा सकता है. इतिहास के जानकर अशोक सिंह ठाकुर ने आगे कहा कि चंद्रपुर जिले को ऐतिहासिक धरोहरों का वरदान प्राप्त है. यहां पाषाण युग के कई अवशेष पाए जाते हैं. जिले में मौर्य, सातवाहन, वाकाटक, राष्ट्रकूट, चालुक्य, नागा, परमार, गोंड, भोसले शासन करते थे. जिले में कई खूबसूरत इमारतें आज भी इतिहास की गवाही देती हैं. चंद्रपुर के इतिहास में एक नया इतिहास जुड़ गया है. जिले में पहली बार श्रीकृष्ण की मूर्ति मिली है.

ईरानी क्रांति की 44वीं वर्षगांठ पर 'हैकर्स' ने डाला रंग में भंग, राष्ट्रपति के टीवी भाषण को रोका

तेहरान, 12 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान में शनिवार को लोगों ने उत्साह के साथ क्रांति की 44वीं वर्षगांठ मनाईं लेकिन इस दौरान सरकार विरोधी हैकरों की नजर इस कार्यक्रम पर बनी रही। हैकरों ने राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के एक टेलीविजन भाषण को संक्षिप्त रूप से बाधित कर दिया। बता दें कि देश में राष्ट्रपति रायसी को हटाने के लिए कई युवा प्रदर्शनकारी पिछले कुछ दिनों से सड़क पर उतर रहे हैं। हालांकि, सरकार युवाओं के इस प्रदर्शन के खिलाफ काफी सख्ती भी बरत रही है। राष्ट्रपति के लाइव टेलीविजन भाषण को लगभग एक मिनट के लिए इंटरनेट पर बाधित किया गया था, जिसमें ईरानी सरकार विरोधी हैकर्स के एक समूह की स्क्रीन पर एक लोगो दिखाई दे रहा था, जिसे एदलते अली (जस्टिस ऑफ अली) के नाम से जाता है। इस दौरान एक आवाज भी आई इस्लामिक गणराज्य की मौत। हजारों ईरानियों ने क्रांतिकारी और धार्मिक नारों वाले झंडों, गुब्बारों और तख्तियों से सजी प्रमुख सड़कों और चौराहों से मार्च किया। सेना ने अपनी एमाद और सेज्जिल बैलिस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ शहीद-136 और मोहजर ड्रोन का प्रदर्शन किया। राजधानी तेहरान में आजादी स्क्वायर में एक भाषण में, राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने विरोध प्रदर्शनों को ईरान के दुश्मनों द्वारा एक परियोजना के रूप में संदर्भित किया, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को अपनी उपलब्धियों को जारी रखने से रोकना था। रायसी ने देश में क्रांति के बाद की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उत्सव को महाकाव्य और राष्ट्रीय अखंडता का एक शो कहा। इस टिप्पणी ने भीड़ को अमेरिका को मौत का जाप करने के लिए प्रेरित किया।

चीन की महिला ने खरीदा जापान का द्वीप! वीडियो जारी कर किया दावा, टोक्यो में सुरक्षा को लेकर मची हलचल

टोक्यो, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की रहने वाली एक महिला ने जापान के ओकिनावा प्रांत में एक द्वीप को खरीदने का दावा किया है। हालांकि, महिला की पहचान उजागर नहीं की गई है और उसकी उम्र 30 के आसपास बताई जा रही है। बता दें, यह द्वीप ओकिनावा प्रांत के उत्तर में स्थित है और इसका एक हिस्सा टोक्यो स्थित कंसल्टिंग फर्म के स्वामित्व में है। महिला का दावा है कि यह फर्म, उसके एक रिश्तेदार की कंपनी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह फर्म चीनी कारोबार में विशेषता रखती है। ओकिनावा प्रांत के इजेना गांव में ही फर्म का कार्यालय है। फर्म के कार्यालय के मुताबिक, उसके पास द्वीप की कुल भूमि का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है।

कार में अश्लील हरकतें करते दो महिलाओं समेत पांच दबोचे गए

हरिद्वार, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर चौक के पास एक कार में अश्लील हरकतें करते हुए पुलिस ने दो महिलाओं व तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है। रानीपुर क्षेत्र के सलमेपुर चौक पर एक कार यूके 17 ए 1542 में सवार दो महिलाएं व तीन पुरुष अश्लील हरकतें कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने पांचों को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ करने पर आरोपितों ने अपने नाम 28 वर्ष मुस्तफा पुत्र मुसर्रत निवासी ग्राम दादूपुर गोविंदपुर कोतवाली रानीपुर हरिद्वार, 20 वर्षीय जब्बार अली कस्बा, थाना तुबनगंज जिला कुच्छ बंगाल हाल पता सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार, 23 वर्षीय असगर अली निवासी ग्राम दिवोपार थाना तुबनगंज बंगाल हाल पता सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार, 30 वर्षीय महिला मोहल्ला अहबाबनगर थाना ज्वालापुर और 22 वर्षीय की एक अन्य महिला ग्राम जाटीयान थाना कोतवाली जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल पता झंडा चौक थाना कनखल जनपद हरिद्वार बताया।

मध्य प्रदेश: बाघ और तेंदुओं की बड़ी तादाद में हो रही मौतों की वजह?

भोपाल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के वन विभाग के आंकड़ों के हिसाब से प्रदेश में पिछले एक साल में 38 बाघ मरे हैं जो दूसरे किसी भी राज्य से सबसे ज़्यादा हैं. न सिर्फ़ बाघ, मध्य प्रदेश वन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान सबसे ज़्यादा 87 मौतें तेंदुओं की भी मौत हुई है. बाघों के संरक्षण को लेकर भारत सरकार की बनाई गई महत्वाकांक्षी परियोजना 'प्रोजेक्ट टाइगर' को शुरू हुए भी इस साल अप्रैल माह में 50 साल पूरे हो जाएँगे.

वर्ष 2018 में वन्य-प्राणियों के 'सेन्सस' में मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या 526 दर्ज की गई थी.

2022 में भी गणना की गई थी जिसकी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है. ये गणना भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन 'नेशनल टाइगर कंज़र्वेशन अथॉरिटी' और 'प्रोजेक्ट टाइगर' मिलकर करते हैं.

पूरे भारत में इस समय बाघों की कुल संख्या 3000 के आस-पास बताई जाती है.

मध्य प्रदेश के जंगलों में हो रही इतनी मौतों ने वन्य प्राणियों के लिए काम करने वाले विशेषज्ञों के साथ साथ राज्य के उच्च न्यायलय की भी चिंता बढ़ा दी है. मध्य प्रदेश उच्च न्यायलय को इतने बड़े पैमाने पर हो रही बाघों की मौतों का संज्ञान लेते हुए हस्तक्षेप करना पड़ा और अदालत को इन मौतों की 'सघन जांच' के आदेश भी जारी करने पड़े.

आख़िर क्यों हो रही हैं इतनी मौतें?

मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख मुख्य वन रक्षक जसवीर सिंह चौहान ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्य तौर पर 6 'टाइगर रिज़र्व' हैं - पेंच, बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना, संजय और सतपुड़ा. उनका कहना है कि दो तरह की मौतें दर्ज की गई हैं- प्राकृतिक और अप्राकृतिक. चौहान कहते हैं कि एक बाघ की औसत आयु 12 वर्ष की होती है. वो कहते हैं कि अगर प्रदेश में बाघों की संख्या 526 है, उस हिसाब से इतनी मौतें होना बहुत बड़ी बात नहीं है लेकिन जिस बात पर वन विभाग की चिंता बढ़ी हुई है वो है बाघों की अप्राकृतिक मौतें.

वो कहते हैं कि कुल 38 बाघ पिछले साल मरे हैं उनमें अप्राकृतिक मौतों का आंकड़ा सिर्फ़ आठ का है.

चौहान के अनुसार, इसके कई कारण हो सकते हैं. इनमें से जो मुख्य कारण अभी तक सामने आया है वो है बिजली का करंट लगने से मरना. किसी-किसी घटना में ज़हर देकर मारने के सुबूत भी मिले हैं जबकि कुछ ज़्यादा मामले बाघों के फंदे में फँस जाने से हुई उनकी मौत के हैं. कुछ मामलों में क्षेत्र पर अधिकार को लेकर बाघों में आपस में हुई लड़ाई भी सामने आई है. इस साल जनवरी माह में सिवनी ज़िले में एक बाघ की

करंट लगने से मौत हुई. ये घटना जंगल से लगे बकरमपथ गाँव की बताई गई है. वन विभाग की जांच में पाया गया कि बाघ गाँव से होकर गुज़रने वाली 11 किलोवॉट की बिजली के तार के चपेट में आ गया था. उसी तरह पन्ना टाइगर रिज़र्व में भी एक बाघ के अवशेष पेड़ से लटके हुए मिले. चौहान का कहना है कि जाँच में जो बात सामने आई है उससे पता चलता है कि अक्सर गाँव वाले अपनी फ़सल को जानवरों से बचाने के लिए जो फंदा लगाते हैं, ये बाघ उसी फंदे में फँस गया था.

पांच साल में 171 बाघ और 310 तेंदुए मरे

मध्य प्रदेश के वन विभाग की ही रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले पांच सालों में जहाँ 171 बाघ प्रदेश में मरे हैं, वहीं 310 तेंदुए भी मरे हैं. जबकि वर्ष 2021 में बाघों के मरने की संख्या सबसे ज़्यादा 45 दर्ज की गई थी, वहीं पिछले साल मध्य प्रदेश के जंगलों में 87 तेंदुए भी मरे थे. चौहान कहते हैं कि तेंदुए, बाघों से ज़्यादा बड़े दायरे में घूमते हैं. वो बाहर भी निकल जाते हैं. इस वजह से ये हादसे बढ़ जाते हैं. हालांकि उनका दावा है कि 'पोचिंग' यानी शिकार की घटनाएँ अब नहीं के बराबर ही रह गई हैं लेकिन जिस याचिका के आधार पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने बाघों की मौतों की जांच के आदेश दिए हैं उसमें आरोप लगाया गया है कि प्रदेश के जंगलों में बड़े पैमाने पर शिकार भी जारी है. याचिकाकर्ता और पर्यावरण के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता अजय दुबे ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि जो याचिका उन्होंने उच्च न्यायलय में दायर की है उसमे कम-से-कम सात बाघों की मौत का कारण शिकार बताया गया है. वो कहते हैं कि बाघों के गले में महंगे 'सेटलाइट कॉलर' लगे होने के बावजूद वो शिकारियों का निशाना बन रहे हैं या फिर फंदों में फंसकर मर रहे हैं.

अजय कहते हैं कि ये बात सही है कि बाघों की औसत आयु 12 वर्ष के आसपास ही है. लेकिन मध्य प्रदेश में हो रही मौतों का कारण सामान्य नहीं है. वो कहते हैं कि जिस तरह वन विभाग ने बाघ क्षेत्रों के 'बफ़र ज़ोन' को पर्यटन के लिए खोल दिया है उससे वन्य प्राणियों पर दबाव बढ़ रहा है. बीबीसी हिंदी से उनका कहना था कि कर्नाटक में भी बाघों की संख्या 500 से ऊपर ही है मगर वहां मृत्यु दर मध्य प्रदेश से कम है.

कर्नाटक में बाघों की गिनती पर सवाल

इस पर मध्य प्रदेश के मुख्य प्रमुख वन्य जीव रक्षक जसवीर सिंह चौहान जवाब देते हैं, कर्नाटक के बाघ को क्या वहाँ अमृत पिलाया जा रहा है? जब 500 से ज़्यादा संख्या उनकी वहां भी है तो उसी अनुपात में प्राकृतिक मौतें भी होना स्वाभाविक है जो औसतन प्रतिवर्ष 30 के आस-पास होनी चाहिए. लेकिन ऐसा नहीं है तो कुछ गड़बड़ ज़रूर है. या तो फिर वहां पर बाघों की सही निगरानी है हो रही है और उनकी मौत होने की सूरत में महकमे को इसकी सूचना भी नहीं मिल रही होगी. अगर महकमा मरे बाघों का शव बरामद ही नहीं करेगा तो कैसे पता चलेगा. चौहान दावा करते हैं कि मध्य प्रदेश में हर 'टाइगर रिज़र्व' में बाघ की गतिविधियों पर वन विभाग के पूरे अमले की नज़र 24 घंटे रहती है. वो कहते हैं कि सब पर कॉलर लगे हुए हैं और सेटेलाइट के माध्यम से उनके विचरण की निगरानी रखी जाती है. भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत अधिकारी प्रवीण चन्द्र दुबे मानते हैं कि बाघों की ज़्यादा मौतों का एक सबसे बड़ा कारण है जंगलों पर दबाव बनना और उनका सिकुड़ना. चाहे वो राष्ट्रीय उद्यान हों या फिर अभयारण्य हों. प्रवीण चंद्र कहते हैं कि जंगलों में वैसे जानवर भी मौजूद होने चाहिए जिनका शिकार बाघ या दूसरे शिकारी पशु कर सकें और अपना पेट भर सकें लेकिन उनकी संख्या कम होती जा रही है. दुबे कहते हैं, बाघ, तेंदुआ या चीता किसका शिकार करेगा? ये महत्वपूर्ण सवाल है. इनकी संख्या कम होती जा रही है और भोजन के अभाव में बाघ अपने जंगलों से निकलकर या तो पहाड़ों की तरफ़ पेट भरने जाते हैं या फिर जंगल के बाहर मौजूद गाँवों में. इस वजह से द्वन्द बढ़ रहा है. गाँव के लोग अपनी फ़सल को चरने वाले जानवरों से बचाने के लिए तरह तरह के इंतज़ाम करने लगे हैं. दुर्भाग्य से इन फंदों में बाघ और तेंदुए फँस रहे हैं. वन्य प्राणी विशेषज्ञों की सलाह रही है कि जिन जंगलों को बाघों को संरक्षित और सुरक्षित रहने के लिए बनाया गया है उनके आसपास और जगह देनी चाहिए जिसकी वजह से उनके विचरण करने का क्षेत्र सिकुड़ता ना चला जाए. साथ ही, ऐसे अभयारण्यों के आस-पास से लोगों का आना-जाना भी सीमित रखने की बहुत ज़रूरत है. जिस याचिका पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया है और आदेश पारित किए हैं उसमें भी आरोप लगाया गया है कि टाइगर रिज़र्व में मौजूद 'बफ़र ज़ोन' के अन्दर 'पर्यटन को बढ़ावा' देने के लिए किये गए निर्माण की वजह से 'कम से कम 7 बाघों की मौत' हुई है. इस पर अदालत के आदेश पर राज्य के वन विभाग के पूर्व मुख्य सचिव और राज्य के इको पर्यटन परिषद के तत्कालीन सीईओ पर आपराधिक और प्रशासनिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है.

गुलाबचंद कटारिया होंगे असम के राज्यपाल

अब नेता प्रतिपक्ष की रेस में वसुंधरा सहित कई नेता; कटारिया बोले- पीएम ने किया था फोन

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति ने रविवार सुबह 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल और उपराज्यपाल बदलने के आदेश दिए हैं।

कटारिया को राज्यपाल नियुक्त करने पर उदयपुर सहित प्रदेश भर में उनके प्रशंसकों ओर बीजेपी नेताओं ने खुशी जताई है। वरिष्ठ बीजेपी नेताओं ने फोन करके कटारिया को बधाई दी है।

वहीं, कटारिया ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई उम्मीद नहीं थी। हालांकि, दो दिन पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर हालचाल जाने थे, लेकिन राज्यपाल बनाने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

कटारिया की गिनती राजस्थान बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं में होती है। वे आरएसएस के स्वयंसेवक रहे, फिर जनसंघ में आए। जनसंघ और बीजेपी के शुरुआती नेताओं में से कटारिया प्रमुख रहे हैं।

कटारिया राजस्थान बीजेपी के अध्यक्ष रहने के साथ आठ बार विधायक और एक बार सांसद भी रह चुके हैं।

मोदी ने कटारिया को किया था फोन

गुलाबचंद कटारिया को राज्यपाल बनाने की चर्चाएं तो कई महीनों से थी, लेकिन हाल के दिनों में इसके संकेत मिलने शुरू हो गए थे। शुक्रवार को पीएम मोदी ने कटारिया से फोन पर बातचीत करके उनके हालचाल जाने थे।

माना जाता है कि उसी फोन के जरिए कटारिया को संकेत दे दिए थे। कटारिया ने मीडिया से बातचीत में इसकी जानकारी दी थी।

अब नेता प्रतिपक्ष कौन होगा?

कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद अब राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली हो गया है। अब बीजेपी जल्द ही नेता प्रतिपक्ष का चयन करेगी।

नेता प्रतिपक्ष कौन बनता है इस पर बीजेपी की आगामी सियासी दिशा तय होगी। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल सहित कई नेता रेस में हैं, लेकिन बदले हुए राजनीतिक हालात में चौंकाने वाला नाम आने की भी संभावना है।

कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद राजस्थान बीजेपी के अंदरूनी समीकरण भी बदलेंगे। कटारिया के बाद किसे जिम्मेदारी मिलती है, उससे अगले सीएम के तौर पर चेहरे का आकलन भी होगा। अगर हाईकमान किसी नए चेहरे को नेता प्रतिपक्ष बनाता है तो यह संकेत माना जाएगा।

दक्षिण राजस्थान में बीजेपी पड़ सकती है कमजोर

राज्यपाल बनने के बाद उदयपुर में पार्टी को नुकसान होने के सवाल पर कटारिया ने कहा- मैं सोचता हूं कि बीजेपी में व्यक्ति पर आधारित कुछ नहीं होता है। बीजेपी का संगठन नीचे तक बहुत सशक्त है, अब वह कमी नहीं है कि किसी के जाने से असर पड़े।

हमारा हर कार्यकर्ता मजबूत है, जिसे जिम्मेदारी मिलती है, उसे पूरी करता है। यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है इसके कारण से एक के बाद दूसरा अपनी जिम्मेदारी निभाता है।

कटारिया की दक्षिणी राजस्थान पर जबरदस्त पकड़ है। उदयपुर के साथ-साथ बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद जैसे जिलों की लगभग 25 सीटों को कटारिया प्रभावित करते रहे हैं।

कटारिया के प्रभाव का ही असर था कि 2018 में सत्ता गंवाने के बावजूद उदयपुर संभाग में 28 में से 15 सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की थी।

वहीं, उदयपुर जिले की 8 में से 6 सीटों पर बीजेपी काबिज हुई थी। इनमें से खुद कटारिया की उदयपुर शहर सीट भी शामिल थी।

उदयपुर में संभवतः उपचुनाव नहीं होंगे

कटारिया के राज्यपाल बनने से उदयपुर शहर की सीट भी रिक्त हो जाएगी। ऐसी स्थिति में उपचुनाव होते हैं, लेकिन राजस्थान विधानसभा के चुनाव में 9-10 महीने का समय ही बाकि है। सितंबर के आखिरी सप्ताह या अक्टूबर के पहले सप्ताह में आचार संहिता लगने के आसार हैं ।

ऐसे में महज 7 महीने के लिए संभवतः चुनाव आयोग उपचुनाव न कराए, लेकिन यह चुनाव आयोग के विवेक पर निर्भर करेगा। विधानसभा को सीट रिक्त होने की जानकारी चुनाव आयोग को भेजनी होगी।

कटारिया बोले- सरकार की होगी दुर्गति

असम का राज्पाल नियुक्त होने के बाद भी कटारिया के गहलोत सरकार पर हमले जारी हैं। बजट पर पूछे गए सवाल पर कटारिया ने कहा- सीएम गहलोत ने 2013 और पहले भी रेवड़ी बांटने का प्रयास किया था, लेकिन चुनावों में क्या हुआ, उनको मान्यता प्राप्त विरोधी दल जितनी भी सीटें नहीं मिलीं। बजट में कपोल कल्पित घोषणाओं का अंबार लगा दिया।

पैसा है नहीं, घोषणाएं पूरी कैसे होंगी? कटारिया ने कहा- मैंने कल से बजट को टटोलना शुरू किया है। आपके रेवेन्यू में बढ़ोतरी हुई नहीं, कर्जा लगातार बढ़ रहा है। पिछले बजट में 4 लाख 78 हजार करोड़ कर्ज होने का अनुमान था, लेकिन वह साल के अंत तक बढ़कर 5 लाख 16 हजार करोड़ हो गया।

इस बार 5 लाख 79 हजार करोड़ कर्ज का अनुमान दिया है, लेकिन देखना यह 6 लाख करोड़ पार करेगा। उन्होंने कहा कि साल 2013 के चुनावों में जिस तरह 21 रह गए थे, इस बार उससे भी बुरी दुर्गति होने वाली है।

महाराणा प्रताप पर बयान देकर चर्चा में आए थे

गुलाबचंद कटारिया को मुखर होकर बोलने वाले नेता के रूप में जाना जाता था। वे 2021 के उपचुनाव में राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी के प्रचार कार्यक्रम के दौरान महाराणा प्रताप को लेकर दिए एक बयान के बाद चर्चा में आए थे।

इस बयान का मेवाड़ सहित पूरे प्रदेश में घोर विरोध हुआ था। इससे पहले भी पीएम नरेंद्र मोदी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेकर दिए बयानों के लिए भी कटारिया चर्चा में रहे।

श्रीमाली या अल्का मूंदड़ा को मिल सकता है टिकट

उनके राज्यपाल बनने के बाद अब उदयपुर शहर जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली और बीजेपी महिला मोर्चे की प्रदेशाध्यक्ष अलका मूंदड़ा टिकट के अगले प्रमुख दावेदार हैं।

79 साल के कटारिया 30 साल से लगातार विधायक

गुलाबचंद कटारिया का जन्म 13 अक्टूबर 1944 को राजसमंद के देलवाड़ा में हुआ था। कटारिया ने एमए, बीएड और एलएलबी तक पढ़ाई की है। उनकी पांच बेटियां हैं। हायर एजुकेशन के बाद वे उदयपुर में प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने लगे थे। कॉलेज के समय में आरएसएस से जुड़ गए। कटारिया जनसंघ के दिग्गज नेता सुंदरसिंह भंडारी और भानुकुमार शास्त्री के साथ काम करने लगे थे।

कटारिया 1993 से लगातार विधायक हैं। उदयपुर विधानसभा सीट से 2003 से 2018 तक लगातार चार बार चुनाव जीते। 1993 में भी उदयपुर शहर से विधानसभा चुनाव जीते थे। 1998 में भी कटारिया ने विधानसभा चुनाव जीता था, मगर तब वे बड़ी सादड़ी सीट से चुनाव लड़े थे।

100 किलो चांदी लूटी

बाजार में टहलते हुए निकले डकैत, एक किलो गोल्ड भी ले गए; मालिक ने डकैती रोकने के लिए फायरिंग की

बारां, 12 फरवरी (एजेंसियां)। हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप में डकैती की वारदात की। बदमाश दुकान का शटर तोड़कर करीब 100 किलो चांदी, कुछ सोना समेत अन्य गहने लेकर फरार हो गए। दुकान में लगे सीसीटीवी में डकैती की पूरी वारदात कैद हो गई।

इसके अलावा आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाश डकैती के बाद जाते नजर आ रहे हैं। दुकान मालिक ने डकैती रोकने के लिए फायरिंग भी की, लेकिन बदमाशों को रोक नहीं सके।

सूत्रों के अनुसार बदमाश ज्वेलरी शॉप से 1 करोड़ रुपए का माल लेकर गए हैं। डकैती का यह मामला बारां जिले के छिपाबड़ौद कस्बे का है।

थानाधिकारी चंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि कस्बे के मुख्य बाजार में होली खूंट के पास ज्वेलर गौतम गोयल की ज्वेलरी शॉप है, जिसमें बड़ी मात्रा में चांदी और सोने की ज्वेलरी रखी थी।

रविवार सुबह करीब 3 बजे हथियारों से लैस 8 बदमाशों ने शॉप का शटर तोड़ा और 100 किलो चांदी समेत सोना और अन्य ज्वेलरी लेकर फरार हो गए।

यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की सूचना मिलने पर कस्बे के व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलने पर एसपी कल्याणमल मीणा सहित पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके से डॉग स्क्वॉड, एफएसएल टीम और साइबर सेल मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए।

सीसीटीवी में दिखे 8 हथियारबंद बदमाश

बाजार में कुछ दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में 8 बदमाश नजर आ रहे हैं, जिसमें वह डकैती के बाद चांदी लेकर जाते दिख रहे हैं। बदमाशों ने कंधों पर लूट का माल ले रखा है। इन बदमाशों के हाथ में हथियार भी नजर आ रहे हैं।

एसपी कल्याणमल मीना ने बताया कि ज्वेलरी शॉप से बदमाश करीब 100 किलो चांदी लेकर गए हैं। फिलहाल दुकानदार ने सोना चोरी होने की बात नहीं बताई है। एसपी ने बताया कि पुलिस ने मामले के आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें गठित कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पूरे जिले में नाकाबंदी करवाई है और हर गाड़ी की तलाशी ली जा रही है।

सभी थानों में आरोपियों की सीसीटीवी फुटेज भेजी गई है, जिसके आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। एसपी ने कहा कि जिस तरीके से यह पूरी वारदात की गई है।

उससे लगता है कि बदमाशों ने काफी समय पहले से इसकी पूरी योजना बना रखी थी। बदमाशों ने दुकान की रेकी की और फिर वारदात की।

पीड़ित किशन गोयल ने बताया कि उनके मकान के नीचे ही उनकी ज्वेलरी की दुकान है। रविवार अल सुबह करीब 4 से 4.30 बजे अचानक दुकान में खटपट की आवाज आई। दुकान के शटर की आवाज होने पर वह उठकर बाहर निकले।

बेरोजगारों ने खोला कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा

15 फरवरी से शहीद स्मारक पर देंगे धरना, उपेन ने छोड़ा अन्न

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के खिलाफ युवाओं ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। बजट में नई भर्तियों का ऐलान नहीं होने से नाराज बेरोजगार 15 फरवरी से सरकार के खिलाफ धरने पर बैठेंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने युवाओं से रोजगार देने का वादा किया था। लेकिन बजट में युवाओं के लिए एक भी नई नौकरी का ऐलान नहीं किया गया है। ऐसे में जब तक मुख्यमंत्री नई भर्तियों का ऐलान नहीं करेंगे। मैं अन्न ग्रहण नहीं करूंगा। उपेन यादव ने कहा कि सीएम गहलोत इस गलती को राज्य सरकार सुधारे और विभिन्न विभागों में खाली पड़े 3 लाख से ज्यादा पदों पर भर्ती निकालने की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक को लेकर जो एसटीएफ की घोषणा की है। वो एसओजी की निगरानी में काम करेगी। जो पहले ही विफल हो चुकी है। ऐसा में पेपर लीक के खिलाफ भी ठोस कदम उठाना होगा। तभी नकल माफिया पर अंकुल लग पाएगा। उपेन ने कहा कि कांग्रेस सरकार बजट रिप्लाई में सरकारी नौकरियों की घोषणा करके अपनी गलती में सुधार करें। अगर ऐसा नहीं हुआ तो युवा बेरोजगारों का आक्रोश चुनावों में भारी पड़ेगा। बता दें कि इस बार के बजट से प्रदेशभर के युवाओं को आशा था कि सरकार बड़ी संख्या में सरकारी भर्तियों की घोषणा करेगी। लेकिन इससे संबंधित कोई ऐलान नहीं होने के बाद बेरोजगारों में भारी नाराजगी है।

गहलोत बोले- रिटायरमेंट तो मैं अंतिम सांस तक नहीं लूंगा

कहा- मुझे सोनिया-राहुल-प्रियंका सबने सोच समझकर तीसरी बार सीएम बनाया होगा

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट पेश करने के बाद कांग्रेस में लंबी पारी खेलने का बयान देकर सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनने से जुड़े सवाल पर सीएम अशोक गहलोत ने कहा- वो चैप्टर क्लोज हो गया। फिर भी मैं इतना कह सकता हूं कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने में गर्व होता। मुख्यमंत्री से कई गुणा बड़ा पद कांग्रेस अध्यक्ष का होता है। वो चैप्टर क्लोज हो गया। मुझे कांग्रेस अध्यक्ष बनने में गर्व महसूस होता। जो कुछ होना होता है वह फिक्स होता है, जो कुछ होना था वह हो गया।

रिटायरमेंट तो मैं अंतिम सांस तक नहीं लूंगा

एक नेशनल टीवी चैनल से बातचीत में गहलोत ने कहा- रिटायरमेंट तो मैं अंतिम सांस तक नहीं लूंगा। आज 50 साल राजनीति में हो गए। मैं 20 साल की उम्र में राजनीति में आ गया था। एनएसयूआई से जुड़ गया था। वो दिन और आज का दिन। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हाईकमान ने मुझे हमेशा मौका दिया। चाहे इंदिरा गांधी हो, राजीव गांधी हो या सोनिया गांधी, सबने मौका दिया। सोनिया गांधी ने विश्वास करके मुझे मुख्यमंत्री बनाया। कुछ सोचकर ही बनाया होगा। तीन-तीन बार मैं मुख्यमंत्री बना हूं। सोनिया गांधी ने पहचान की मेरी तो कुछ सोचकर की होगी। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी सब लोगों ने तीसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर मेरा नाम तय किया।

दाएं-बाएं होने वाले हमारी पार्टी के नेता समझें, कांग्रेस के बिना हमें कौन पूछता?

गहलोत ने कहा- मुझे इतना चांस मिला जिंदगी का, कांग्रेस ने सब पहचान दी है हमारे कई लोग लेफ्ट-राइट होते रहते हैं। मैं उन्हें कहता हूं कि कांग्रेस का नाम हमारे साथ नहीं जुड़ा होता तो कौन पूछता। कांग्रेस परिवार ने पहचान दी है तो हमारा फर्ज बनता है कि अंतिम सांस तक जब तक हाथ-पैर चलें तब तक सेवा में लगे रहें।

मैं मन लगाकर काम करता हूं

सचिन पायलट से मतभेद होने और चुनाव किसके नेतृत्व में होंगे इस सवाल के जवाब में गहलोत ने कहा- मेरा तो अपना काम करने का तरीका यह है कि जो काम मुझे दिया गया है, मन लगाकर करते जाओ। मैं बहुत दिल लगाकर काम करता हूं।

अडाणी निवेश करने आए तो देश भर में मेरी और उनकी फोटो छपी

अडाणी के सवाल पर गहलोत ने कहा- अडाणी ने इंवेस्टमेंट समिट में 60 हजार करोड़ के निवेश के एमओयू किए। सोलर में निवेश का करार हुआ है। बीजेपी राज में कोल ब्लॉक मिले थे, जिसका राजस्थान सरकार के साथ अडाणी ने जॉइंट वेंचर बनाया। पावर प्लांट के लिए कोल सप्लाई पर हमारी अडाणी पर निर्भरता है।

बीजेपी राज में थर्मल पावर प्लांट लगाया था। अब अडाणी जब यहां आए और निवेश का एमओयू किया तो देश भर में मेरी और उनकी फोटो छपी। राहुल गांधी ने उसका अच्छा जवाब दिया था कि कोई निवेश करता है और नाजायज फायदा नहीं दिया तो कुछ गलत नहीं है। कोई निवेश करता है तो उसे मना नहीं कर सकते।

अडाणी पर राहुल के बयान की मंशा अलग

गहलोत ने कहा- जहां तक मैं समझता हूं राहुल गांधी की किसी से दुश्मनी नहीं है। वह व्यक्ति देश के लिए सोचता है। वह जनता माई-बाप है। वह तय करेगी कि सरकार किसकी बने और कौन मुख्यमंत्री बने। इस बार लग रहा है कि जनता हमें फिर से मौका देगी। चार साल बाद भी कोई सत्तविरोधी लहर नहीं दिख रही।

मॉडल देखना है तो राजस्थान का देखो

दिल्ली मॉडल पर बजट में घोषणाएं करने के सवाल पर गहलोत ने कहा- मॉडल न गुजरात का है न दिल्ली का है। मॉडल देखना है तो राजस्थान का देखिए। हमने एक से बढ़कर एक शानदार सकीम्स दी हैं। हमारे फैसलों की देश भर में चर्चा है। बजट के लिए पैसा कहां से आएगा इसके सवाल पर गहलोत ने कहा- मैं जादूगर हूं। पैसा जादू से आ रहा है। आपका वित्तीय प्रबंधन शानदार है और टैक्स का लीकेज नहीं है तो आप सब कर सकते हैं। पेट्रोलियम निकलने से रेवेन्यू बढ़ गया है। हमारा मैनेजमेंट शानदार है। कौन बेवकूफ होगा कि बिना पैसे के घोषणाएं करेगा।

इंटेलेक्च्युअल है। हर चीज के बारे में जानता है। जहां तक मैं समझ पाया हूं राहुल गांधी के बयान की मंशा अलग है। उनका कहने का मतलब है कि गरीबी-अमीरी की खाई ज्यादा नहीं बढ़नी चाहिए।

शिकार करने झपटा लेपर्ड दुम दबाकर भागा

बीच सड़क पर दौड़ते हुए आया, किससे डर गया खूंखार जानवर

अजमेर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। क्या एक लेपर्ड किसी गाय के बछड़े से डर सकता है...क्या गाय का बछड़ा लेपर्ड का सामना कर सकता है। अजमेर से एक ऐसा ही वीडियो सामने आया है। जहां बछड़े से डरकर लेपर्ड पहाड़ियों में भाग गया। इस दौरान वहां मौजूद ग्रामीण ने इसका वीडियो भी बनाया।

मामला अजमेर के टॉडगढ़ के दूधालेश्वर के जंगल का 9 फरवरी रात आठ बजे का है। दरअसल, यह एरिया जंगलों से घिरा है।

यहां एक बछड़ा सुनसान सड़क पर टहल रहा था। तभी पहाड़ियों से लेपर्ड अचानक बछड़े के सामने आ गया और शिकार करने का प्रयास करने लगा। लेपर्ड बछड़े की तरफ शिकार के लिए भी बढ़ा तभी वह उसके सामने हो गया।

इस दौरान लेपर्ड ने झपट्टा मारने की भी कोशिश की, लेकिन गाय के बछड़े ने सींग मारकर लेपर्ड को वहां से भगा दिया।

बछड़े को गांव तक लाए

दरअसल, जब ये घटना हुई तभी टॉडगढ़ गांव के युवक वहां से जीप से निकल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ये वीडियो बना लिया। युवक भी ये देख हैरान हो गए थे।

इसके बाद जीप में लाइट की रोशनी कर बछड़े को सुरक्षित गांव तक लाए। गांव के सुखदेव सिंह ने बताया कि ये सेंचुरी एरिया है। यहां लेपर्ड के साथ भालूओं की भी संख्या काफी ज्यादा है।

यहां लेपर्ड सहित भालू व अन्य जंगली जानवर आए दिन दिखाई देते हैं। भूख-प्यास के चलते ये इन जंगलों से कई बार बाहर आ जाते हैं।

टॉडगढ़-रावली अभ्यारण्य में काफी लेपर्ड हैं। ग्रामीणों की मानें तो भूख और प्यास के चलते जंगली-जानवर कई बार जंगल का रास्ता भटक गांव की तरफ आ जाते हैं। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट के अनुसार अब गर्मी जैसे बढ़ेगी, इनके जंगलों में भूख प्यास मिटाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होंगे और ये रास्ता भटककर आबादी क्षेत्र के आस पास पहुंचेंगे।

टॉडगढ़-रावली से जुड़ी ब्यावर रेंज दस हजार हेक्टेयर में फैली हुई है। इस क्षेत्र में माइनिंग भी हो रही है। ऐसे में लेपर्ड यहां असुरक्षित हैं। इस पूरे जंगल के करीब 200 किमी एरिया में जंगली-जानवरों का कॉरिडोर बना हुआ है।

कई बार रावली अभ्यारण्य से निकलकर यह लेपर्ड ब्यावर रेंज में आ जाते हैं और ये एरिया महज चालीस से पचास किलोमीटर तक ही है। इन एरिया में भी माइनिंग होने की वजह से इनका नैचुरल हैबिटेट भी प्रभावित हो रहा है।

जयपुर में पति-पत्नी ने लगाई आग, पति की मौत

जयपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। आमेर इलाके में आपसी विवाद के चलते पति-पत्नी ने आग लगाई, पति की जिंदा जलने से मौत हो गई।

जयपुर में आपसी विवाद के चलते शुक्रवार रात पति-पत्नी ने एक-दूसरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। कमरा बंद कर लगाई आग में जिंदा जलने से पति की मौत हो गई। गंभीर झुलसी हालत में पत्नी का SMS हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। आमेर थाना पुलिस मामले की गंभीरता से जांच करने में जुटी है। एसएचओ नंदलाल नेहरा ने बताया कि मृतक कालूराम मीणा (27) कुंडा चैक पोस्ट चौराहा का रहने वाला था। पत्नी संतोष मीणा (25) का बर्न वार्ड में उपचार जारी है। जांच में सामने आया है कि कालूराम पास ही स्थित पेट्रोल पंप पर नौकरी करता था। दोनों की शादी 2 साल पहले हुई थी। दंपती के 6 महीने पहले ही एक बेटी हुई थी। उस समय संतोष अलवर निवासी बहन के पास थी। वह हाल ही में बेटी को बहन के पास छोड़कर पति कालूराम के पास आई थी। रात करीब 8 बजे कालूराम बोतल में पेट्रोल लेकर घर पहुंचा था। यहां पर दोनों ने कमरा बंद कर एक-दूसरे पर पेट्रोल उड़ेलकर आग लगा ली। इसके बाद दोनों चिल्लाते हुए इधर-उधर भागे तो परिजनों को पता चल गया। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरो ने शनिवार सुबह कालूराम को मृत घोषित कर दिया। पत्नी संतोष के बयान होने के बाद ही खुलासा हो पाएगा। पुलिस प्रथमदृष्टया मामला आपसी विवाद का मान रही है।

अजमेर में 17 साल की नाबालिग से जंगल में रेप

अजमेर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले के मांगलियावास थाना क्षेत्र में 17 साल की नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़िता को उसके रिश्तेदार के घर से बहला-फुसलाकर जंगलों में ले गया और वारदात को अंजाम दिया। वारदात के उसकी अश्लील वीडियो के जरिए पीड़िता से लाखों रुपए हड़प लिए। पीड़िता ने आरोपी की धमकियों से परेशान होकर घटना की जानकारी अपने पिता को दी। पिता ने मामले की शिकायत मांगलियावास थाने में दी है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच थाना प्रभारी सुनील ताड़ा के द्वारा की जा रही है। मांगलियावास थाना पुलिस के अनुसार थाने पर उपस्थित होकर पीड़ित पिता ने शिकायत दर्ज करवाई की 20 फरवरी 2021 को उसकी 17 साल की पुत्री अपने रिश्तेदार के घर गई हुई थी। सुमेर नाम का व्यक्ति रिश्तेदार के घर से उसे बहला-फुसलाकर जंगलों में ले गया और उसके साथ जबरन नाजायज संबंध बनाए गए। वारदात के दौरान आरोपी द्वारा चालाकी से उसकी वीडियो भी बना ली गई। पिता ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसकी बेटी से रुपए वसूलना शुरू कर दिया। बेटी के द्वारा आरोपी की धमकियों से परेशान होकर घर की अलमारी से 3.50 लाख रुपए चोरी छुपे आरोपी को दिए गए। पीड़ित पिता ने बताया कि जब उन्हें पैसे चोरी होने की जानकारी मिली तो उन्होंने अपनी बेटी को हॉस्टल में भी डाल दिया।

'एक शाम गौमाता के नाम' में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद पालमाकुल विलेज में बसी ओम शिवमंदिर गौशाला में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच बालानगर शाखा के तत्वावधान में छत्तीस कोम गौभक्तों के सान्निध्य में एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण का आयोजन किया गया। प्रेस विज्ञप्ति मे युवा मंच के केसाराम जाट ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरुदेव वासुदेवजी महाराज व गौमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित व ज्योत जलाकर किया गया। गणेश वंदना के साथ भजन गायकार डॉ.ओमजी मुंडेल ने अपनी मधुर वाणी में भजनों का शुभारम्भ करते हुए गौशाला प्रांगण को भक्तिमय बनाने के लिए अपने चिर-परिचित अंदाज मे कॉमेडी चुटकलों के साथ मारवाड़ी भजन लीलण सिंगारे, पाबुजी महाराज व भैरुजी महाराज के भजन प्रस्तुत करते हुए गौभक्तों व महिला कार्यकर्ताओ को देर रात तक झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया। अवसर पर गौभक्तों ने एक शाम गौमाता के नाम विशाल जागरण मे गौसेवार्थ दान-पुण्यकर राशी की बोलियों मे बढचढकर भाग लिया। कार्यक्रम के मध्य रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इसमें बहुत से भक्तों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों, रक्तदान शिविर के आयोजकों, विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष, पदाधिकारियों, गौसेवार्थ दान-पुण्य करने वाले भामाशाहों एवं कार्यकर्ताओं ने राजस्थानी साफे, दुपट्टे व मोमेन्टों से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पधारे गौभक्तों के लिए सांय 7 बजे से गौप्रसादी की विशेष व्यवस्था की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अशोक चौधरी, केसाराम जाट, मोतीराम देवासी, दिलीप सीरवी, राजु सीरवी, शंकर चौधरी, राधेश्याम, जसवन्त बिश्नोई, नारायणलाल जाखड़, संजू भाई, नारायणलाल चौधरी, मंगलाराम सीरवी, सुनिल शर्मा, भूपेन्द्र राठौड़, सुरेन्द्र, पिंटू शर्मा, अशोक कुमार, पत्रकार परबत सोलंकी व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप, भारत की पाकिस्तान पर 5वीं जीत

7 विकेट से जीता पहला मुकाबला, जेमिमा रोड्रिग्ज का अर्धशतक

केप टाउन, 12 फरवरी (एजेंसियां)। जेमिमा रोड्रिग्ज और रिचा घोष की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारतीय टीम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से आगाज किया है। हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में उतरी टीम इंडिया ने अपने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया है। टीम का अगला मुकाबला 15 फरवरी को केप टाउन पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेला जाएगा।

यह टीम इंडिया की वर्ल्ड कप में पाक पर 5वीं जीत है। विमेंस टी-20 क्रिकेट के इतिहास में भारत ने पाकिस्तान को 11वीं बार हराया है।

केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर रविवार को पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 149 रन बनाए।

टीम की ओर से आयेशा नसीम ने 25 गेंदों पर 43 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं, कप्तान बिस्माह मरूफ ने 55 गेंद पर नाबाद 68 रन का योगदान दिया।

जवाब में टीम इंडिया ने 6 बॉल शेष रहते तीन विकेट पर जीत के लिए जरूरी रन बना लिए। टीम की ओर से जेमिमा रोड्रिग्ज ने (53 रन) अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने रिचा घोष के साथ 33 गेंदों पर 58 रनों की अविजित साझेदारी की।

अग्र महिला मंच तेलंगाना की शिवमय फूलों की होली 16 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक बाला त्रिपुरा देवी मंदिर परिसर दोमलगुड़ा में आयोजित की गई थी। मंच की अध्यक्षा श्रीमती दीपा गर्ग ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 16 फरवरी गुरुवार को मध्यान्ह 1 से 4 बजे बशीरबाग स्थित बाबूखान एस्टेट सातवीं मंजिल पर मंच द्वारा संचालित प्रसिद्ध गायक गोपाल मिश्रा के द्वारा सुंदर शिव पार्वती व राधा कृष्ण के भजनों की गंगा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही इसके अंतर्गत महिलाओं के लिए शिव पार्वती, राधा कृष्ण के वेशभूषा की प्रतियोगिता रहेगी सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगी (युगल जोड़ी) को सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणि अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, मीता पंसारी, अनिता अग्रवाल, सरला जिंदल ने उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर में की गई पूजा-अर्चना

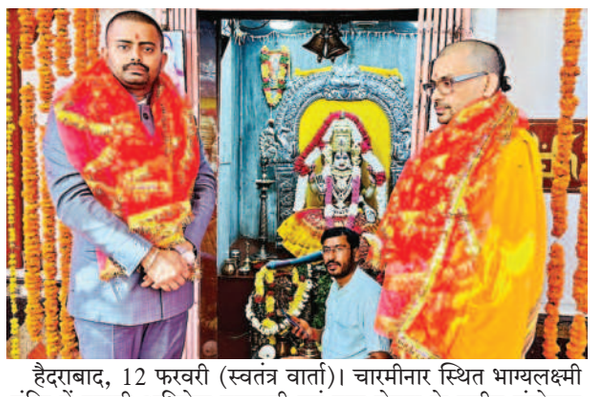

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी एवं युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने दर्शन-पूजन किया। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि माता भाग्यलक्ष्मी की कृपा होगी तो भारत विश्वगुरु बनेगा। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि देवी पापियों का संहार करे। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की आजादी के बाद भी कई सरकारों ने भारतीय संस्कृति के संवर्द्धन हेतु प्रयास नहीं किया। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सनातन धर्म का ध्वज लहर रहा है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता के संवर्द्धन हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार काम हो रहा है।

जनसमस्याओं को सुलझाने में बीआरएस सरकार विफल : एनवीएसएस

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएस प्रभाकर ने प्रजा घोषा-भाजपा भरोसा जनजागरुकता कार्यक्रम के संबोधित करते हुए शहर के निवासियों को पानी की मुफ्त आपूर्ति लागू नहीं करने के लिए नगर मंत्री केटीआर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर नगर के लोगों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराने की केटीआर की घोषणा सही साबित नहीं हुई, वहीं दूसरी ओर वाटर वर्क्स के कर्मचारी गरीबों से अधिक से अधिक जल कर वसूल रहे हैं। बिजली विभाग भी उपभोक्ताओं से जबरदस्ती यूसीडी शुल्क वसूल रहा है। प्रभाकर ने जीएचएमसी सीमा में मिशन काकतीय कार्यक्रम कार्यान्वयन पर केटीआर को चुनौती दी, जो शहर में एक असफल कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी कार्यालय में भ्रष्टाचार और पुलिस थानों में बस्तियां, आबकारी विभाग द्वारा बेल्टशॉप को बढ़ावा देना बीआरएस सरकार की प्रमुख उपलब्धियां हैं। पूर्व विधायक ने यह भी कहा कि सरकार की कमियों का पर्दाफाश करने के लिए भाजपा शहर में कई और नुक्कड़ सभाएं आयोजित करेगी। बाद में आयोजकों को प्रतिभागियों को बीआरएस नियम पर अपनी असहमति और विरोध दिखाने के लिए 6359119119 पर मिस्ड कॉल देने के लिए कहा गया। नचाराम में आयोजित कार्यक्रम में शक्ति केंद्र प्रमुख आर. मोहनरेड्डी की अध्यक्षता में बूथ अध्यक्ष लोकेश, श्रीधर रेड्डी, प्रताप रेड्डी, श्रीमती अनीता, मंडल अध्यक्ष एम.प्रकाश, वरिष्ठ नेता ए. पद्मारेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक दुर्गा प्रसाद बंसल के कार्यालय में उन्हें की प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। कहीं अग्र बंधुओं ने यहां पर इस कार्यालय में अपने पुत्र पुत्री विवाह संबंधित बायोडाटा का लाभ लिया और आपस में विचार विमर्श किया। इस संस्था को अभी तक 4 वर्षों से ऊपर इस कार्य को करते हुए हो चुके और करीब 1300 संबंध से ऊपर इस संस्था द्वारा हो चुके। किसी भी अग्रबंधु के यहां विवाह योग्य पुत्र या पुत्री हो तो हर रविवार यहां पर आकर अपने योग संबंधित वर-वधु के लिए बायोडाटा का लाभ ले सकते हैं और यह सेवा बिल्कुल निशुल्क है। बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, रमेश, अरविंद गोयल, विनय अग्रवाल, ज्ञानेश्वर अग्रवाल, पवन, रविंदर, रमेश, महेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, नरेंद्र गर्ग, श्रीमती संतोष देवी बंसल, अनीता अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बंडी ने सीएम पर विधानसभा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने रविवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहने के लिए राज्य विधानसभा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। जगतियाल जिले के कोरूटला में पार्टी कार्यकर्ताओं की नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए संजय ने सीएम केसीआर की विधानसभा में प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने, किसी ऐसे व्यक्ति पर कोई टिप्पणी नहीं करने की परंपरा से विचलित होने की निंदा की, जो पार्टी का सदस्य नहीं है। स्पीकर क्या कर रहे थे जब मुख्यमंत्री खुद विधानसभा की परंपराओं का उल्लंघन कर रहे थे और प्रधानमंत्री का अपमान कर रहे थे? उन्हें तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए थी, तेलंगाना में किए गए विकास और भारत राष्ट्र समिति द्वारा किए गए वादों के बारे में बताने के बजाय, केसीआर ने सदन के पटल पर भाजपा और मोदी पर हमला करने की मांग की।

अग्रवाल समाज प्रतिनिधिमंडल ने की सुनील बंसल से मुलाकात

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और तेलंगाना, पश्चिम बंगाल तथा ओड़िशा राज्यों के प्रभारी सुनील बंसल से उनके हैदराबाद भ्रमण के अंतर्गत आबिद स्थित भाजपा कार्यालय में मुलाकात की। समाज उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी के नेतृत्व में उक्त मुलाकात में समाज के मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, केएस सदस्य अशोक बंसल और टी. सुनील कुमार के साथ ही घनश्याम दास बंसल, अंचल गुप्ता, मनोज बंसल, भाजपा के स्थानीय नेता उमा महेश्वर राव और अन्य उपस्थित थे। उक्त प्रतिनिधि मंडल द्वारा सुनील बंसल को सम्मानित किया गया। समाज उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने बंसल को अग्रवाल समाज, तेलंगाना संघटन के साथ ही राज्य में अग्रवाल समुदाय से संबंधित जानकारियां प्रदान की। सुनील बंसल ने तेलंगाना राज्य में अग्रवाल समाज, तेलंगाना के मजबूत संघटन तथा किए जा रही विभिन्न गतिविधियों और सामाजिक कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय और तेलंगाना राज्य स्तर वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।

राज्यस्तरीय स्कूल फिस्टबॉल प्रतियोगिता में हैदराबाद टीम विजता रही

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट न्यू बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड में तेलंगाना फिस्ट बॉल एसोसिएशन के सहयोग से दो दिनों से चल रही श्रीपति वेंकट राव मेमोरियल प्रथम राज्यस्तरीय स्कूल फिस्टबॉल प्रतियोगिता आज समाप्त हो गई। हैदराबाद की टीमें फाइनल में पहुंचीं और फाइनल में अंतरराष्ट्रीय दिग्गज एथलीट मैरी लक्ष्मण रेड्डी ने मुकाबला किया। फाइनल प्रतियोगिता फिस्टबॉल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जम्पना प्रताप व श्रीपति रघु चरण ने प्रारंभ किया।

इस फाइनल मुकाबले में हैदराबाद की टीम ने रंगारेड्डी की टीम के खिलाफ जीत हासिल की, जबकि जूनियर बालक वर्ग में वशिष्ठ स्कूल वारंगल की टीम फाइनल में है। हैदराबाद की टीम के खिलाफ सेंट पीटर्स ने प्रतियोगिता जीती। बालिका वर्ग में कस्तूरबा गर्ल्स कॉलेज हैदराबाद की टीम ने बीएनआर स्कूल मेडचल की टीम को हराया। इसी तरह, सीनियर गर्ल्स वर्ग में विला मारी कॉलेज सोमाजीगुडा की टीम ने सेनाई हैदराबाद की टीम पर जीत हासिल की। समापन समारोह में मैरी लक्ष्मण रेड्डी मुख्य अतिथि थे। विजेता टीम के सदस्यों को ट्राफी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में फिस्टबॉल एसोसिएशन के सचिव कोमू वेंकट ने भाग लिया।

डीवी कॉलोनी में लोढा भाइया संघ द्वारा आयोजित बडवासन माता के मासिक जाप कार्यक्रम में ए. गौतम जैन लोढा का सम्मान किया गया। अस अवसर पर उपस्थित हैं नरपतचंद लोढा, प्रवीण, विमल, किशोर, ज्ञान, हर्ष व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

हमारी नीतियां ...

उन्होंने कहा, महर्षि ने सामाजिक भेदभाव और छुआछूत जैसी समाज की कुरीतियों के खिलाफ अभियान शुरू किया। हमारे इतिहास और परम्पराओं को दूषित करने का प्रयास किया गया। उसी समय महर्षि दयानंद जी के प्रयास समाज में संजीवनी के रूप में प्रकट हुए और उनका कायाकल्प किया।

मोदी ने कहा कि महर्षि जी ने समाज में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव का विरोध किया। उन्होंने महिला शिक्षा के लिए कार्यक्रम शुरू किया। करीब 150 साल पहले वह इन बुराइयों के खिलाफ खड़े हुए थे। महर्षि जी ने राष्ट्र और समाज के हर पहलू के प्रति एक समग्र, समावेशी और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया।

महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ था। वह एक समाज सुधारक थे, जिन्होंने सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने लोगों को संदेश दिया कि 'वेदों की ओर लौटो' अर्थात् उनका मानना था कि वेदों में ही जीवन की सत्यता है। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश नाम की किताब भी लिखी है।

13 राज्यों में ...

कोश्यारी के साथ इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नितिन गडकरी और एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे।

उत्तराखंड के कुमाऊं में जन्मे कोश्यारी 2004 से 2007 तक राज्य के भाजपा अध्यक्ष थे। 2000 में उन्हें नए राज्य उत्तरांचल में मंत्री बनाया गया। 2001 में वे मुख्यमंत्री बने। 2002 में विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 2007 में विधानसभा चुनाव जीतने पर भी भाजपा ने कोश्यारी की जगह भुवन चंद्र खंडूरी को मुख्यमंत्री बनाया था। 2014 में कोश्यारी नैनीताल सीट से जीते, 2019 में उन्हें टिकट नहीं दिया गया। इसके बाद उन्हें 2019 में महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया है। जस्टिस नजीर 4 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए हैं। 40 दिन बाद ही उन्हें गवर्नर बना दिया गया है। जस्टिस नजीर राम मंदिर पर फैसला देने वाली बेंच में शामिल थे। उन्होंने मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला दिया था।

रिटायरमेंट के वक्त जस्टिस नजीर ने कहा था, अगर 9 नवंबर 2019 को आए फैसले में उन्होंने अपनी राय अलग रखी होती तो अपने समुदाय के हीरो बन गए होते। लेकिन जस्टिस नजीर ने समुदाय नहीं, देश के बारे में सोचा था। देश के लिए सब न्योछावर है। इसके अलाव जस्टिस अब्दुल नजीर ट्रिपल तलाक और डिमोनेटाइजेशन जैसे मामलों पर फैसला देने वाली बेंच में भी शामिल रहे हैं।

रमेश बैस छत्तीसगढ़ भाजपा के वेटेरन लीडर हैं। वे लगातार सात बार लोकसभा सांसद रहे हैं। इससे पहले वे त्रिपुरा और झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं। अब उन्हें महाराष्ट्र की कमान सौंपी गई है। बैस ने हेमंत सोरेन सरकार के झारखंड वित्त विधेयक 2022 को लौटा दिया था। वहीं, हेमंत सोरेने के इलेक्शन से जुड़े मामले में उनके बयान पर काफी विवाद हुआ था।

फरार छोटा शकील...

मई 2019 में पुलिस ने सिद्दीकी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ सबूत मिले थे। इसके बाद उसके खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी। जांच के दौरान पुलिस को सिद्दीकी और छोटा शकील सहित छह लोगों के मामले में शामिल होने के सबूत मिले थे।

श्री जैन गोशाला किसरा में लपसी और एक गाड़ी हरा चार की सहयोग करते हुए सुकनराज मूणोत, अशोककुमार चनोदिया, जयन्तीलाल भण्डारी, दिनेश कुमार भण्डारी, अशोक कुमार लूनिया, जयन्तिलाल कटारिया, नवरत्न गांधी, घिसूलाल पोकरणा महावीर चंद प्रकाश चौड़ारी, ललित कुमार गांधी व अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा के पूर्व अध्यक्ष एवं आंध्र तेलंगाना प्रांत के पूर्व उपाध्यक्ष मदनलाल प्रजापति को कीर्ति आर्ट्स एकेडमी द्वारा विवेकानंद स्वामी विशिष्ट पुरस्कार प्रदान करते हुए श्रीम मंत्री सीएच मल्लारेड्डी।

रोहित बोले-इंडियन बॉलर्स को संभालना मुश्किल

कोई 250 तो कोई 450 विकेट के करीब, किसी को 5 विकेट चाहिए; कहते हैं मुझे बॉल दे यार

जामथा, 12 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला पारी और 132 रनों से जीता। इसके साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा इरफान पठान से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इंडियन बॉलर्स की एक आदत का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों को रोकना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है।

रोहित ने कहा, 'मुझे सच में रिकार्ड्स के बारे में पता नहीं रहता है। ये लोग आते हैं और मुझसे कहते हैं कि मैं 250 के पास हूं, मुझे बॉल दे यार, वो 450 के पास हैं, मुझे बॉल दे यार। मेरे 4 विकेट हो गए, मुझे 5 चाहिए।'

सिराज को संभालना होता है मुश्किल- रोहित

रोहित ने कहा- सिराज को संभालना मुश्किल होता है। त्रिवेंद्रम में श्रीलंका को हमने 22 ओवर में ही ऑल आउट कर दिया था। सिराज 4 विकेट पर था। उसने उन 22 ओवरों में 10 ओवर फेंके, क्योंकि उसे 5 विकेट चाहिए थे। वो रुक ही नहीं रहा था। मैंने उससे बोला कि टेस्ट सीरीज भी आ रही है।

अश्विन ने दूसरी पारी में लिए 5 विकेट

नागपुर के जामथा क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को 91 रनों पर ऑलआउट कर दिया। कंगारू टीम से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए।

मार्नस लाबुशेन 17 रन का योगदान दिया। जबकि डेविड वॉर्नर और एलेक्स कैरी 10-10 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 5 विकेट हासिल किए।

मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। अक्षर पटेल को एक विकेट मिला।

इससे पहले, भारत की पहली पारी 400 रन पर समाप्त हुई। ऐसे में मेजबानों को पहली पारी में 223 रनों की बढ़त मिली थी। कप्तान रोहित शर्मा ने 120, अक्षर पटेल ने 84 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने 70 और मोहम्मद शमी ने 37 रन की उपयोगी पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू कर रहे टॉड मर्फी ने 7 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रन पर सिमटी थी।

रियल मैड्रिड ने रिकॉर्ड पांचवीं बार क्लब विश्व कप जीता

फाइनल में अल हिलाल को 5-3 से हराया

खेल डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। क्लब विश्व कप के फाइनल में रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को 5-3 के अंतर से हराया। रियल मैड्रिड के लिए फाइनल में विंसियस जूनियर औक फेडे वालवेर्ड ने दो-दो गोल किए। एक गोल करीम बेंजेमा के नाम रहा।

रियल मैड्रिड ने रिकॉर्ड पांचवीं बार क्लब विश्व कप जीत लिया है। मोरक्को में शनिवार को फाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को 5-3 से हराया। मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर और फेडे वाल्वरडे ने दो-दो गोल किए, जबकि करीम बेंजेमा ने भी खिताबी मुकाबले में गोल कर शानदार वापसी की।

पिछले सीजन में चैंपियंस लीग जीतकर इसके लिए क्वालीफाई करने वाली कार्लो एंसेलोटी की टीम ने विपक्षी टीम को एकतरफा अंदाज में हराया। इसके साथ ही इस टीम ने अगस्त में यूरोपीय सुपर कप जीतने के बाद सीजन का दूसरा बड़ा खिताब हासिल किया।

रबात के प्रिंस मौले अब्देलह स्टेडियम में मैड्रिड की जोरदार जीत ने इसने उनके ला लीगा अभियान से भी स्वागत योग्य राहत प्रदान की, जहां वे प्रतिद्वंद्वी टीम बार्सिलोना से आठ अंक पीछे

हैं, जिन्होंने उन्हें जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में भी हराया था। मैड्रिड ने 1960, 1998 और 2002 में तीन इंटरकांटिनेंटल कप जीते।

एंसेलोट्टी ने इस जीत पर कहा हम बहुत खुश हैं, आठवीं बार मैड्रिड विश्व के चैंपियन हैं, यह वही था जो हमें करना था। हम खुश हैं, यह एक अच्छा मैच था। मुझे लगता है कि हम सामने अच्छे थे, विनीसियस, करीम, वाल्वरडे के साथ, जिन्होंने दो गोल किए, और टीम में गतिशीलता और गुणवत्ता थी।

एंसेलोटी ने बेंजेमा को शुरुआती लाइन-अप में वापस ला दिया, जब वह जांघ की चोट के साथ अल अहली पर सेमी-फाइनल जीत से चूक गए थे, जब रोड्रिगो बेंच पर गिर गए थे। 35 वर्षीय स्ट्राइकर ने ब्राजीलियाई विंगर को गोल के माध्यम से भेजने के लिए एक छोटे से पास के साथ विनीसियस के लिए शुरुआती लक्ष्य बनाया।

स्टैंड से नस्लवादी दुर्व्यवहार और पिच पर विरोधियों का निशाना बनने के कारण स्पेन में एक निराशाजनक स्पेल के बाद, विनीसियस मोरक्को में शानदार लय में थे और टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

एंसेलोट्टी इस पर कहा, हम उससे खुश हैं क्योंकि वह लगातार सुधार कर रहा है, वह कहीं अधिक प्रभावी है। वह लगभग सभी मैचों में स्कोर करता है और उन सभी में अंतर बनाता है।

विश्व चैंपियन का खिताब हासिल करने के लिए जावी हर्नांडेज के बार्सिलोना के साथ अपनी घरेलू लड़ाई से एक छोटा ब्रेक लेने में खुशी हुई, पूरी टीम के लिए भी ऐसा ही हुआ। एंसेलोटी ने कहा, हम सुधार कर रहे हैं। यह ट्रॉफी हमें बाकी सीजन के लिए ऊर्जा देगी।

वाल्वरडे ने डिफेंडर अली अल्बुलाही के जरिए दूसरा गोल किया, जिससे गोलकीपर अब्दुल्ला अल-मयूफ भौचक्का रह गए। पूर्व पोर्टो स्ट्राइकर मौसा मरेगा ने 2021 एशियन चैंपियंस लीग विजेताओं के लिए एक शॉट पीछे खींच लिया, एंड्री लुनिन से एक शॉट फिसल गया, जिसे इसे बाहर रखने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए था।

चोटिल कर्टोइस की जगह मैदान में आए यूक्रेनी गोलकीपर अपना जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन जीत के बावजूद उनके पास भूलने के लिए एक मैच था। एक छोटी अवधि के लिए ऐसा लग रहा था कि सऊदी अरब की टीम वास्तव में अपने अधिक शानदार प्रतिद्वंद्वियों का परीक्षण करने जा रही है, लेकिन मैड्रिड ने दूसरे हाफ में एक गियर बढ़ाया और एक मनोरंजक जीत हासिल की।

विनीसियस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में बेंजेमा को अपने बूट के बाहरी हिस्से का उपयोग करते हुए एक आश्चर्यजनक क्रॉस के साथ सेट किया और फ्रेंच फॉरवर्ड ने क्लोज रेंज से कोई गलती नहीं की। उरुग्वे के मिडफील्डर वाल्वरडे ने डिफेंडर दानी कारवाजल के साथ एक चालाक संयोजन के बाद अपना दूसरा गोल किया, फॉर्म में गिरावट के बाद फिर से अपनी फॉर्म और गोल ढूंढा।

दिल्ली टेस्ट से बाहर हो सकते हैं वार्नर

पहले टेस्ट में स्पिनर्स के सामने हुए परेशान

खेल डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। नागपुर टेस्ट में 132 रनों और पारी की मिली हार से परेशान ऑस्ट्रेलियाई टीम दिल्ली टेस्ट में प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकता है। चार टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच 17 फरवरी से दिल्ली में खेला जाना है। नागपुर टेस्ट में दोनों पारी में फ्लॉप रहे ओपनर डेविड वॉर्नर को प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। वार्नर नागपुर टेस्ट में स्पिनर्स के सामने जूझते नजर आए। उन्हें नागपुर टेस्ट में पहली पारी में शमी ने एक रन पर और दूसरी पारी में अश्विन ने दस रन पर पवेलियन की राह दिखाई।

दूसरी पारी में उनको को एक जीवनदान भी मिला था। कोहली ने उनका कैच छोड़ दिया था। उसके बाद वार्नर उसका फायदा नहीं उठा पाए और सस्ते में अश्चिन को अपना विकेट दे दिए। वह भारतीय स्पिनरों के सामने पहली गेंद से ही संघर्ष करते नजर आए। दिल्ली में भी नागपुर की तरह स्पिनर्स की मार्फत पिच होने की संभावना है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम वार्नर की जगह टीम में शामिल दूसरे ओपनर ट्रेविस हेड को शामिल करने का विचार कर रहा है।

हेड इस समय टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने साल 2022 में 10 मैच खेले थे और 50.38 की औसत से 655 रन बनाए थे। इस साल उन्होंने एक टेस्ट मैच खेला है और 70 रन बनाए हैं। टेस्ट रैंकिंग में वह चौथे स्थान पर हैं। हेड टेस्ट में तेजी से बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और वह स्पिन भी अच्छी खेल लेते हैं।

मिचेल स्टार्क भी दिल्ली में पहुंचे

भारतीय दौरे के लिए शामिल मिचेल स्टार्क दिल्ली पहुंच चुके हैं। वह चोट की वजह से टीम के साथ भारत नहीं आए थे। वह पहले टेस्ट के लिए टीम के साथ नहीं थे। अब दूसरे टेस्ट में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को मैच खत्म होने के बाद पत्रकारों से कहा, 'स्टार्क दिल्ली कल तक आ जाएंगे। जोश हेजलवुड दिल्ली टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं। कैमरून ग्रीन पहले से बहुत बेहतर हैं। मुझे उम्मीद है कि वह दूसरा मुकाबला खेलेंगे। वह गेंदबाजी भी कर रहे हैं। आने वाले कुछ दिन हम उनके खेल को अच्छी तरह से देखेंगे।'

दिल्ली में तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है ऑस्ट्रेलिया

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो दिल्ली में नागपुर की तरह ही पिच होने की संभावना है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दिल्ली में तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है। नागपुर टेस्ट में गिरे 30 विकेट में से 24 विकेट तो दोनों टीमों के स्पिनर्स ने लिए। नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम दो स्पिनर नाथन लायन और टॉड मर्फी के साथ उतरी थी। उन्हें तीसरे स्पिनर्स की कमी महसूस हो रही थी। वहीं भारतीय टीम तीन स्पिनर्स रविंद्र चंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ उतरी थी। तीनों ने शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए विवश कर दिया। ऐसे में दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकती है।

टीम में शामिल यह 26 वर्षीय लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट चुके हैं। उनकी जगह मैथ्यू कुह्नमैन को टीम के साथ जोड़ा गया है। ऐसे में दिल्ली टेस्ट में उन्हें मौका मिल सकता है। कुह्नमैन का हाल में खत्म हुए बिग बैश लीग सीजन में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था।

कुह्नमैन ने 18 मैचों में 16 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं इससे पहले जब पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ए टीम ने श्रीलंका का दौरा किया था वहां कुह्नमैन ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। अभी तक 12 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके कुह्नमैन ने 34 की औसत से 32 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि उन्हें कंगारू टीम तभी शामिल कर सकती है जब कैमरून ग्रीन पूरी तरह से फिट होकर वापसी करेंगे।

ड्रेसिंग रूम में बैठना मुझे पसंद नहीं

आर अश्विन ने कहा - मैं चाहता था कि तीसरे नंबर पर आ कर बल्लेबाजी करूं

नागपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को पारी और 132 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन ने 5 विकेट लिए। अश्विन भारत की पहली पारी में नाईट वॉचमैन बन कर भी उतरे। उन्होंने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की। तीसरे नंबर पर आने के लिए अश्विन ने पुजारा का शुक्रिया किया। मैच के बाद अश्विन ने कहा कि मैं वहां जाकर बल्लेबाजी करना चाहता था। घंटों ड्रेसिंग रूम में बैठे-बैठे मुझे ठीक नहीं लग रहा था। मैं वास्तव में वहां जाकर बल्लेबाजी करने के लिए उत्सुक था। मुझे जाने का मौका भी मिला।

अश्विन आगे बताते है कि, पुजारा ने मुझे बुलाया। मैंने उनसे पूछा कि क्या मुझे नाईट वॉचमैन बन कर आने चाहिए। उन्होंने कहा - हां अभी 20 मिनट बचे हैं।

फुल लेंथ बोलिंग ने मदद की

अश्विन ने अपने बॉलिंग परफॉरमेंस के बारे में बात करते हुए बताया कि विकेट धीमा था, इसलिए मैंने फुल लेंथ बॉलिंग की। बॉलिंग बढ़िया चल रही थी और विकेट आ रहे थे, इसलिए मैंने ज्यादा वैरियेशन नहीं किए।

नाईट वॉचमैन बन कर आए अश्विन ने 62 बॉल पर 23 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 2 चौके और 1 छक्का मारा। डेब्यूटांट टॉड मर्फी ने उनका विकेट लिया।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 97 रनों से हराया, एलिसा हीली का अर्धशतक

खेल डेस्क, 12 फरवरी (एजेंसियां)। पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 97 रनों से हराया। पहले बैटिंग करते हुए पार्ल के बोलैंड पार्क में ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित ओवर में 173-9 स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली के 55 रन, कप्तान मेग लैनिंग के 41 और एलिसे पेरी के 40 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 14 में 76 रन पर ऑलआउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया की ऑफ ब्रेक स्पिनर एशले गार्डनर ने 5 विकेट लिए। मेंस और विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

ओपनर एलिसा हिली के अलावा मिडिल आर्डर बैटर मेग लैनिंग (41) और एलिसे पेरी ने 40 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट चौथी बॉल पर ही गिर गया था। बेथ मूनी बिना खता खोले आउट हुई। इसके बाद मेग लेंनिंग ने पारी संभाली और दोनों बैटर ने 70 रन की सांझेदारी की।

न्यूजीलैंड की ले ताहू और एमिला केर ने 3 विकेट लिए। वहीं, जेस केर और हेले जेनसन को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड के दोनों ओपनर खता नहीं हो सके

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम के दोनों ओपनर खता नहीं खोल सके। सूजी बैट्स और कप्तान सोफी डेविन पहली ही बॉल पर आउट हो गए। मेगन शट ने दोनों को आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ाती ही चली गई। एमेलिया केर ने न्यूजिल्द के लिए सबसे ज्यादा (21) रन बनाए। वहीं 8 खिलाड़ी 10 का आकड़ा भी नहीं छू सके।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एशले गार्डनर के अलावा मेगन शट को 2, एलिस पेरी और डार्सी ब्राउन को 1-1 विकेट मिला।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हरा दिया

पार्ल, 12 फरवरी (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका के पार्ल में वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 14.3 ओवर में ही 3 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। 30 बॉल पर नाबाद 40 रन बनाने वाली नेटली सीवर ब्रंट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। उन्होंने पावरप्ले में अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। टीम ने 6 ओवर में बगैर नुकसान के 47 रन बना लिए थे फिर 7वें ओवर स्टेफनी टेलर 15 बॉल में 3 रन की बेहद धीमी पारी खेलकर आउट हो गईं। 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर मैथ्यूज सोफी एक्लेस्टोन का शिकार हो गईं। मैथ्यूज ने 42 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की शेमैन काम्पबैल ने 37 बॉल पर 34 रन बनाए। उनके और कप्तान के अलावा कोई भी बैटर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन ही बना पाई। इंग्लैंड से सोफी एक्लेस्टोन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। केथरीन ब्रंट और सारा ग्लेन को एक-एक विकेट मिला। जबकि 2 बैटर रनआउट हुईं।

136 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को ओपनर सोफिया डंकली ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। उन्होंने 18 बॉल पर एक छक्का और 4 चौकों की मदद से 34 रन बनाए। उन्हें शिनेले हेनरी ने पवेलियन भेजा। हेनरी ने डानी व्याट को भी आउट किया और टीम का स्कोर 5.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 50 रन हो गया।

8वें ओवर में एलीस कैप्सी 9 बॉल में 13 रन बनाकर आउट हो गईं। उनके बाद उतरीं कप्तान हीथर नाइट और नेटली सीवर ब्रंट ने कोई और विकेट नहीं जाने दिया। दोनों ने 44 बॉल पर 67 रन की नॉटआउट पार्टनरशिप की और टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी।

वेस्टइंडीज पर जीत के साथ इंग्लैंड की टीम ग्रुप-2 में 2 पॉइंट के साथ पहले नंबर पर पहुंच गई। वेस्टइंडीज आखिरी स्थान पर है।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अर्पित वसावड़ा का दोहरा शतक

सौराष्ट्र को 500 के पार पहुंचाया; मध्यप्रदेश के खिलाफ बंगाल को 547 रन की बढ़त

इंदौर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के चौथे दिन सौराष्ट्र के कप्तान अर्पित वसावड़ा ने दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने शेल्डन जैक्सन के साथ 232 रन की पार्टनरशिप की और टीम का स्कोर 500 रन के पार पहुंचाया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में बंगाल की टीम ने मध्य प्रदेश के खिलाफ 547 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सौराष्ट्र और कर्नाटक के बीच पहला सेमीफाइनल खेला जा रहा है। मैच के चौथे दिन सौराष्ट्र के कप्तान अर्पित वसावड़ा ने 406 बॉल में 202 रन की मैराथन पारी खेली। जैक्सन के साथ 232 रन की पार्टनरशिप करने के बाद उन्होंने चिराग जानी के साथ 5वें विकेट के लिए 142 रन जोड़े। अर्पित टीम के 9वें बैटर के रूप में आउट हुए। उनके आउट होने के बाद टीम 527 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अर्पित से पहले तीसरे दिन शेल्डन जैक्सन ने भी शतक जड़ा था। उन्होंने 245 बॉल में 160 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा चिराग जानी ने 72 रन बनाए। कर्नाटक के विद्वत कवरेप्पा को सबसे ज्यादा 5 विकेट मिले। कर्नाटक ने चौथे दिन ही अपनी दूसरी पारी शुरू कर दी। टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल 55 रन बनाकर आउट हुए। दिन की आखिरी बॉल पर मनिष पांडे भी 4 रन बनाकर आउट हो गए। टीम के निकीन बोस 54 रन पर नाबाद हैं। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिए।

कर्नाटक पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हुई थी। वहीं, सौराष्ट्र को पहली पारी में 120 रन की बढ़त मिली। इस तरह कर्नाटक की कुल बढ़त 3 रन की हो चुकी है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल बहुत मजबूत स्थिति में पहुंचा चुका है। टीम ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 9 विकेट पर 279 रन के स्कोर पर खत्म की। अनुस्टुप मजूमदार ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए। जबकि प्रदीप्ता प्रमाणिक 60 रन के स्कोर पर ईशान पोरेल के साथ नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के सारंश जैन ने सबसे ज्यादा 6 और कुमार कार्तिकेय ने 3 विकेट लिए।

बंगाल ने पहली पारी में 438 रन बनाए। जिसके जवाब में मध्यप्रदेश की टीम पहली पारी में 170 रन ही बना सकी। बंगाल के आकाश दीप ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए थे।

2024 में देश में खत्म होगी बीजेपी सरकार : केसीआर

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के तथ्यों और आंकड़ों के साथ, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की विफलताओं और तेलंगाना के प्रति भेदभाव के हर पहलू को उजागर किया और यह कहा कि भाजपा शासन 2024 में अपना अंत देखेगा। विधानसभा में बोलते हुए, केसीआर ने कहा कि बांग्लादेश युद्ध के बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की देशभर में प्रशंसा की गई थी किंतु लोगों ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका था। उन्होंने कहा कि सत्ता अस्थायी है और लोग अपने वोट के साथ अन्यायियों को एक उचित सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने देश भर में 157 मेडिकल कॉलेजों की घोषणा की, लेकिन तेलंगाना के लिए एक भी स्वीकृत नहीं किया गया। नर्सिंग कॉलेजों का भी यही हाल है। उन्होंने पूछा कि क्या यही लोकतंत्र या संघीय भावना है? जब भाजपा तेलंगाना को एक मेडिकल कॉलेज की मंजूरी नहीं दे सकती है, तो हम भाजपा को एक वोट क्यों दें? उन्होंने दृष्टि और विकास की कमी के लिए भाजपा सरकार की आलोचना जारी रखी।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 20 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है, उन्होंने कहा कि जब उनके बच्चों को अमेरिका में ग्रीन कार्ड मिला तो लोग जश्न मना रहे हैं और यह देश के विनाश का संकेत हैं। यह कहते हुए कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मोदी की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया था, मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उपलब्धियों के बारे में कभी डींग नहीं मारी और चुपचाप अपना काम करते रहे। उन्होंने पत्रकार पूजा मेहरा की किताब 'द लॉस्ट डिकेड' का हवाला देते हुए कहा कि इसके विपरीत, देश के सभी क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन के बावजूद, भाजपा सरकार झूठी उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद, लोगों ने भाजपा में विश्वास किया और नरेंद्र मोदी को प्रधान मंत्री बनाया, लेकिन तब से देश की स्थिति बद से बदतर हो गई है।

इस बात पर जोर देते हुए कि वह कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर देश ने मनमोहन सिंह के शासन के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया होता, तो तेलंगाना का जीएसडीपी वर्तमान 13 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 16 लाख करोड़ रुपये होता। सीएम ने कहा कि एलआईसी ने कई कंपनियों में काफी निवेश किया था और जब से घोटाला सामने आया, अरबों रुपये हवा हो गए। उन्होंने कहा कि पूरा देश यह जानने के लिए उत्सुक है कि अडानी मामले में केंद्र क्या करेगा। फिर भी, प्रधान मंत्री ने एक शब्द भी नहीं कहा। मामला उद्योगपतियों और लोगों के लिए बेहद चिंता का विषय होने के बावजूद न कोई आश्वासन मिला, न ही कमेटी गठित करने का जिक्र। भाजपा सरकार के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य पर बहस पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी अब मजाक बन गया है। तमाम प्रचार के बाद, भारत सिर्फ 3.1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा कि कम से कम लक्ष्य ऊंचा होना चाहिए और किसी के पास दृष्टि और सपने देखने का साहस होना चाहिए।

जल्द ही हर निर्वाचन क्षेत्र में एकीकृत बाजार

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विधानसभा को सूचित किया कि गुणवत्ता वाली सब्जियां, मांस और मछली एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए, राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक अत्याधुनिक स्वच्छ एकीकृत बाजार स्थापित किया जाएगा। बीआरएस सदस्य ए. जीवन रेड्डी द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शाकाहारी और मांस बाजारों की कमी थी और इसलिए सरकार ने हर निर्वाचन क्षेत्र में आधुनिक एकीकृत बाजार स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इन बाजारों में बच्चों के लिए जगह सहित सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी, जहां बच्चे खेलने में समय बिता सकेंगे जबकि उनके माता-पिता खरीदारी में व्यस्त होंगे।

तेलंगाना विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

बजट मानसून सत्र के हिस्से के रूप में सात दिन की बैठक के बाद रविवार को तेलंगाना विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सदन में मौद्रिक विनिमय विधेयक पर हुई बहस में हिस्सा लिया। बजट सत्र के दौरान 56.25 घंटे तक विधायी कामकाज चला। बजट सत्र की शुरुआत 3 फरवरी को राज्य विधानसभा की संयुक्त बैठक में राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के अभिभाषण के साथ हुई। तेलंगाना के वित्त मंत्री टी हरीश राव ने 6 फरवरी को राज्य विधानसभा में 2023-24 के लिए 2,90,396 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री द्वारा विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा के बाद विधानसभा के अनिश्चितकालीन स्थगन की घोषणा की।

सीएम केसीआर ने गरीब लोगों के लिए शुरू किए बस्ती दवाखाना : हरीश

मार्च से बस्ती दवाखानों में होंगे 134 टेस्ट

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने आज कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने राज्य की सभी बस्तियों में लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य में बस्ती अस्पतालों की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अस्पताल लोगों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और नाम हासिल कर लिया है। सदन में सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने लिपिड प्रोफाइल परीक्षण किया था, जिसमें निजी अस्पतालों में 1.48 लाख लोगों को मुफ्त में 800 रुपये का खर्च आता है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने बस्ती के अस्पतालों में 1.08 लाख लोगों का थायरॉयड परीक्षण भी किया है। हरीश राव ने कहा कि वे बस्ती अस्पतालों में रविवार की बजाय शनिवार को छुट्टी दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे रोगियों को 158 प्रकार की दवाएं मुफ्त प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बस्ती अस्पतालों द्वारा दी जा रही सेवाओं के कारण प्रमुख सरकारी

अस्पतालों में ओपी मामलों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि उस्मानिया जनरल अस्पताल में 2019 में ओपी मरीजों की कुल संख्या 12 लाख थी और 2022 में यह संख्या घटकर पांच लाख रह गई। इसी तरह निलोफर अस्पताल में कुल मरीजों की संख्या घटकर 5.3 लाख रह गई है। उन्होंने कहा कि फीवर अस्पताल में मरीजों की कुल संख्या 2019 के चार लाख से घटकर वर्ष 2022 में ओपी संख्या 1.12 लाख रह गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब तक कुल एक करोड़ लोगों ने बस्ती के अस्पतालों की सेवाओं का लाभ उठाया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही सभी बस्ती अस्पतालों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली शुरू करेंगे। वे इस वर्ष अप्रैल से सभी जिलों में पोषण किट की आपूर्ति भी करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री हरीश राव ने विधानसभा को सूचित किया कि मार्च से, राज्य भर में बस्ती दवाखानों में 134 परीक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे। यह अब उपलब्ध 57 परीक्षणों के खिलाफ है। बीआरएस सदस्यों केपी विवेकानंद, बी. गणेश और के. चंदर द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, हरीश राव ने कहा कि बस्ती दवाखानों में लिपिड प्रोफाइल और थायरॉइड जैसे महंगे परीक्षण भी किए जा रहे हैं। बस्ती दवाखानों में अब तक 12 करोड़ रुपये के लगभग 1.48 लाख लिपिड प्रोफाइल और 8 करोड़ रुपये के 1.8 लाख थायरॉइड परीक्षण नि:शुल्क किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 496 बस्ती दवाखानों को मंजूरी दी थी, जिनमें से 345 काम कर रहे हैं, जबकि शेष 151 मार्च से काम करना शुरू कर देंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में लगभग 264 बस्ती दावाखाना, हैदराबाद शहरी समूह में 36 और विभिन्न नगर पालिकाओं में 45 दवाखाना काम कर रहे हैं।

तेलंगाना विधान परिषद के उपाध्यक्ष चुने गए बंडा प्रकाश

मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों ने दी बधाई

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बंडा प्रकाश मुदिराज को रविवार को सर्वसम्मति से तेलंगाना विधान परिषद का उपसभापति चुना गया। चूंकि वे मैदान में एकमात्र उम्मीदवार थे, उन्हें पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, विधायी मामलों के मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने बंडा प्रकाश को उपसभापति के रूप में चुने जाने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंडा प्रकाश का उपसभापति के रूप में चुना जाना सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि एक साधारण परिवार से आने वाले बंदा प्रकाश ने काफी मेहनत की है। मुख्यमंत्री ने मुदिराज समुदाय के लिए सदस्य की सेवाओं को याद किया। बंडा प्रकाश ने 1981 में नगरपालिका पार्षद के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया। उन्हें 2017 में पार्टी का महासचिव नियुक्त किया गया। वे विधायक कोटे से 2021 में विधान परिषद सदस्य चुने गए थे।

मंत्रियों ने विधान परिषद के उपसभापति को दी बधाई

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के उपसभापति चुने गए बंदा प्रकाश का मंत्री थलासानी श्रीनिवास यादव और श्रीनिवास गौड़ सहित विधान परिषद परिसर में पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केसीआर को बीसी के लिए असीम प्यार है। वह बीसी के कल्याण और विकास को अत्यधिक प्राथमिकता देते हैं, और वह उन्हें राजनीतिक पदों पर सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं, और यही कारण है कि बीसी नेता को डिप्टी का पद दिया जाता है। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेन्द्र विधान परिषद परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद बदुगुला लिंगया यादव, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी व अन्य ने शिरकत की।

तेलंगाना में सिंचाई क्षेत्र में बेहतर विकास से किसान खुश

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह महसूस करते हुए कि नवीन सिंचाई पद्धतियों से पानी की दक्षता में वृद्धि हो सकती है, अधिक स्थिर खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित हो सकती है और आर्थिक लाभ प्राप्त करने में मदद मिल सकती है, राज्य सरकार ने नई परियोजनाओं को चालू करके और पुराने सिंचाई बुनियादी ढांचे में सुधार करके सिंचाई सुविधाओं को प्राथमिकता दी, जिसके परिणामस्वरूप कृषि में भारी सुधार हुआ राज्य में पानी का उत्पादन और उपलब्धता संभव हो सका है।

सामाजिक आर्थिक आउटलुक-2023 के अनुसार, 2014-15 से 2022-23 की अवधि के दौरान, तेलंगाना सरकार ने राज्य में सिंचाई परियोजनाओं पर 1.61 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जिसके परिणामस्वरूप सकल सिंचित क्षेत्र (जीआईए) में 2014-15 में 62.48 लाख एकड़ से वृद्धि होकर 2021-22 में 135 लाख एकड़ हो गये हैं। एसईओ ने कहा कि सिंचाई क्षेत्रों में वृद्धि राज्य सरकार के नए और प्राथमिकता के आधार पर जल संसाधनों को बढ़ाने के निरंतर प्रयासों से प्रेरित है। सरकार ने राज्य में अधिकतम सिंचाई कवरेज को बढ़ाने के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया। तेलंगाना के गठन के बाद, बीआरएस सरकार ने कालेश्वरम

लिफ्ट सिंचाई परियोजना जैसी बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की, जिसके माध्यम से लगभग 18.25 लाख एकड़ को सिंचाई के तहत लाया गया है। इसी प्रकार सीता रामा उद्वहन सिंचाई योजना पूर्ण हुई और लगभग 3.87 लाख एकड़ को अब इस परियोजना से पानी मिल रहा है, जे चोक्काराव देवदुला उठाऊ सिंचाई योजना, जो पूर्ण भी हो चुकी है, 5.58 लाख एकड़ को जल उपलब्ध कराने में मदद कर रही है। राजीव भीमा उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से लगभग 2.03 लाख एकड़ को सिंचाई के अंतर्गत लाया गया है। महात्मा गांधी कलवाकुर्ती लिफ्ट सिंचाई योजना से 4.24 लाख एकड़ में पानी उपलब्ध हो रहा था, जबकि जवाहर नेत्टेम्पाडु लिफ्ट सिंचाई योजना से लगभग 2 लाख एकड़ में सिंचाई हो रही है।

पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) और देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना (डीएलआईएस) प्रगति पर हैं, जो एक बार पूरा हो जाने के बाद क्रमश: लगभग 12.30 लाख एकड़ और 3.61 लाख एकड़ सिंचाई के तहत लाएगी। राज्य सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं में सुधार के अलावा मिशन काकतीय के तहत लघु सिंचाई टैंकों के जीर्णोद्धार का कार्य अपने हाथ में लिया।

पिछले पांच वर्षों में 8.93 टीएमसी की भंडारण क्षमता के साथ 15.05 लाख एकड़ के एक अयाकट को स्थिर करते हुए, 5,349 करोड़ रुपये के व्यय के साथ लगभग 27,472 टैंकों को बहाल किया गया है। वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं, लघु सिंचाई टैंकों के जीर्णोद्धार, चैक डैम के कारण राज्य की सिंचाई क्षमता उपयोगिता बढ़कर 97.57 लाख एकड़ हो गई है, जिसके फलस्वरूप राज्य धान उत्पादन में दूसरा राज्य बन गया है।

बजरंग दल ने हैदराबाद में वेलेंटाइन डे पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में, हिंदू राष्ट्रवादी समूह बजरंग दल के सदस्यों ने रविवार को वेलेंटाइन डे मनाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। समूह ने कार्यक्रमों का आयोजन किया जहां उन्होंने वेलेंटाइन डे के ग्रीटिंग कार्ड जलाए और दिन के जश्न के विरोध में नारों के साथ रैलियां कीं। बजरंग दल के कार्यकर्ता शहर के विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए और 'पश्चिमी संस्कृति' के रूप में प्रथा की निंदा करते हुए पुतले और ग्रीटिंग कार्ड जलाए। उन्होंने तेलंगाना के लोगों को 14 फरवरी को दिन नहीं मनाने की चेतावनी दी और इसके बजाय पारंपरिक मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। बजरंग दल द्वारा विरोध भारत में पश्चिमी सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रसार के रूप में देखे जाने वाले उनके चल रहे विरोध का हिस्सा है।

पत्नी के फंदे पर लटके मिलने के बाद पति ने बिजली के ट्रांसफार्मर को छुआ

निर्मल, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा कस्बे के नरसिंहनगर में रविवार को एक महिला फंदे से लटकी मिली, जिसके बाद उसके पति ने बिजली के ट्रांसफार्मर को छूकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। भैंसा इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने कहा कि नरसिम्हानगर के साईं की पत्नी 22 वर्षीय एरेवारा दीपा को उनके आवास में फांसी पर लटका पाया गया। अपनी पत्नी की मौत से क्षुब्ध हो कर उनके पति ने कस्बे के कुभीर चौराहे पर बिजली के ट्रांसफार्मर को छूकर जान देने का प्रयास किया। आसपास के लोगों ने उसे देखा और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इस बीच दीपा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भैंसा एरिया अस्पताल भेज दिया गया। एक मामला दर्ज किया गया था और जांच जारी है।

दमरे आरपीएफ ने 10 बाल तस्करी पीड़ितों को बचाया, पांच तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिकंदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे ने 10 फरवरी को 10 बाल तस्करी पीड़ितों को सफलतापूर्वक बचाया और पांच तस्करों को हिरासत में लिया। यह ऑपरेशन एनजीओ बचपन बचाओ और एनजीओ के सहयोग से चलाया गया था। आरपीएफ के साइबर सेल द्वारा निरंतर डेटा विश्लेषण से उत्पन्न खुफिया जानकारी पर आधारित था। 10 फरवरी को, आरपीएफ ने ट्रेन संख्या 18045 ईस्ट कॉस्ट एक्सप्रेस को खम्मम में उसके अधिकार क्षेत्र के शुरुआती बिंदु से सुरक्षा प्रदान की और खम्मम से सिकंदराबाद तक लक्षित छापे मारे। आरपीएफ सिकंदराबाद की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) द्वारा ऑपरेशन चलाया गया था और इसमें ट्रैफिकर्स की सीट और कोच नंबर की पहचान करने और इंगित करने के लिए संदिग्ध कोचों पर कड़ी नजर रखी गई थी। पीड़ित और तस्कर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार से आ रहे थे। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने पर, आईपीएफ/एलपीआई और सीआई/जीआरपी/एससी, साथ में वेंकटेश्वरलू, बीबीए, राज्य समन्वयक और रेलवे चाइल्डलाइन ने उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/एससी को भेज दिया। आरपीएफ ने जनता से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने और मानव तस्करी की क्रूर और अमानवीय प्रथाओं से समाज के सबसे कमजोर सदस्यों की रक्षा करने के अपने प्रयासों का समर्थन करने की अपील की। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, आरपीएफ ऑपरेशन एएएचटी के तहत मानव तस्करी के सैकड़ों पीड़ितों को बचाने और कई तस्करों को गिरफ्तार करने में सफल रहा है। 2022 में, आरपीएफ सिकंदराबाद ने ऑपरेशन एएएचटी के तहत 23 बच्चों को बचाया।

टीडीपी ने वाईएसआरसीपी की आलोचना की

विजयवाड़ा, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश की पदयात्रा में हर मोड़ पर बाधा उत्पन्न करने के लिए सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार की आलोचना की है। तेदेपा नेताओं का आरोप है कि वाईएसआरसीपी सरकार और उसके कार्यकर्ता अपने समर्थकों के बीच भय और तनाव फैलाकर जानबूझकर लोकेश की पदयात्रा की सफलता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। टीडीपी पोलितब्यूरो के सदस्य श्रीनिवासुलु रेड्डी के अनुसार, वाईएसआरसीपी सरकार ने लोकेश की पदयात्रा में बाधा डालने के लिए 500 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया है और बाधा उत्पन्न करने के लिए निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों पर दबाव डाला है। श्रीनिवासुलु रेड्डी ने आगे आरोप लगाया कि सरकारी सलाहकार सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने लोकेश की पदयात्रा को बदनाम करने के लिए एक फर्जी वीडियो बनाया है। टीडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री प्रतिपति पुल्ला राव का आरोप है कि सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी हर तरह से संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर रही है। उनका दावा है कि वाईएसआरसीपी के कार्य अस्वीकार्य हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान की कमी दिखाते हैं।

आंध्र सीएम जगन ने नए राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर का स्वागत किया

अमरावती, 12 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने रविवार को राज्य के राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एस अब्दुल नज़ीर का स्वागत किया। यमंत्री ने रविवार को ट्वीट किया कि आंध्र प्रदेश के हमारे खूबसूरत राज्य में आने वाले राज्यपाल, एस. अब्दुल नज़ीर का स्वागत करना मेरा सौभाग्य है। मैं आंध्र प्रदेश के विकास के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नज़ीर, जो कर्नाटक से हैं, को आंध्र प्रदेश के

राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति नज़ीर ने बिस्वभूषण हरिचंदन की जगह ली है, जिन्हें छत्तीसगढ़ स्थानांतरित किया गया है।

जगन ने निवर्तमान राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन को भी धन्यवाद दिया और छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में उनकी नई भूमिका के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। ट्विटर पर जगन ने कहा, आंध्र प्रदेश के निवर्तमान राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन के साथ काम करना एक सच्चा सम्मान था। उन्होंने हमारे राज्य को जो सेवाएं प्रदान की हैं, उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं और उनके साथ अपने उपयोगी जुड़ाव को हमेशा संजोता रहूंगा। मैं छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में उनकी नई भूमिका के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।
SIDPILES TABLET For Piles
अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।
चिकित्सीय सलाह : 8448444935
www.baidyanath.co

HolidayBazaar.co
A Journey with Sweet Memories
Turkey
GROUP TOUR
WITH OWN CHEF
10 N / 11 D
Ex- Hyd
Departure : 27th April, 8th & 19th May' 23
Food by Maharaj
5* Hotels
M: +91 99859 60123
+91 81210 01812

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.